जनजाति गौरव दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- हिंसा छोड़कर मुख्य धारा से जुड़ रहे नक्सली - 14

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार - 14

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन - 15

गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे पंत करेंगे कप्तानी - 16

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 02:47 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 91, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 5 रुपये

बिहार में 10वीं बार नीतीश सरकार

मुख्यमंत्री पद की ली शपथ, कैबिनेट में 26 मंत्री शामिल, इनमें से 3 महिलाएं

- मंत्रिमंडल में भाजपा के 14, जदयू के 8, लोजपा के 2 मंत्री शामिल
- शपथ में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी रहे मौजूद

पटना, एजेंसी

पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान गमछा लहराते हुए प्रधानमंत्री, साथ में हैं नवनियुक्त मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक भव्य समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री पद की रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी इस अवसर पर मौजूद थे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कुमार और 26 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यपाल से नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिहार सरकार में मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को हार्दिक बधाई। यह समर्पित नेताओं की शानदार टीम है, जो बिहार को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। सभी को मेरी शुभकामनाएं। समारोह के अंत में प्रधानमंत्री ने अपने चिरपरिचित अंदाज में 'गमछा' हवा में लहराकर उपस्थित जनसमूह का उत्साह बढ़ाया। शपथ ग्रहण समारोह के लिए गांधी मैदान में विशाल मंच तैयार किया गया था, जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरकत की।

इनमें आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, असम के हिमंत विश्व शर्मा और दिल्ली की रेखा गुप्ता शामिल थीं। शपथ लेने वालों में भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और उपनेता विजय कुमार सिन्हा शामिल थे, जो पिछली राजग सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। मंत्रिमंडल में कम से कम तीन मंत्री विधान परिषद के सदस्य हैं जिनमें जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री के विश्वस्त अशोक चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख संतोष कुमार सुमन शामिल हैं। जमुई से लगातार दूसरी बार निर्वाचित पुरस्कार विजेता निशानेबाज श्रेयसी सिंह को पहली बार मंत्रिमंडल में जगह मिली है। मुजफ्फरपुर के पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी और औराई से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक रमा निषाद को भी मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया है। जदयू के नौ बार के विधायक बिजेंद्र प्रसाद यादव भी एक बार फिर मंत्रिमंडल में लौटे हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में मोदी का 'गमछा' लहराना बना आकर्षण

पटना। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'गमछा' लहराना भीड़ के आकर्षण का केंद्र रहा। जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी ने गमछा लहराया, गांधी मैदान में मौजूद करीब तीन लाख लोगों की भीड़ में उत्साह का माहौल बन गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने लोकगीतों और लोकनृत्यों की प्रस्तुति देकर मंच पर मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और उप्र, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, हरियाणा और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों का मन मोह लिया।

विधेयकों की स्वत: स्वीकृति की अनुमति नहीं देता संविधान

नई दिल्ली, एजेंसी

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- राज्यपाल एवं राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समय सीमा तय नहीं की जा सकती
- राज्यपाल अनुच्छेद 200 के तहत प्रदत्त अधिकारों से परे जाकर विधेयकों को लंबित नहीं रख सकते

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि निर्धारित समय सीमा की समाप्ति के बाद, विधेयकों पर राज्यपाल या राष्ट्रपति की 'स्वतः स्वीकृति' (डीम्ड एसेंट) कार्यपालिका के कार्यों को न्यायपालिका द्वारा अपने हाथों में लेने जैसा है, जो अस्वीकार्य है।

न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए न्यायालय द्वारा लंबित विधेयकों पर स्वतः स्वीकृति की अवधारणा वस्तुतः एक अलग संवैधानिक प्राधिकार की भूमिका और कार्य को अपने हाथ में लेने की तरह है। इस संबंध में राष्ट्रपति द्वारा राय मांगे जाने पर प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि अनुच्छेद 200 और 201 के संदर्भ में 'स्वतः स्वीकृति' की अवधारणा यह कहती है कि एक संवैधानिक प्राधिकार, यानी न्यायालय, किसी अन्य संवैधानिक पदाधिकारी, अर्थात राज्यपाल या राष्ट्रपति की भूमिका नहीं निभा सकता है। पीठ ने कहा, राज्यपाल के कार्य और इसी प्रकार राष्ट्रपति के कार्यों को इस तरह से हड़पना न केवल संविधान की भावना के प्रतिकूल है, बल्कि विशेष रूप से 'शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत' के भी प्रतिकूल है - जो भारतीय संविधान के मूल ढांचे का एक हिस्सा है। न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 पर निर्भरता संवैधानिक प्रावधानों का अतिक्रमण नहीं है। अनुच्छेद 142 शीर्ष अदालत को अपने समक्ष लंबित किसी भी मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक कोई भी आदेश या डिग्री पारित करने का अधिकार देता है। पीठ ने कहा, हमें इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि समय सीमा की समाप्ति पर अनुच्छेद 200 या 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी, न्यायिक घोषणा के माध्यम से कोर्ट द्वारा कार्यपालिका के कार्यों को अपने हाथ में लेने जैसा है, जो हमारे संविधान के तहत अस्वीकार्य है।

विधेयक रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं

एक महत्वपूर्ण फैसले में, शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति पर कोई समय-सीमा नहीं थोपी जा सकती है, तथा राज्यपालों के पास उन विधेयकों को हमेशा के लिए रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं हैं। न्यायालय ने कहा कि राज्यपालों के पास केवल तीन विकल्प हैं - या तो वे विधेयक को मंजूरी दें या उसे राष्ट्रपति के पास भेजें या फिर मंजूरी रोककर अनुच्छेद 200 के तहत पुनर्विचार के लिए उसे विधानमंडल को वापस भेजें। पीठ ने यह भी कहा कि विधेयकों को मंजूरी देने, रोक कर रखने या सुरक्षित रखने के राज्यपालों और राष्ट्रपति के निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते हैं। हमें इस अदालत के बाध्यकारी निर्णयों का अनुसरण नहीं करने का कोई कारण नहीं मिलता है...हमारा मानना है कि अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति के कार्यों पर अदालत विचार नहीं कर सकती।

ब्रीफ न्यूज

रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ एक और आरोप पत्र

नई दिल्ली। ईडी ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ब्रिटेन स्थित हथियार कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में आरोप पत्र दाखिल किया। अभियोजन की शिकायत यहां विशेष धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) अदालत में दायर की गई है। वाड्रा के खिलाफ धनशोधन के मामले में यह दूसरा आरोप पत्र है। जुलाई में, ईडी ने हरियाणा के शिकोहपुर में एक ज़मीन सौदे में कथित गड़बड़ियों से जुड़े धनशोध मामले में उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के कई स्कूलों को गुरुवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले, जिन्हें बाद में फर्जी घोषित कर दिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन स्कूलों में चाणक्यपुरी स्थित ब्रिटिश स्कूल और संस्कृति स्कूल, बाराखंभा स्थित मॉडर्न स्कूल, पश्चिम विहार स्थित दून पब्लिक स्कूल और श्री अरबिंदो मार्ग स्थित मदर्स इंटरनेशनल स्कूल (एमआईएस) शामिल हैं। कई स्कूलों को भेजे गए ईमेल में कहा गया, मैं आपको एक अत्यंत गंभीर और जरूरी चेतावनी के साथ लिख रहा हूं। आपकी इमारत में कई बहुत शक्तिशाली बम रखे गए हैं जो किसी भी समय फट सकते हैं।

कमरे में अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की मौत

अमित बर्नवाल, राहुल सिंह, संजू सिंह, दाऊद अंसारी।

- ऑयल सीड्स कंपनी में काम करते थे, सुबह काम के लिए जगाने पर मौतों का पता चला
- कमरे में वेंटीलेशन न होने से दम घुटने से मौत होने की आशंका, फॉरेंसिक टीम ने की जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: पनकी औद्योगिक क्षेत्र डी-58 में निर्माणाधीन ऑयल सीड्स कंपनी में बुधवार रात कमरे में कोयले की अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की दम घुटने से नींद में ही मौत हो गई। सुबह मौत का पता चलने पर हड़कंप मच गया। दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाले गए।

पुलिस कमिश्नर, जेसीपी, फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच-पड़ताल कर साक्ष्य एकत्र किए। चारों एक ही कमरे में सोये थे, जिसके एक कोने में अंगीठी में कोयला जलता मिला। फॉरेंसिक के अनुसार अंगीठी से निकली कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस से दम घुटने की आशंका जताई जा रही है। सभी युवक एक ही गांव देवरिया के तवकलपुर के रहने वाले थे।

गोविंदनगर इलाके के रहने वाले वरुण कटारिया की पनकी इंडस्ट्रियल एरिया साइड दो स्थित डी-58 में निर्माणाधीन कटारिया एडिबल्स एलएलपी ऑयल सीड्स कंपनी है। जिसके निर्माण का जिम्मा इंदौर की आदित्य एंटरप्राइजेज कंपनी को सौंपा गया है। कंपनी में ज्यादातर फैब्रिकेटर (कुशल पेशेवर) देवरिया के रहने वाले हैं। जिसमें चारों दोस्त संजू सिंह (22), राहुल सिंह (23), अमित वर्मा (32) और दाऊद अंसारी (25) एक ही गांव देवरिया के तवकलपुर मुसहती तरकुलवा के थे। ये चारों एक कमरे में सोये थे। उनके तीन साथी दूसरे कमरे में सोये थे। गांव का ही नागेंद्र गुरुवार सुबह करीब छह बजे चारों को काम के लिए जगाने पहुंचा तब उसे घटना का पता चला। इस पर ठेकेदार के साथ पनकी पुलिस को सूचना दी गई। दरवाजा तोड़कर लोग अंदर पहुंचे तो चारों को मृत पाया।

उनके मुंह से सफेद झाग निकला था। सूचना पर पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल, जेसीपी लॉ एंड आर्डर आशुतोष कुमार और एसडीएम सदर, फील्ड यूनिट, पनकी का फोर्स और फॉरेंसिक टीम पहुंची।

अल-फलाह का पूर्व छात्र बेग देश में कर चुका कई धमाके

नई दिल्ली, एजेंसी

- आजमगढ़ का रहने वाला है बेग, 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए कई विस्फोट, जांच में सामने आया सच

दिल्ली कार विस्फोट की जांच का दायरा बढ़ने के साथ दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा को इंडियन मुजाहिदीन के भगोड़े आतंकवादी और अल फलाह विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मिर्जा शादाब बेग के बारे में एक नया सुराग मिला है।

दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि बेग 2007 में अल फलाह विश्वविद्यालय में छात्र था, जब यह एक इंजीनियरिंग कॉलेज हुआ करता था। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का मूल निवासी बेग 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए गए कई विस्फोटों के लिए वांछित है। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के दस्तावेजों के अनुसार बेग ने 2007 में अल फलाह से बीटेक की पढ़ाई पूरी की

थी, उसी साल उसने गोरखपुर विस्फोट को अंजाम दिया था। सूत्र ने यह भी बताया कि बेग 2008 के हमलों के तुरंत बाद भारत से भाग गया था। उसके खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त डॉ. मुजम्मिल शकील विश्वविद्यालय में काम करता था।

दिल्ली धमाके के 4 आरोपी 10 दिन की एनआईए हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को लालकिला विस्फोट मामले में चार आरोपियों को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया। इन लोगों को 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए कार विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इस विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे। विस्फोट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मुजम्मिल गनई, अदील राथर और शाहीना सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागे को गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले दिन में एनआईए ने उन्हें श्रीनगर में हिरासत में लिया और पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। एनआईए ने चारों आरोपियों से पूछताछ के लिए अदालत से 15 दिन की हिरासत का अनुरोध किया था।

- डॉ. मुजम्मिल, डॉ. अदील, मुफ्ती इरफान और डॉ. शाहीन सईद को दिल्ली कोर्ट में किया गया पेश

पुलिस ने कश्मीर टाइम्स के जम्मू कार्यालय पर छापा मारा

जम्मू। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने देश के खिलाफ गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में गुरुवार को यहां कश्मीर टाइम्स के कार्यालय पर छापा मारा। अखबार के खिलाफ देश के हितों के प्रतिकूल गतिविधियों का महिमामंडन करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। एसआईए के अधिकारियों ने अखबार के परिसरों और कंप्यूटरों की गहन जांच की। प्रकाशन और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उनसे पूछताछ किए जाने की संभावना है।

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन

लखनऊ। मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का गुरुवार सुबह लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। वह 67 वर्ष के थे।

सिंह के बेटे सुजीत सिंह ने बताया, वह (सुधाकर सिंह) मंगलवार को दिल्ली से विमान से वाराणसी आए थे। दिल्ली हवाई अड्डे पर वह ठीक थे लेकिन वाराणसी हवाई अड्डे पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उन्हें इलाज के लिए वाराणसी में भर्ती कराया गया था और फिर बेहतर उपचार के लिए उन्हें लखनऊ ले जाया गया। पिता को देर रात लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गुरुवार सुबह करीब सात बजे उनका निधन हो गया। उन्होंने चिकित्सकों के हवाले से बताया कि उनके पिता को हृदय संबंधी समस्याएं थीं। तीन बार विधायक रहे सुधाकर सिंह के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं।

अंबानी की 1452 करोड़ की संपत्ति कुर्क

- ईडी ने गुरुवार को रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले के तहत की कार्रवाई

नई दिल्ली। ईडी ने गुरुवार को अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत 1,452 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क कीं।

एजेंसी ने पीएमएलए के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया, जिसके तहत मुंबई के धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटीऔर मिलेनियम बिजनेस पार्क, नवी मुंबई में स्थित कई इमारतों के साथ-साथ पुणे, चेन्नई और भुवनेश्वर में स्थित भूखंडों और इमारतों को कुर्क किया गया। एजेंसी ने बताया कि ये संपत्तियां 1,452.51 करोड़ रुपये मूल्य की हैं और आरकॉम तथा कुछ अन्य कंपनियों की हैं। एजेंसी ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और अन्य वित्तीय अनियमितताओं से संबंधितप मामले में इससे पहले 7,500 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की थीं। रिलायंस ग्रुप समूह के सूत्रों ने पहले कहा था कि डीएकेसी आरकॉम की परिसंपत्ति है जो पिछले छह वर्ष से दिवालियापन का सामना कर रही है।

भारत को एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और जेवलिन मिसाइल सिस्टम देगा अमेरिका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है यह मिसाइल
- नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का हुआ सौदा

अमेरिका ने भारत के लिए 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल', 'जेवलिन मिसाइल सिस्टम' और संबंधित उपकरणों की कुल नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिका ने भारत को हिंद-प्रशांत और दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता एवं शांति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बताया है। अमेरिका ने यह भी कहा कि इस बिक्री से एक प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा मजबूत होगी। यह मिसाइल टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है।

रक्षा सहयोग एजेंसी ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने भारत को अनुमानित लागत चार करोड़ 71 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल' और संबंधित उपकरणों की और अनुमानित लागत चार करोड़ 57 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'जैवलिन मिसाइल सिस्टम' एवं संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। रक्षा सहयोग एजेंसी ने संसद को बिक्री की जानकारी देते हुए आवश्यक प्रमाणीकरण प्रदान किया। एजेंसी ने कहा, यह प्रस्तावित बिक्री अमेरिका-भारतीय सामरिक संबंधों को मजबूत करने और एक ऐसे प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा में सुधार करने में मदद करके अमेरिका की विदेश नीति एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी जो हिंद-प्रशांत एवं दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता, शांति और आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बना हुआ है। एजेंसी ने कहा, सटीक क्षमता वाले उपकरणों की उपलब्धता से वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की भारत की क्षमता में सुधार होगा।

चिंतनीय | देश में पिछले पांच साल में रोगियों की संख्या में हुई बढ़ोतरी, 2020 में जहां 18,05, 670 थी वहीं 2024 में 26,17, 923 हो गई

डेढ़ गुना बढ़े टीबी रोगी, 2025 तक था खत्म करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में हुआ खुलासा

केंद्र सरकार ने साल 2025 तक तपेदिक (टीबी) रोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा था लेकिन देश में पिछले पांच साल में इसके रोगियों की संख्या में डेढ़ गुना वृद्धि दर्ज की गयी है।

2020 में जहां टीबी रोगियों की संख्या 18,05, 670 थी वहीं 2024 में इस संक्रामक रोग का शिकार होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 26,17, 923 हो गयी। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत समाचार एजेंसी भाषा द्वारा दायर एक आवेदन के जवाब में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

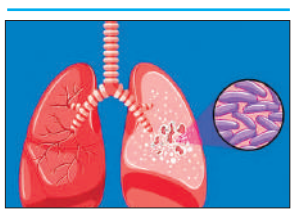

मंत्रालय के केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग ने यह जानकारी उपलब्ध कराई है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो 'माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' नाम के बैक्टीरिया के कारण होती है। यह रोग मुख्य रूप से रोगी के फेफड़ों को प्रभावित करता है लेकिन शरीर के अन्य अंग जैसे गुर्दे, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, टीबी के कुल मामलों की संख्या इस साल अक्टूबर तक 20,77,591 हो चुकी है। आरटीआई के मुताबिक, 2020 में टीबी के18,05,670, 2021 में 21,35,830, 2022 में 24,22,121, 2023 में 25,52,257 और 2024 में 26,17,923 मामले सामने आए थे।

ये आंकड़ें टीबी के मामलों में वृद्धि के परिचायक हैं। प्रति एक लाख आबादी पर टीबी के मामलों की दर की बात की जाए तो यह 2020 में 131, 2021 में 153, 2022 में 172, 2023 में 179, 2024 में 183 और 2025 में 195 पर पहुंच गई। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित 'पल्मनोलॉजी रीजेंसी हॉस्पिटल' के कंसल्टेंट डॉ. आमिर नदीम ने बताया, टीबी की अगर समय पर पहचान न हो और उपचार न मिले तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है।

उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य

आरटीआई के तहत केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है, जहां जून 2025 तक 3,83,987 मामले सामने आ चुके हैं जबकि 2024 में यहां 6,81,779, 2023 में 6,32,872, 2022 में 5,22,850, 2021 में 4,53,712 और 2020 में 3,66,641 मामले सामने आए थे। आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जून 2025 तक 62,342 मामले, सामने आ चुके हैं जबकि पिछले चार वर्ष में यह आंकड़ा एक लाख को पार कर गया था। दिल्ली में 2024 में 1,05,343, 2023 में 1,00,523, 2022 में 1,06,731, 2021 में 1,03,038 और 2020 में 86,842 मामले सामने आए थे। टीबी से सबसे कम प्रभावित राज्यों की गिनती में लक्षद्वीप सबसे आगे हैं, जहां जून 2025 तक सिर्फ नौ मामले सामने आए हैं।

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड 25 रजत जयंती वर्ष

देवभूमि रजत उत्सव

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड रजत जयंती उत्सव

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विज़न के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

- समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश में प्रथम राज्य बना उत्तराखण्ड।
- राज्य में सशक्त भू कानून, सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून, एवं दंगारोधी कानून हुआ लागू।
- राज्य में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में ₹3.56 लाख करोड़ के एम.ओ.यू. हुए साईन। अब तक ₹01 लाख करोड़ से अधिक के निवेश की हो चुकी ग्राउंडिंग।
- राज्य के इतिहास में पहली बार पेश हुआ 1 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट।
- शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख से बढ़ाकर किया 50 लाख रुपए। परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि 50 लाख से बढ़ाकर की गई डेढ़ करोड़।
- राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 26 गुना बढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय 17 गुना बढ़ी है। राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में अर्थव्यवस्था का आकार ₹14501 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर ₹378240 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।
- केदारनाथ पुनर्निमाण और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान। बद्रीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी कस्बे के रूप में विकसित करने हेतु ₹255.00 करोड़ की विकास योजनाओं का कार्य गतिमान।
- कुमाऊं क्षेत्र में मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अन्तर्गत 48 मन्दिरों को सर्किट के रूप में जोड़ने का कार्य गतिमान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के बनने से 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- राज्य में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य तेज गति से गतिमान। अब तक 70 प्रतिशत कार्य हुआ पूर्ण।
- राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये ₹200 करोड के वेंचर फण्ड की स्थापना।
- वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर ₹1500 किया गया है। अब दोनों बुजुर्ग दंपत्ति को मिल रहा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ। वृद्धावस्था, विधवा, तथा दिव्यांग पेंशन का भुगतान 3 माह की जगह अब प्रत्येक माह होगा।
- वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सीमांत के 51 गांवों का चयन कर किया जा रहा सुनियोजित विकास।
- मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

आज का मौसम

शुक्रवार को दिन का तापमान अधिक रहने से सर्दी का असर कम रहेगा।

27.0° अधिकतम तापमान | 13.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06:34 | सूर्यास्त 05:17

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
NABH CERTIFIED
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

ऐसे बच्चों की पहचान जरूरी जो रहते हैं गुमसुम

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- शैक्षिक संस्थान मानसिक स्वास्थ्य नीति तैयार कर उसे वार्षिक रूप से अपडेट करेंगे
- विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण के लिए डीएम ने की बैठक

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में छात्र मानसिक स्वास्थ्य, कोचिंग सेंटर विनियमों की निगरानी एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई। इसमें जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कहा कि ऐसे बच्चों की पहचान आवश्यक है जो गुमसुम रहते हैं। संवाद नहीं करते या स्वयं को अलग-थलग कर लेते हैं।

गुरुवार को डीएम ने कहा कि उच्चतम न्यायालय का बहुत ही अच्छा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है, जो विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों तथा परिवारों को बच्चों के व्यवहारिक संकेतों को समझने और उन्हें संवेदनशीलता के साथ मार्गदर्शन देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय मानसिक स्वास्थ्य नीति तैयार कर उसे वार्षिक रूप से अपडेट करेंगे। यह नीति उम्मीद मसौदा दिशानिर्देश, मनोदर्पण पहल तथा राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति से प्रेरित होगी। 100 या इससे अधिक नामांकित छात्रों वाले सभी शैक्षणिक संस्थानों की ओर से बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य में प्रमाणित प्रशिक्षण प्राप्त कम से कम एक योग्य परामर्शदाता, मनोचिकित्सक या सामाजिक कार्यकर्ता को नियुक्ति किया जाएगा। जिन संस्थानों में 100 से कम छात्र नामांकित हैं ये अंशकालिक/ आगंतुक परामर्शदाताओं की सेवाएं लेकर अथवा मान्यता प्राप्त बाहरी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ औपचारिक रेफरल व्यवस्था स्थापित कर अनुपालन करेंगे। शैक्षिक संस्थान स्वयं के संसाधनों से इसे शुरू करेंगे। इसमें स्वास्थ्य विभाग से संचालित किशोर मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में निःशुल्क परामर्श की सुविधा है।

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री व अन्य।

हेल्पलाइन नंबर जारी, छात्र शिकायत कर सकेंगे

- सभी संस्थान यह तय करेंगे कि छात्र जाति, लिंग, वर्ग, दिव्यांगता यौन पहचान आदि के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव का शिकार नहीं। प्रत्येक परिसर, कक्षाओं, छात्रावासों एवं सामान्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय आत्महत्या हेल्पलाइन नम्बर- 14416 तथा 18008914416 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। प्रशिक्षण विषयों में मानसिक प्राथमिक उपचार, खतरे के संकेत पहचानना, आत्महत्या प्रवृत्ति पर प्रतिक्रिया तथा रेफरल व्यवस्था सम्मिलित होंगे। छात्र शिकायत निवारणतंत्र प्रत्येक संस्थान आंतरिक शिकायत समिति गठित करेगा जो यौन उत्पीड़न, रैगिंग, जातिगत भेदभाव, धमकाने अथवा मानसिक उत्पीड़न की घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई करेगी। शिकायतकर्ता अथवा गवाह के विरुद्ध किसी भी प्रकार की प्रतिशोधात्मक कार्रवाई पर शून्य सहनशीलता अपनाई जाएगी। संस्थान समय- समय पर अभिभावकों के लिए संवेदनशीलता कार्यक्रम करेंगे ताकि ये छात्रों पर अनावश्यक अकादमिक दबाव न डालें और मानसिक तनाव के लक्षण पहचान कर सहयोगी रवैया अपनाएं। परीक्षा पैटर्न का समय-समय पर मूल्यांकन कर छात्रों पर अनावश्यक अकादमिक बोझ घटाया जाएगा। छात्रावासों एवं आवासीय परिसरों में सुरक्षा उपकरण लगाए जाएंगे। छतों, बालकनियों एवं उच्च जोखिम क्षेत्रों तक अनियंत्रित पहुंच प्रतिबंधित होगी। परिसर को नशा मुक्त, हिंसा-मुक्त एवं सुरक्षित बनाए रखने की जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।

जिला स्तरीय समिति को सहयोग

- सभी विद्यालय एवं महाविद्यालय अपने जिले में गठित जिला मानसिक स्वास्थ्य एवं कोचिंग पर्यवेक्षण समिति को पूरा सहयोग देंगे। समिति की ओर से किए जाने वाले निरीक्षण, शिकायत निवारण, त्रैमासिक रिपोर्टिंग में संस्थानों को आवश्यक जानकारी एवं सहयोग उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। बैठक में एडीएम (न्यायिक) विजय मिश्र, डीआईओएस पप्पू सरोज, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश वर्मा शामिल हुए।

न्यूज ब्रीफ

तिर्वा में सामूहिक विवाह आज

तिर्वा। तिर्वा में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन शुक्रवार को होगा। डी एन इंटर कॉलेज मैदान पर होने वाले आयोजन को लेकर ब्लाक प्रमुख अजय वर्मा ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए कालेज मैदान पर भव्य पंडाल बनाया गया है। सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। विवाह समारोह में 111 जोड़े वैदिक धर्म के अनुसार फेरे लेंगे वही 12 मुस्लिम जोड़े मुस्लिम रीति से निकाह करेंगे।

घर-घर जाकर भरवाए एसआईआर फार्म

उमर्दा (कन्नौज)। वर्तमान में चल रहे मतदाता सूची के प्रगाढ़ पुनरीक्षण में एसआईआर फार्म वितरण के साथ भरवाए जाने का काम चल रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को उमर्दा चौराहे पर स्थित घरों में जाकर बीएलओ की तरफ से फार्म भरवाने का काम किया गया। इसमें फार्म में नीचे बने दो कालम में से बायीं ओर का कालम 2003 मतदाता रहे लोगों से जबकि दायीं ओर का कालम नए मतदाताओं से भरवाया गया।

निःशुल्क नेत्र जांच एवं उपचार शिविर

छिबरामऊ। गुरुवार को छिबरामऊ में डॉ. जवाहरलाल रोहतगी स्मारक चिकित्सालय (सर्वोदय नगर, गोल चौराहा, कानपुर) द्वारा अंधता मुक्त अभियान के तहत नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर गीता मेडिकल स्टोर, तालग्राम रोड, बहवलपुर के संचालक अरुण कुमार सैनी के सौजन्य से आयोजित हुआ। कानपुर से आई नेत्र चिकित्सकों की टीम ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए सैकड़ों मरीजों की आंखों की नि:शुल्क जांच की तथा आवश्यक दवाइयां व चश्में भी वितरित किए। मोतियाबिंद सहित अन्य नेत्र रोगों के मरीजों को आगे के नि:शुल्क ऑपरेशन की सुविधा भी बताई गई।

कौशल विकास के लिए आज व कल परीक्षाएं

कन्नौज। प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बेहरिन अनुज मौर्य ने बताया कि स्किल इंडिया कम्पटीशन के लिए पंजीकृत अभ्यर्थियों की परीक्षाएं आईटीआई परिसर में 21 व 22 नवम्बर को होंगी। जनपद में 20 विभिन्न क्षेत्रों में इस प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जिसमें कुल 844 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 816 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

आशा चयन में अधिकारी ने लिए रुपये, वीडियो वायरल

सीएमओ ने कराई जांच, सौरिख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मामला

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- सीएमओ ने टीम को जांच के लिये सौरिख भेजा

अमृत विचार। सौरिख सीएचसी में एक अधिकारी के सुविधा शुल्क लेने का मामला प्रकाश में आया है। कहा गया कि आशा चयन को लेकर रुपये लिए गए हैं। यह वायरल वीडियो जिसकी अमृत विचार पुष्टि नहीं करता है में कार्यालय में बैठ कर ही अधिकारी सिगरेट के छल्ले भी बना रहे हैं।

सौरिख सीएचसी में एक अधिकारी का आशा चयन को लेकर रुपये लेने का किसी ने वीडियो बना कर वायरल कर दिया। यह वीडियो कब का है इस की पुष्टि नहीं हुई है। वीडियों में अधिकारी को एक व्यक्ति रुपये दे रहा है पर अधिकारी यह कह कर रुपये वापस कर रहे हैं कि रुपये पूरे दो। जानकारी करने पर बताया गया कि आशा चयन को लेकर 60 हजार रुपये की मांग की गई थी। संबधित व्यक्ति मात्र 30 हजार रुपये लेकर पहुंचा था। उसने ही वीडियो बनाया है।इसके बाद अधिकारी ने रुपये रख लिये। यही नहीं जिस समय वीडियो बनाया जा रहा था उस समय अधिकारी अपने कार्यालय में कुर्सी पर बैठ कर सिगरेट भी पी रहे हैं। बताया जाता है कि सौरिख क्षेत्र में एक आशा की हत्या कर दी गई थी। उसी स्थान पर दूसरी आशा का चयन की प्रक्रिया चल रही है। आशा का चयन कराने के लिये युवक ने अधिकारी से 60 हजार रुपये में सौदा किया था। बताया जाता है कि चयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। कागज जिला मुख्यालय भी पहुंच चुके हैं। इनमें कुछ कागजात फर्जी लगाने की बात भी सामने रही है। इसीलिये युवक ने रुपये दिये। सीएमओ डा. स्वदेश गुप्ता ने अपने कार्यालय की टीम को जांच के लिये सौरिख भेजा। जांच में पाया गया कि मृतक आशा व आरोपित अधिकारी आपस में रिश्तेदार हैं। अधिकारी ने उसी आशा को 60 हजार रुपये उधार दिये थे। आशा का पुत्र उन रुपयों को लौटाने आया था। वह 30 हजार रुपये दे रहा था जबकि अधिकारी उधार दिये गये पूरे 60 हजार रुपये की मांग कर रहे थे। रिश्तेदार ने ही वीडियो बना कर वायरल कर दिया।

प्रतियोगिता को युवा साथी पोर्टल पर करें पंजीकरण

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- युवा कल्याण विभाग की अब विधायक खेल स्पर्धा एवं सांसद खेल स्पर्धा होगी
- एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, जूडो एवं बैडमिंटन विधाएं शामिल

अमृत विचार। डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने बताया कि युवाओं को खेलों के लिए प्रेरित करने, स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा, स्थानीय प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराने, अनुशासन एवं टीम भावना को मजबूती देने के लिए विधानसभावार टीम गठित हो गई है।

उन्होंने कहा कि युवा कल्याण विभाग की विकासखंड स्तर की प्रतियोगिता के स्थान पर अब विधानसभा स्तर पर विधायक खेल स्पर्धा एवं संसदीय क्षेत्र स्तर पर सांसद खेल स्पर्धा होगी। खिलाड़ी इसके लिए युवा साथी पोर्टल (http://yuwasathi.in) पर विधानसभा-वार ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। इस वर्ष एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, वॉलीबॉल, फुटबॉल, भारोत्तोलन, जूडो एवं बैडमिंटन विधाओं में उपलब्धता के अनुसार सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर आयु वर्ग में बालिका एवं बालक श्रेणियों में आयोजित होंगी। आयोजन के लिए कार्यकारी समिति गठित की गई है, जिसमें सीडीओ (अध्यक्ष), क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी, जिला युवा कल्याण अधिकारी, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, डीआईओएस तथा बीएसए सदस्य नामित हैं।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

अल्पसंख्यक कल्याण दिवस मनाया

कन्नौज। मुख्य विकास अधिकारी राम कृपाल चौधरी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में कौमी एकता सप्ताह के तहत अल्पसंख्यक कल्याण दिवस कार्यक्रम हुआ।

संचालन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी जितेंद्र कुमार ने किया और विभाग से सम्बन्धित योजनाओं को बताया। इस मौके पर जिला पंचायत राज अधिकारी राजेंद्र प्रकाश, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश वर्मा, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के सहायक अभियंता अभिषेक, शेख सलाउद्दीन, भिक्षु शील मित्र, रमेश बौद्ध, क्रिस्तु ज्योति एवं जैन समुदाय से प्रतिनिधि ने प्रतिभाग किया।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने सीज की एक लाख की कचरी

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- छापा मार अभियान चलाकर तीन नमूने संग्रहीत कर भेजे प्रयोगशाला

अमृत विचार। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से छापामार अभियान चलाया गया। इस दौरान रंगीन कचरी के तीन नमूने संग्रहीत कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए जबकि मौके पर अस्वच्छकर दशाओं बन रही करीब एक लाख कीमत की रंगीन कचरी को सीज कर दिया गया।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी संतोष कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में, क्षेत्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी सर्वेश कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार राठौर एवं अरविन्द कुमार साहू की उपस्थिति में दल ने कन्नौज शहर क्षेत्र में दिबियापुर, पुलिस लाइन के पास, जयंती नगर, कन्नौज स्थित मुकीम अली पुत्र शमीम अली निवासी जयंती नगर कन्नौज की कचरी निर्माण इकाई पर छापा मारा। यहां अत्यंत अस्वच्छकर दशाओं में विक्रय के लिए असुरक्षित रूप से रंगीन कचरी बनाई जा रही थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने निरीक्षण के बाद रंगीन कचरी के तीन नमूने संग्रहित किए। मौके पर लगभग 150 बोरी रंगीन कचरी (लगभग 30 क्विंटल) जिसका अनुमानित बाजारी मूल्य रु. 105000 है को सीज कर मौके पर उपस्थित खाद्य कारोबार कर्ता एवं विक्रेता ऋषभ शुक्ला निवासी जयंती नगर की सुरक्षित अभिरक्षा में रखने को दिया।

कचरी को सीज करने के बाद मौजूद मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी व विभाग की टीम।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने अभियान के दौरान खाद्य कारोबार कर्ताओं सहित आम जन को रंगीन, मिलावटी तथा दूषित खाद्य पदार्थ एवं मिलावट के हानिकारक प्रभाव तथा उनके स्थानीय परीक्षण की विधियों की जानकारी दी।

आयोजन सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में यात्रा में बिना थके चलते रहे छात्र छात्राएं, असीम अरुण ने बढ़ाया उत्साह

पांच किलोमीटर एकता यात्रा में उत्साह से शामिल हुए स्कूली बच्चे

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में शहर में यूनिटी मार्च का आयोजन गुरुवार को किया गया। इसमें शहर भर के तमाम स्कूलों के बच्चों के अलावा रंगरूटों व कैडेटों ने भी उत्साह से हिस्सा लिया। खास बात यह रही लगभग पांच किलोमीटर की पैदल यात्रा में इनका हौसला नहीं डिगा। यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया।

इससे पहले प्रदेश के समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्व.प्र.)/ सदर विधायक असीम अरुण ने मुक्ताकांशी मंच पर दीप प्रज्जवलित कर सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इसके बाद यूनिटी मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यूनिटी मार्च मुक्ताकांशी मंच से मकरन्दनगर तिराहा, लाखन तिराहा, नगर पालिका, ग्वाल मैदान,कोतवाली रोड होते हुये बोर्डिंग ग्राउण्ड में समाप्त हुआ। मार्च रवाना होने से पहले मुक्ताकाशी मंच से संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि हम सब को मत, मजहब, जाति का भेदभाव नहीं करना है। भारत की परपंरा के अनुसार आगे बढ़ना है। हमको किसी भी प्रकार के बटवारे के चक्कर में नहीं पड़ना हैं, हम सभी को आत्मनिर्भरता के लिये आगे बढ़ना हैं। दुनिया में सबसे बड़ी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की स्थापना प्रधानमंत्री ने गुजरात के केवड़िया स्थान पर करवाई हैं। यह हमारी समरसता और इन्फ्रा का बहुत बड़ा प्रतीक हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रिया शाक्य ने कहा कि लौह पुरुष ने देश को एकसूत्र में बांधने का कार्य किया हैं। पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने कहा कि महापुरुष किसी एक व्यक्ति, क्षेत्र या समुदाय के नहीं होते, बल्कि पूरे राष्ट्र और समाज की धरोहर होते हैं। उन्होंने युवाओं से प्रेरणा लेने और सरदार पटेल की कर्तव्यनिष्ठ एवं एकीकृत भारत की भावना को घर-घर पहुँचाने का आह्वान किया।

एकता यात्रा में शामिल स्कूली बच्चे। अमृत विचार

यूनिटी मार्च का आगाज करने के बाद खुशी जताते समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण, पूर्व सांसद सुब्रत पाठक, भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह व अन्य। अमृत विचार

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रामकृपाल चौधरी, पार्टी जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह राजपूत सहित अन्य संबंधित जनप्रतिनिधि व विद्यालयों के बच्चे व शिक्षकगण उपस्थित रहे।

आपका स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता
NARAINA MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL KANPUR
नारायना हॉस्पिटल
सुपर स्पेशियालिटी - 1050 बेड सुसज्जित अस्पताल
(इकाई नारायना मेडिकल कॉलेज)
गंगागंज, पनकी कानपुर
द्वारा आयोजित
फ्री हेल्थ चेकअप कैंप
18 नवम्बर से 22 नवम्बर 2025 तक
स्थानः नारायना हॉस्पिटल परिसर
समयः प्रातः 8 बजे से शाम 6 बजे तक
सभी विभागों द्वारा निःशुल्क परामर्श
नारायना हॉस्पिटल में उपलब्ध सेवाएँ एवं उपचार
मेडिसिन विभाग
• शुगर (Diabetes)
• हाई/लो बीपी (Hypertension)
• थायरॉयड विकार
• हार्ट फेल्योर की शुरुआती समस्याएँ
• डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड
• जोड़ों का दर्द, गठिया
• एनीमिया
• गैस, एसिडिटी, पेट दर्द, कब्ज
• लिवर रोग (जॉन्डिस, फैटी लिवर)
• किडनी इंफेक्शन
जनरल सर्जरी
• पथरी (गॉलब्लैडर/किडनी)
• अपेंडिक्स ऑपरेशन
• हर्निया
• वरिकोस वेन्स
• पाइल्स, फिशर, फिस्टुला
• लम्प/ट्यूमर हटाना
• अब्डोमिनल सर्जरी
आर्थोपेडिक्स
• फ्रैक्चर प्रबंधन
• घुटना एवं कूल्हा प्रत्यारोपण
• गठिया
• स्लिप डिस्क
• स्पोर्ट्स इंजरी
• पीठ/कमर दर्द, सर्वाइकल दर्द
गायनी एवं प्रसूति
• सामान्य एवं सिजेरियन डिलीवरी
• पीसीओडी/पीसीओएस
• मासिक धर्म की समस्याएँ
• इन्फर्टिलिटी
• गर्भावस्था देखभाल
• बच्चेदानी की गांठ (Fibroid)
• सफेद पानी की समस्या
कार्डियोलॉजी
• हार्ट अटैक
• सीने में दर्द
• हार्ट फेल्योर
• ब्लड प्रेशर संबंधी समस्याएँ
• ईसीजी/ईको
ई.एन.टी. (ENT)
• कान से पानी बहना
• सुनाई कम होना
• टॉन्सिल
• नाक बंद/साइनस
• नाक का टेढ़ापन (DNS)
• गले का इंफेक्शन
नेत्र विभाग
• मोतियाबिंद
• आँखों का चश्मा नंबर
• ग्लूकोमा
• आँखों में एलर्जी
• रेटिना से जुड़ी समस्याएँ
त्वचा रोग
• एलर्जी, खुजली
• फंगल इंफेक्शन
• मुंहासे, दाग-धब्बे
• सोरायसिस
• बाल झड़ना
• स्किन रीजुवनेशन
• कॉर्न, मस्सा हटाना
मानसिक स्वास्थ्य
• डिप्रेशन
• एंग्जाइटी
• तनाव
• नींद न आना
• नशा मुक्ति
• बिहेवियरल डिसऑर्डर
न्यूरो सर्जरी
• ब्रेन ट्यूमर
• ब्रेन स्ट्रोक
• स्पाइन सर्जरी
• हेड इंजरी
• नसों का दबना
यूरोलॉजी
• किडनी स्टोन
• यूरिन रुकना/कम आना
• प्रोस्टेट की समस्या
• यूरिनरी इंफेक्शन (UTI)
• ब्लैडर स्टोन
शिशु रोग विभाग
• नवजात देखभाल
• बच्चों का बुखार, खांसी-जुकाम
• न्यूमोनिया
• डायरिया/उल्टी
• एलर्जी
• पोषण संबंधी समस्याएँ
डेंटल विभाग
• दाँत निकालना
• रूट कैनाल
• ब्रेसेस
• मसूड़ों की बीमारी
• दाँत सफाई (Scaling)
• इम्प्लांट
फिजियोथेरेपी एवं रिहैबिलिटेशन
• जोड़ों का दर्द
• स्पोर्ट्स इंजरी
• पोस्ट-ऑपरेटिव रिहैब
• स्ट्रोक रिहैब
• बैक और नेक पेन
रेस्पिरेटरी मेडिसिन
• दमा (Asthma)
• ब्रोंकाइटिस
• सीओपीडी
• टी.बी.
• एलर्जिक कफ
24×7 इमरजेंसी एवं ट्रॉमा केयर
• एक्सीडेंट और चोट
• ब्लीडिंग
• हार्ट अटैक
• स्ट्रोक
• साँस रुकना
• पॉइजनिंग
• हाई फीवर/ सीवियर डिहाइड्रेशन
SUNDAY OPEN
अत्याधुनिक तकनीक और अनुभवी सर्जनों के साथ सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध
सरकारी दरों पर सफल इलाज
आयुष्मान कार्ड धारक एवं अन्य ECHS / CGHS / TPA कार्ड धारकों का निःशुल्क इलाज
24X7 सुविधायें: आई.सी.यू. • एन.आई.सी.यू. • पी.आई.सी.यू. • एम.आर.आई • सी.टी.स्कैन • डिजिटल एक्स-रे • ब्लड बैंक • पैथोलॉजी एवं बायोप्सी • डायलेसिस • ऑक्सीजन प्लांट • वेंटिलेटर एम्बुलेंस • एम्बुलेन्स • मेडिकल स्टोर • ई.सी.जी. • एन.सी.वी. • ई.एम.जी. • ई.सी.टी.
24 घंटे इमरजेन्सी सुविधा एवं नारायना अस्पताल से 3 किमी. तक एम्बुलेन्स की सुविधा बिल्कुल मुफ्त
फोन करके अपना रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित कर लें
Mob.:7800007704, 7800007705
पंजीकरण के समय आधार कार्ड और रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर अवश्य लाएं
www.narainamedicalcollege.com | Email: nhrc@narainagroup.net

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार 21 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

गौशाला में मृत गोवंशों के शवों को कुत्तों ने नोचा

फर्रुखाबाद। कमालगंज ब्लाक के हसनापुर स्थित एक गौशाला में मृत गोवंशों के शवों को गड्ढे में दफनाने के बजाय लापरवाही से फैंक दिया गया। इन शवों को कुत्तों द्वारा नोंचे जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आया। जानकारी के अनुसार, गौशालामें मृत गोवंशों को दफनाने के बजाय उन पर केवल मिट्टी डालकर खानापूर्ति की गई थी। बदबू आने पर कुत्ते इन स्थानों पर पहुंचे और मिट्टी हटाकर शवों को नोंचना शुरू कर दिया। परिसर में कई जगहों पर गोवंशों की हड्डियां भी बिखरी मिलीं। गुरुवार को यह वीडियो वायरल होने के बाद एसडीएम सदर रजनीकांत पांडेय और खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) अनिल कुमार पशुचिकित्सक डॉ. राघवेंद्र के साथ गौशाला पहुंचे। उन्होंने मौके का निरीक्षण किया और अनियमितताएं पाईं। एसडीएम ने निरीक्षण के दौरान प्रधान गंगाराम को फटकार लगाई और केयरटेकर पर कार्रवाई की चेतावनी दी। बीडीओ ने बताया कि गोशाला में शवों के अंतिम संस्कार के लिए उचित व्यवस्था मौजूद है, इसके बावजूद लापरवाही बरती गई। इस मामले में केयरटेकर, प्रधान और सचिव को नोटिस जारी कर कार्रवाई की जाएगी।

छात्रों को सड़क सुरक्षा के टिप्स दिए

छिबरामऊ। विशुनगढ़ कस्बे के श्यामलाल खंडेलवाल इंटर कॉलेज में गुरुवार को यातायात जागरूकता अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। थानाध्यक्ष विशुनगढ़ भागमल अपनी टीम के साथ कॉलेज पहुंचे और सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण नियम सिखाए। थानाध्यक्ष ने छात्रों को समझाया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य है। ओवर स्पीडिंग, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग और शराब पीकर गाड़ी चलाना बेहद खतरनाक है। साथ ही सड़क चिह्नों, ट्रैफिक सिग्नल एवं ज़ेब्रा क्रॉसिंग का पालन करने पर जोर दिया। छात्रों से अपील की कि वे स्वयं तो नियमों का पालन करें ही, अपने परिवार और समाज को भी जागरूक करें।

मतदाता बने रहने को भरें एसआईआर

गुरसहायगंज। पूर्व विधायक ने मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की जानकारी देकर जागरूक किया। नगर के तिर्वा रोड स्थित समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राज सिंह चौहान उर्फ छोटे ठाकुर के कार्यालय पर पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव ने उन्होंने पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को एसआईआर की कार्यवाही को घर-घर जाकर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बताया कि कई लोग अभी भी भ्रम में हैं कि 2003 की मतदाता सूची में उनका नाम होने से फॉर्म भरने की जरूरत नहीं। विधायक ने स्पष्ट किया कि सभी को फॉर्म भरना होगा। कहा कि भविष्य में मतदाता पहचान पत्र के लिए केवाईसी अनिवार्य होगा।

मेडिकल स्टोर से ली दवा खाने से बच्ची की मौत

कन्नौज। मेडिकल स्टोर संचालक की ओर से दी गई दवा से बच्ची की मौत हो गई।सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव करनपुर निवासी सोनू कुशवाहा की पुत्री राधिका (05) कई दिन से बीमार थी। परिजन गांव के ही एक मेडिकल स्टोर पर पहुंचे जहां से बीमारी बता कर दवा ली। आरोप है कि दवा खाने के बाद बुधवार को उसकी हालत खराब हो गई। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां डाक्टर ने मौत की पुष्टि की। परिजन बिना कार्रवाई के राधिका के शव को लेकर चले गये और मेडिकल स्टोर पर पहुंच कर हंगामा किया। इस पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा।

अलग-अलग एकत्र करें सूखा व गीला कचरा

गुरसहायगंज। स्वच्छ भारत मिशन के तहत गुरुवार को नगर पालिका परिषद ने कूड़ा पृथक्कीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य नीले व हरे डस्टबिनों का वितरण वार्डवार टीमों को गठित कर रोस्टर के अनुसार प्रारंभ कराया। अधिशासी अधिकारी अनिल पंडित ने बताया कि प्रत्येक वार्ड में कैंप आयोजित किया जा रहे हैं। जहां पर सभासद की मौजूदगी में प्रत्येक हाउसहोल्ड को एक जोड़ा डस्टबिन दिया जा रहा है। लाभार्थी को नगर पालिका के टैक्स जमा रसीद प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है। नगर पालिका का मुख्य उद्देश्य है कि प्रत्येक घर गीला और सूखा कचरा अलग-अलग संग्रह करें। जोनल प्रभारी अशोक कुमार व राजन बाबू के द्वारा निगरानी की जा रही है।

बैंकों से लोन स्वीकृत होने के बाद भी नहीं लगे सोलर

सूर्य घर योजना के 669 आवेदन निरस्त, खाटू श्याम कंपनी पर लगाम नहीं

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- बैंक और नेडा को डीएम ने दी फिर से आवेदन कराने की जिम्मेदारी
- बैंक शाखाओं की ओर से 363 लाभार्थियों को कर्ज दिया है

अमृत विचार। बैंकों ने लोन स्वीकृत कर दिए। इसके बाद भी कंपनियों ने सोलर नहीं लगाए। कई कमियों के चलते बैंक शाखाओं ने पीएम सूर्य घर योजना के 669 आवेदन निरस्त कर दिए। वेंडर खाटू श्याम सोलर कंपनी की कई शिकायतें होने के बाद भी सुधार नहीं हो रहा है। अब डीएम ने नेडा और बैंक को आवेदकों के आवेदनों की गलतियां सुधार कर फिर से अप्लाई करने को कहा है।

दरअसल, नेडा, बिजली विभाग व बैंकों की ओर से मिलकर पीएम सूर्य योजना के तहत सोलर रूफटाप लगवाए जा रहे हैं। बताया गया है कि 1057 परिवारों के यहां सोलर लगाने के सापेक्ष अब तक 900 रूफटाप लगाए गए हैं। इसमें बैंक शाखाओं की ओर से 363 लाभार्थियों को कर्ज दिया है जो कार्यदायी संस्था यानि वेंडर के बैंक खातों में गया है। जिले में 219 आवेदन बैंक स्तर से लंबित हैं जिनका निस्तारण कराया जा रहा है। साथ ही 123 लाभार्थियों के लिए धनराशि भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

कहा गया है कि कई कारणों के चलते 669 आवेदन निरस्त कर दिए थे। इस पर डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने नेडा और जिला अग्रणी प्रबंधक अमरेंद्र कुमार से दोबारा आवेदन कराने को कहा। विभाग ने जिला अग्रणी प्रबंधक को निरस्त आवेदनों की सूची भेजी है। उधर, जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी राम कृपाल चौधरी हर सप्ताह बैठक भी करते हैं। इन अधिकारियों ने प्रभारी पीओ नेडा अनुपम राय को अधिक से अधिक सोलर रूफटाप लगाने के निर्देश दिए हैं। इस बाबत एलडीएम ने बताया कि खाटू श्याम सोलर कंपनी की कई शिकायतें आईं हैं। लोन होने के बाद भी वह लाभार्थियों के यहां सोलर नहीं लगा रहे और आवेदक को ईएमआई देनी पड़ रही है इस वजह से उसके ही अधिकतर आवेदन निरस्त हुए हैं। मकान व बिजली कनेक्शन में एक सा नाम न होने और बिजली कनेक्शन का लोड व सोलर रूफटाफ का लोड समान न होने पर भी निरस्तीकरण हुए हैं। इसमें सुधार कर फिर से आवेदन कराए जाएंगे। डिफाल्टर को लाभ नहीं मिलेगा।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

सौ मीटर दौड़ में निहाल सिंह और पिंकी ने बाजी मारी

सौरिख। न्याय पंचायत तरींद की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आदमपुर उम्मेद के खेल मैदान में हुई। प्रतियोगिता में न्याय पंचायत क्षेत्र के सभी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। उच्च प्राथमिक स्तर पर 100 मीटर बालक वर्ग में कम्पोजिट विद्यालय रेरीरामपुर के निहाल सिंह ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि बालिका वर्ग में इसी विद्यालय की पिंकी प्रथम रहीं।

इसके बाद हुई प्रतियोगिताओं में प्राथमिक स्तर पर 100 मीटर बालक वर्ग में नगला चौधरी के पवन ने और बालिका वर्ग में कम्पोजिट विद्यालय रेरीरामपुर की मधु कुमारी ने प्रथम स्थान पाकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

लंबी कूद (जूनियर वर्ग) में ऋषभ प्रथम रहे, वहीं 200 मीटर दौड़ में आदमपुर उम्मेद के अभिनव ने बाजी मारी। नोडल शिक्षक शिवमंगल सिंह ने बताया कि बच्चों की शारीरिक व मानसिक क्षमता के विकास में खेलकूद प्रतियोगिताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

प्रदर्शन कर चकबंदी का विरोध करते किसान। अमृत विचार

चकबंदी रोकने के लिए किसानों ने दिया ज्ञापन

संवाददाता जलालाबाद (कन्नौज)

अमृत विचार। चकबंदी प्रक्रिया को रोकने के लिए किसानों ने प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया। सीओ चकबंदी को ज्ञापन देकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया गया। चकबंदी कर्मचारी के द्वारा किसानों का शोषण किए जाने का आरोप लगाया गया।

गुरुवार को सीओ चकबंदी संतोष कुमार तिवारी को किसानों ने ज्ञापन देकर अपनी समस्याओं को रखा और चकबंदी रोकने के लिए विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने बताया कि चकबंदी के कारण उनकी जमीन की कटौती की जा रही है। इससे उन्हें लंबा नुकसान होने का अंदेशा है। किसान अमित दिवाकर ने बताया कि चकरोड व नाली पहले से ही मौजूद है। इस चकबंदी प्रक्रिया से अपना अहित होता दिख रहा है। किसानों ने इसे बंद करने के लिए विरोध प्रदर्शन किया और सीओ चकबंदी को ज्ञापन सौंपा। सीओ चकबंदी ने किसानों को बताया कि उनके रकवे में गड़बड़ी हुई है। तो दुरुस्त करने के लिए किसान प्रार्थना पत्र देकर समस्या के लिए सीधे संपर्क कर सकते हैं। कहा कि चकबंदी प्रक्रिया रोकना उनके कार्य क्षेत्र में नहीं आती है।

गलती से पूरी रात चला ट्यूबवेल फसलों में भरा पानी

कन्नौज। गांव के ही एक व्यक्ति का ट्यूबवेल रातभर चलता रहा जिससे कई किसानों की आलू व गुलाब की फसल में पानी भर गया। इससे नुकसान की आशंका बढ़ गई है।

वसीरापुर निवासी दिलीप ने बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति का ट्यूबवेल है। ऑटो कट लगे होने की वजह से बुधवार की रात से सुबह 06 बजे तक (जब तक बिजली रही) ट्यूबवेल से पानी निकलता रहा जो किसान अहिवरन, जवाहर व रामकिशन आदि के खेतों में खड़ी आलू फसल में खूब पानी भर गया। दिलीप का कहना है कि इसके अलावा गुलाब फूल की फसल में भी पानी भर गया। कुछ अन्य किसानों को भी नुकसान हुआ है। प्रधान नीलम (योगेंद्र) यादव ने मौके पर पहुंचकर मौखिक समझौता कराया। अगर आलू खोदाई में उत्पादन कम निकलता है या पहले सड़ता है तो आरोपी पक्ष से आर्थिक मदद दिलाई जाएगी। मामला गांव का ही होने व प्रधान के पंचायत करने की वजह से सभी लोगों ने उसे स्वीकार कर लिया।

गृहक्लेश से ऊबे युवक ने फंदा लगाकर जान दी

संवाददाता तिर्वा

अमृत विचार। गृह क्लेश से तंग आकर एक युवक ने फंदा लगाकर जान दे दी।

इन्दरगढ़ थाना क्षेत्र के मढ़पुरा गांव निवासी शिव प्रताप सिंह उर्फ लालजी (35) काफी समय से पारिवारिक विवादों के कारण मानसिक तनाव में था। वह ई-रिक्शा चलाकर और खेतीबाड़ी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। परिजनों के अनुसार अक्सर किसी न किसी बात को लेकर घर में कहासुनी हो जाती थी, जिससे वह अत्यधिक परेशान रहने लगा था।बुधवार रात भी किसी बात पर उसकी पत्नी से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने के बाद वह चुपचाप अपने कमरे में चला गया। देर रात तक जब वह बाहर नहीं निकला तो परिवार को लगा कि वह सो गया है। गुरुवार सुबह जब काफी देर तक बाहर नहीं आया तो पत्नी ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। शंका होने पर उसने खिड़की से झांककर देखा तो उसके होश उड़ गए। वह रस्सी के फंदे पर लटका हुआ था। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष नीलम सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का है, हालांकि परिजनों से पूछताछ कर पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

शिवप्रताप।

कृतिका, निशांत व शारदा ने मारी बाजी

मंडलीय प्रदर्शनी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। ओंकारेश्वर विद्या निकेतन इंटर कॉलेज जवाहर नगर कानपुर नगर में मंडलीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में जनपद के विद्यार्थियों ने खूब नाम कमाया। तीन छात्र-छात्राओं ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए स्थान पक्का किया। कानपुर मंडल में कुल 23 में से 21 मॉडल शामिल हुए थे और 02 नहीं पहुंच सके।

डीआईओएस पप्पू सरोज ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज फतेहपुर जसोदा के कक्षा 10 के छात्र निशांत दुबे को कचरा प्रबंधन और प्लास्टिक के विकल्प विषय में जूनियर संवर्ग में प्रथम स्थान मिला। सुभाष एकेडमी छिबरामऊ की छात्रा कृतिका (कक्षा 9) को उभरती हुई प्रौद्योगिकी उप विषय में जूनियर संवर्ग में पहला स्थान प्राप्त हुआ। इसी तरह उच्च प्राथमिक स्कूल अमोलर के छात्र शारदा (कक्षा 8) को उपविषय मनोरंजक गणितीय मॉडलिंग में जूनियर संवर्ग क्रियाकारी प्रदर्शन में प्रथम स्थान दिया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि यह शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों की मेहनत का ही नतीजा है। जिला समन्वयक समग्र शिक्षा माध्यमिक अजय यादव ने बताया कि जल्द ही राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का स्थान व समय घोषित होगा, उसी के तहत प्रतिभागी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में जूनियर से लेकर सीनियर वर्ग तक बच्चों ने प्रतिभाग किया है। शिक्षक वर्ग में जिले स्तर पर प्रथम स्थान में चयनित हुए 07 शिक्षकों को मंडल में प्रतिभाग करना था जिसमें 06 शामिल हुए। जीआईसी उमर्दा की सहायक अध्यापक मंजू वर्मा को मंडल में गणित में दूसरा स्थान मिला है।

मंडलीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में प्रतिभाग व स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी।

बाइक से टक्कर में स्कूटी चालक वृद्ध की हुई मौत

संवाददाता तिर्वा

- ठठिया थाना के एसएस कोल्ड स्टोरेज के सामने हुई दुर्घटना
- हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल,रेफर किया

अमृत विचार। ठठिया थाना क्षेत्र के मानीमऊ-ठठिया रोड पर तेज रफ्तार बाइक व स्कूटी में भिडंत हो गई। हादसे में स्कूटी चालक की उपचार के दौरान मौत हो गई जबकि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को जिला अस्पताल भेजा गया। बाइक चालक को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।

गुरुवार को मानीमऊ-ठठिया मार्ग पर थाना ठठिया क्षेत्र के ग्राम कौलेपुरवा निवासी भोला (25) कन्नौज दवा लेने गया था। दोपहर को अपनी बाइक से मानीमऊ-ठठिया मार्ग से होता हुआ वापस गांव आ रहा था। जब वह बेहटा गांव के पास एसएस कोल्ड स्टोरेज के सामने पहुंचा उसी समय सामने से आ रही स्कूटी से बाइक टकरा गई। इसमें दोनों वाहनों के चालक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना इंचार्ज देवेश पाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्कूटी सवार दिवारी लाल (60) निवासी भटौरा भी घायल हो गये। पुलिस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल भेजा। जहां दोनों को प्राथमिक उपचार दिया गया। उपचार के दौरान दिवारी लाल की मौत हो गई। गंभीर रुप से घायल भोला को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस ने घटना की सूचना दोनों परिवारों को दे कर शव को मोर्चरी में रखवा दिया है।

किसानों को मिली 150 बोरी नकली खाद

संवाददाता कायमगंज

अमृत विचार। कंम्पिल थाना क्षेत्र के गांव गंगपुर शाहपुर के दो दर्जन से ज्यादा किसान बुधवार को तहसील कायमगंज पहुंचे। जहां उन्होंने उप जिलाधिकारी अतुल कुमार सिंह को एक लिखित शिकायती पत्र सौंपा।

किसानों का कहना है कि उन्होंने रेलवे स्टेशन के पास स्थित महादेव खाद भंडार से करीब 150 बोरी खाद खरीदी थी, जिसे उन्होंने गेहूं की फसल में डाल भी दिया। किसानों ने बताया कि खाद डालने के बाद फसल में कोई असर न दिखने पर उन्हें शक हुआ। जब उन्होंने खाद को पानी में भिगोकर देखा, तो उसका काला रंग अलग हो गया और उसमें से छोटे छोटे पत्थर निकल आए। इसके बाद किसानों को पता चला कि खाद नकली थी। किसानों ने एसडीएम से गुहार लगाई कि बची हुई खाद की सरकारी जांच कराई जाए और दोषी दुकानदारों पर कड़ी कार्रवाई हो। मौके पर मौजूद रहे कई किसान शिकायत देने पहुंचे। किसानों में बृजनंदन, उदयवीर, नरेंद्र, रंजीत, रुकुम सिंह, ब्रह्मानंद, बृजेश, पप्पू, सुनील, सुखराम, बबलू और धनवीर समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

तहसील में एसडीएम को शिकायती पत्र देने पहुंचे किसान। अमृत विचार

शिकायत पर दुकान का लाइसेंस निलंबित

- कटिया रोड कम्पिल स्थित महादेव खाद भण्डार का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया। जिला कृषि अधिकारी द्वारा दुकान में उपलब्ध डीएपी स्टाक 45 बोरी एवं कृषक के पास रखी डीएपी की बोरी से जांच हेतु नमूना लिया गया। उर्वरक विक्रेता का लाइसेन्स तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए बिक्री रोक लगा दी गयी है। साथ ही दुकान में उर्वरक स्टाक को सीज करते हुए दुकान को भी सील कर दिया गया। उर्वरक नमूने का परीक्षण परिणाम अमानक पाये जाने पर विक्रेता के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाएगी।

रामगंगा पर लगे जाम से जूझे लोग

फर्रुखाबाद। राजेपुर थाना क्षेत्र और सीमावर्ती अल्लाहगंज थाना क्षेत्र के इटावा-बरेली हाईवे पर स्थित डबरी रामगंगा पुल पर एक दर्जन से अधिक गड्ढे हो गए हैं। इन गड्ढों के कारण पुल पर लगभग एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे वाहन चालकों को एक घंटे से अधिक समय तक परेशानी का सामना करना पड़ा।

गड्ढों के कारण पुल पर यातायात बाधित हो गया और वाहन एक ही तरफ से निकल पा रहे थे। इस स्थिति में फंसे वाहन चालकों को भारी मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने स्वयं प्रयास कर लगभग एक घंटे बाद जाम खुलवाया। जाम की सूचना के बावजूद, राजेपुर और अल्लाहगंज थाना क्षेत्र की पुलिस मौके पर मौजूद नहीं थी। इस दौरान, कई बाइक सवारों की मोटरसाइकिलें गड्ढों में पड़े कीलों के कारण पंचर हो गईं, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं।

गलत इंजेक्शन लगाने से युवक की मौत का आरोप

संवाददाता कायमगंज

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र में एक झोलाछाप द्वारा गलत इलाज करने से एक युवक की मौत हो गई।

कोतवाली क्षेत्र के गांव न्यामतपुर ढिलावली निवासी राजकुमार (35) पुत्र सूबेदार को परिजन गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर अमरेश कुमार ने प्राथमिक जांच करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं मृतक की पत्नी गुड्डी देवी ने बताया कि उसके पति राजमिस्त्री का काम करते थे। और बिलकुल सही थे बस उनके कंधे पर दर्द हो रहा था तो वह अपने पति और भतीजे को साथ लेकर कायमगंज रेलवे रोड स्थित एक प्राइवेट डॉक्टर के यहां दवाई दिलवाने लेकर गई थी। मृतक की पत्नी ने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने पहले एक गोली खाने को दी फिर उसके बाद एक इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगते ही उसके पति की तबीयत बिगड़ने लगी। हालत बिगड़ते देख डॉक्टर ने उससे कहा कि इन्हे सरकारी अस्पताल ले जाओ। सरकारी अस्पताल लाये जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं उसकी पत्नी बार बार डॉक्टर द्वारा गलत इंजेक्शन की बात कह थी। मृतक की पत्नी मां शारदा देवी व बच्चे देव कुमार (10) नीलेश (7) पियूष (4) का रो रो कर बुरा हाल था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

राजकुमार।

बिना परमिट संचालित तीन स्कूल बसों के चालान

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी के निर्देशन में गुरुवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान तीन स्कूल बसों को बिना परमिट संचालित पाये जाने पर चालान किया गया तथा इन पर 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। बिना फिटनेस संचालित दो जेसीबी पाये जाने पर 42 हजार 500 जुर्माना तथा 1.35 लाख रुपये टैक्स लगाया गया तथा दोनों वाहनों का थाना कादरीगेट में सीज कर दिया गया। इसके अतिरिक्त दो ट्रक में ओवर हाईट माल लदा होने के आरोप में ट्रक का चालान किया गया। इस प्रकार परिवहन विभाग द्वारा आज की कार्यवाही में 13 वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुये 1.61 लाख का जुर्माना लगाया गया तथा 1.60 लाख कर आरोपित किया गया।

आयोजन | मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय में शिष्योपनयन संस्कार

विद्यार्थियों को दिलाई महर्षि चरक की शपथ

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में गुरुवार को नवप्रवेशित भावी आयुर्वेद चिकित्सकों का शिष्योपनयन संस्कार विधिवत रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कृष्णावाटिका मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चारण और हवन यज्ञ के साथ हुआ, जिसमें सभी नए विद्यार्थियों ने बारी-बारी से आहुतियां अर्पित कर आयुर्वेद चिकित्सा-पथ की पवित्र परंपरा का प्रथम अनुभव किया। विद्यार्थियों को महर्षि चरक की शपथ दिलाई गई तथा शिक्षा सूत्र बांधा गया, जो दीक्षा और ज्ञान-पथ का प्रतीक है।

एनसीआईएसएम के निर्देश पर संचालित ट्रांजिशनल करिकुलम कार्यक्रम की सफल समाप्ति पर यह आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ अनार सिंह, चेयरपर्सन डॉ अनीता यादव, डीन डॉ अम्बरीष कुमार बाथम, कुलपति डॉ रंगनाथ मिश्र तथा सहायक कुलसचिव हरिओम शुक्ला सहित संकाय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। आयुर्वेद महाविद्यालय के सभागार में आयोजित व्हाइट कोट सेरेमनी में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को चिकित्सकीय मूल्यों, जिम्मेदारियों और आयुर्वेद परंपरा के प्रति निष्ठा के साथ आगे बढ़ने का संकल्प दिलाया गया। विद्यार्थियों ने व्हाइट कोट धारण कर चिकित्सा जीवन के प्रथम अध्याय की शुरुआत की। कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह ने कहा कि शिष्योपनयन संस्कार केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि चिकित्सा जीवन की शुरुआत का पवित्र क्षण है।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते कुलाधिपति डॉ .अनार सिंह यादव। अमृत विचार

वाहन की टक्कर से युवक घायल

फर्रुखाबाद। वाहन की टक्कर से 35 वर्षीय बाइक सवार युवक अमन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल डॉ. राम मनोहर लोहिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह घटना बुधवार रात करीब 10.30 बजे कमालगंज क्षेत्र के पास हुई। अमन, जो थाना कमालगंज के मोहल्ला लोहिया नगर निवासी सर्वेश कुमार का पुत्र है, टक्कर लगने के बाद अपनी बाइक से गिर गया और उसे गंभीर चोटें आईं। घायल अमन को 108 एम्बुलेंस की मदद से फर्रुखाबाद के विकासखंड बरहापुर क्षेत्र स्थित लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया। डॉक्टर एन हुड्डा ने उसे भर्ती कर आवश्यक उपचार शुरू कर दिया है।

'अवधज्योति' में होगा कन्नौजी बोली विशेषांक का प्रकाशन

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

- कन्नौजी बोली का प्राचीन काल से ही बहुत महत्व है
- लोकार्पण कार्यक्रम इसी माह होने की उम्मीद है

अमृत विचार। गुरुवार को हिन्दी साहित्य भारती की बैठक जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश मिश्र के आवास पर सम्पन्न हुई, जिसमें जानकारी दी गयी कि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से प्रकाशित साहित्यिक पत्रिका अवध ज्योति में सम्पादक डॉ. रामबहादुर मिसिर द्वारा कन्नौजी बोली विशेषांक का प्रकाशन किया जा रहा है।

वक्ताओं ने कहा कि कन्नौजी बोली का प्राचीन काल से ही बहुत महत्व है। अवधी और ब्रज के बीच की बोली होने के कारण इसका प्रचार-प्रसार कम हुआ है। बैठक में कन्नौजी बोली की रचनाओं व आलेख सम्पादक डॉ.रामबहादुर मिसिर अथवा फर्रुखाबाद में प्रतिनिधि डॉ. प्रखर दीक्षित को भेजने की अपील की गयी। इस कार्य में औरैया के साहित्यकार डॉ.सियाराम, लखनऊ से डॉ.अपूर्वा अवस्थी, कन्नौज से डॉ.शिव कुशवाहा और फर्रुखाबाद से डॉ.प्रखर दीक्षित सहयोग कर रहे हैं। लोकार्पण कार्यक्रम इसी माह होने की उम्मीद है। बैठक में बुद्धिलाल दुबे, रघुनन्दन दीक्षित प्रखर, डॉ.आलोक बिहारी शुक्ला, प्रभावी अवस्थी आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता चन्द्रप्रकाश मिश्र ने की।

न्यूज ब्रीफ

स्कूल के ताले तोड़ कर चोरी

ऊसराहार। क्षेत्र के गांव नगला झावर में स्थित स्कूल के ताले तोड़कर चोर उसमें लगे पंखे गैस चूल्हा सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। प्रधानाध्यापक पंकज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया 17 नवंबर की रात चोरों ने स्कूल का ताला तोड़ दिया रसोई में रखा गैस सिलेंडर गैस चूल्हा बर्तन कमरों में लगे चार पंखे सहित अन्य सामान चोरी कर लिया प्रधानाध्यापक ने बताया उन्होंने घटना की सूचना पुलिस सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दी है।

शिवमहेश का प्रभारी मंत्री ने लिया हालचाल

महेवा। होमगार्ड एवं पीआरडी विभाग के मंत्री व जनपद के प्रभारी डॉ धर्मवीर प्रजापति ने कस्बा महेवा में कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व जिलाध्यक्ष शिव महेश दुबे के घर पर पहुंचकर उनका हालचाल लिया तथा जल्द ठीक होने की कामना की। गत एक माह पूर्व श्री दुबे एक सड़क दुर्घटना में बुरी तरह से घायल हो गए थे जिसके चलते उनका दायां हाथ चिकित्सकों को काटना पड़ा था।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

इटावा। थाना वैदपुरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जहानाबाद में बबली 40 वर्ष पत्नी राहुल की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। उसका शव घर में फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना पाकर मृतका के पिता वृंदावन पुत्र तेज सिंह निवासी भिड़रुआ सैफई परिजनों के साथ अपनी पुत्री की सुसराल पहुंचे और पुलिस की मदद से अपनी पुत्री को जिला अस्पताल लेकर आये जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर शव को मोर्चरी में रखवा दिया। मृतका के पिता वृंदावन ने बताया कि घटना के बाद सुसरलीजन फरार हो गए।

सड़क हादसे में बालक की गई जान

इटावा। थाना वैदपुरा क्षेत्र के अंतर्गत वैदपुरा में किसी अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से साहिल 17 वर्ष पुत्र सुग्रीव उर्फ गुड्डू निवासी खुपरा थाना करहल जनपद मैनपुरी की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर थाना वैदपुरा पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और शव को मुख्यालय लाकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया, परिजन रोते बिलखते पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।

जीआरपी ने फरार वारंटी दबोचा

इटावा। थाना जीआरपी इटावा पुलिस ने आठ वर्षों से फरार चल रहे वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जानकारी के अनुसार जीआरपी ने आठ साल से गैर-जमानती वारंट पर फरार चल रहे सुमित कुमार पुत्र रामेश्वर दयाल निवासी साबित गंज थाना कोतवाली इटावा को इटावा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी जमानत पर रिहा होने के बाद वर्षों से न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपना ठिकाना बदलता रहा। न्यायालय द्वारा कई बार गैर-जमानती वारंट जारी किए गए लेकिन आरोपी पकड़ में नहीं आ रहा था।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

बसरेहर। चौबिया थाना क्षेत्र से निकलने वाले बरेली हाईवे मार्ग पर बरालोकपुर के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार रविकुमार निवासी तखरऊ जनपद मैनपुरी वह दो दिन पहले अपने साले की शादी समारोह में आया हुआ था। आज शाम को बाजार करने के लिए गया हुआ था तभी अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं धमाके की आवाज सुनते ही कस्बा बरालोकपुर के लोग मौके पर पहुंचे घायल पड़े रवि कुमार को 108 एंबुलेंस द्वारा इलाज के लिए सैफई पीजीआई में भर्ती कराया गया।

बाइक सवार युवकों ने की मारपीट,रिपोर्ट दर्ज

ऊसराहार। भरथना मंडी से घर लौट रहे युवक के साथ दो बाइक सवार युवकों द्वारा मारपीट करने और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित अनिल कुमार निवासी नगला टांकेन थाना ऊसराहार ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है 18 नवंबर अपने साथी के साथ भरथना मंडी से घर लौट रहा था मामन पुरहा नदी के पुल के पास पहुंचा पीछे से आ रहे बाइक सवार ओमकार निवासी मंगदापुर थाना बाह आगरा व उसके साथ आए दो अज्ञात व्यक्तियों ने उसकी बाइक रुकवा ली अनिल कुमार का कहना है कि आरोपियों ने उसे रोकते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और गुंडई व बदमाशी दिखाते हुए जान से मारने की धमकी दी विरोध करने पर उन्होंने मारपीट की।

सिर पर प्रहार कर वृद्धा की हत्या

सरसों के खेत में पड़ा मिला शव, शाम को खेत पर गई थी वृद्धा

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव मोहकम नगर खेड़ा सिंघावली जगसौरा में बुधवार रात एक बुजुर्ग महिला का शव सरसों के खेत में संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। उसके सिर पर पीछे से ईंट से प्रहार कर हत्या को अंजाम दिया गया। महिला के सिर पर पीछे से हुए वार से उसका मुंह खेत की मिट्टी के अंदर धंसा हुआ मिला। जानकारी मिलने पर पुलिस बल व पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। हत्या क्यों व किसने की पुलिस इस बारे में छानबीन कर रही है। वृद्धा की मौत की जनाकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं पुलिस का कहना है कि जल्द मामले का खुलासा किया जायेगा, जांच पड़ताल की जा रही है।

घटनास्थल का निरीक्षण करते एएसपी, सीओ व अन्य पुलिसकर्मी। अमृत विचार

बुधवार शाम को उक्त गांव निवासिनी राममूर्ती पत्नी सूरतराम राजपूत उम्र लगभग 75 वर्ष अपने घर से कुछ दूरी पर स्थित खेतों से चने का साग और लकड़ी बीनने गई थीं। लेकिन देर रात तक वापस न आने पर चिंतित परिजनों ने पहले आसपास तलाश किया पर जब कोई सुराग नहीं मिला तो ग्रामीणों की मदद से खोजबीन शुरू की। रात को करीब आठ बजे उसका खून से लथपथ शव गांव से ही कुछ दूरी पर सरसों के खेत में पड़ा मिला।

घटना की सूचना मिलते ही एसपी सिटी अभयनाथ त्रिपाठी सीओ आयुषी सिंह थानाध्यक्ष कमल भाटी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू की। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटना से संबंधित साक्ष्य जुटाए। वहीं परिजनों ने बताया कि राम मूर्ति के सिर पर पीछे से ईट के प्रहार के गंभीर निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई। गांव में हुई इस घटना से दहशत का माहौल व्याप्त है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतका के तीन बेटे देवेंद्र कुमार, जितेंद्र, और प्रहलाद हैं जो कि शादीशुदा है। घटना से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। मृतका के बड़े बेटे देवेंद्र कुमार की तरफ से अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। इस संबंध में सीओ आयुषी सिंह का कहना है कि घटना की हर एंगल से जांच पड़ताल की जा रही है, जल्द ही आरोपीयों का पता लगाकर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कोई मतदाता दो जगह से फार्म न भरे

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने प्रेसवार्ता में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जनपद में लगभग 12 लाख 29 हजार मतदाता हैं और 1342 बूथ और सभी बूथ पर बूथ लेवल अधिकारी तैनात किए गए है जो मतदाता गणना के फॉर्म उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई लोगों को समस्या है कि उनका नाम 2003 की लिस्ट में है या नहीं इसके लिय सभी बीएलओ के पास 2003 की लिस्ट उपलब्ध है और यदि कोई खुद से देखना चाहता है तो वो उत्तर प्रदेश चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर देख सकता है या किसी सेवा केंद्र पर जाकर भी देख सकता है।

उन्होंने बताया कि गणना प्रपत्र वितरण का कार्य 4 नवम्बर से चल रहा है और 4 दिसम्बर तक भरे हुए गणना प्रपत्र को जमा करना है। उन्होंने बताया कि मान्यता प्राप्त दलों को भी अपने एजेंट नियुक्त करने के लिए बोला गया और वो प्रतिदिन 50 मतदाताओं के प्रपत्र भर के जमा करा सकते है। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल अधिकारियों को घर घर जाने का आदेश दिया गया है। कोई भी मतदाता 2 स्थानों से अपना प्रपत्र नहीं भर सकते अगर ऐसा करते हैं तो उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी मतदाता अपना नया फोटो अवश्य दें। उन्होंने कहा को जिनके प्रपत्र वापस नहीं आएंगे उनके नाम लिस्ट में शामिल नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा एक जनवरी 2026 तक जो लोग 18 वर्ष के हो रहे है उनके लिये भी फॉर्म उपलब्ध है वो भी भर के दे सकते है।

धीमी गति से हो रहा गणना प्रपत्र देने का कार्य : सपा

इटावा। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2026 के लिए जनपद इटावा में एसआई आर के माध्यम से गणना प्रपत्र बीएलओ द्वारा घर घर देने और उन्हें जमा करने की अंतिम तारीख 4, दिसम्बर 2025 है। बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र घर घर पहुंचाने कार्य बहुत ही धीमी गति से किया जा रहा है इस कारण समय कम होने कारण गणना प्रपत्र पहुंचाने में विलंब हो रहा है। अगर गणना प्रपत्र समय सीमा में मतदाता तक नहीं पहुंचे तब मतदाता सूची में नाम आने से हजारों लोग वंचित रह जायेंगे। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और एस आई आर प्रभारी उदय भान सिंह यादव ने कहा कि प्रशासन कि अनदेखी के कारण ही जनपद, इटावा मे एसआईआर अभियान के सत्रह दिन बाद भी गणना प्रपत्र घर घर पहुंचने का कार्य पचास प्रतिशत भी पूर्ण नहीं हो पाया है और जहां पर प्रपत्र दिये गये है उनको दो के स्थान पर एक ही प्रपत्र दिया जा रहा है। प्रपत्र जमा करते समय एक प्रपत्र पर हस्ताक्षर करके नहीं दिया जा रहा है और प्रपत्र भरने मे बीएलओ द्वारा कोई मदद नहीं की जा रही है। प्रशासन द्वारा बीएलओ पर लक्ष्य पूरा करने का दबाव बनाया जा रहा है। इस कारण बीएलओ एक प्रपत्र नहीं दे रहे उसी से कंप्यूटर मे फीडिंग भी कर रहे हैं। बिना जानकारी लिए फीडिंग होगी तब हजारों मतदाता नवीन सूची मे आने से वंचित हो जायेंगे।

- **डीएम ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की**

मतदाता एसआईआर फार्म भरकर जमा करें : शाक्य

कार्यालय संवाददाता इटावा

- **सपा कार्यालय से एसआईआर प्रचार वाहन हुआ रवाना**

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी कार्यालय पर पंकज यादव पिंटू सदस्य जिला पंचायत के संयोजन में चलाए जा रहे एसआईआर प्रचार जागरूकता वाहन को सपा जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू ने पदाधिकारियों के साथ प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह रथ लोगों में एसआईआर के प्रति लोगों में जागरूकता लायेगा।

इस अवसर पर सपा जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू ने जनपद की जनता को जागरूक करते हुए कहा एसआईआर अर्थात गहन मतदाता पुनरीक्षण 4 दिसंबर तक चलेगा, इसमें सभी को अपने-अपने परिवार के मतदाताओं के फार्म भरवाकर जमा कराया जाना अनिवार्य है। यदि आपका मतदाता सूची में नाम ही नहीं होगा, तो आगे चलकर हो सकता है कि आपके राशन कार्ड को भी निरस्त कर दें और आप मताधिकार से वंचित हो जाएंगे, इसलिए आप सभी जागरूक होकर अपने-अपने फॉर्म भरकर अपने बीएलओ के पास जमा कर रसीद प्राप्त कर लें, जिससे आपका नाम मतदाता सूची में दर्ज हो सके, नहीं तो आप सभी सरकारी सुविधाओं से भी वंचित हो सकते हैं।

इस अवसर पर जिला महामंत्री वीरू भदौरिया, एसआईआर प्रभारी उदयभान सिंह यादव, उपाध्यक्ष अनवर हुसैन, आशीष राजपूत, सपा प्रवक्ता विक्की गुप्ता, जिला सचिव प्रवीन कुशवाह, देवेंद्र भदौरिया, लाखन सिंह जाटव, बल्ले यादव, राजेश यादव, नारायण यादव, सोनू परिहार, गिरेंद्र यादव, अंकुर यादव आदि साथ रहे।

किसानों को लाटरी से मिलेंगे उपकरण

इटावा। उप कृषि निदेशक आरएन सिंह के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृषि विभाग की सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना एवं प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फार इन-सीटू मैनेजमेन्ट एण्ड क्रॉप रेजिड्यू योजनान्तर्गत 10 हजार से अधिक अनुदान वाले समस्त कृषि यंत्र, कृषि रक्षा उपकरण, कस्टम हायरिंग केन्द्र, किसान ड्रोन का ई-लाटरी की प्रक्रिया जनपद में 21 नवम्बर को दोपहर 12 बजे कृषि भवन के सभागार में सम्पन्न होगी।

इसमें जिन किसानों ने सुपर सीडर, जीरो सीड कम फर्टीड्रिल, मल्टीक्राप थ्रेसर, ट्रैक्टर माउन्टेट स्प्रेयर, स्ट्रा रीपर, कस्टम हायरिंग केन्द्र एवं किसान ड्रोन पर अनुदान प्राप्त करने हेतु आवेदन 27 जून से 12 जुलाई तक एवं 15 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक किया है तो वह 21 नवम्बर को समय दोपहर 12 बजे कृषि भवन सभागार में उपस्थित हो।

महिला की मौत के मामले में पति और सास हुए गिरफ्तार

संवाददाता सैफई इटावा

अमृत विचार। थाना सैफई क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम केशवपुर बैनी मे विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में सैफई पुलिस ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपित पति और सास को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

केशवपुर बैनी गांव में मंगलवार देर रात 20 वर्षीय अंजलि पत्नी उपेंद्र की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। विवाहिता की शादी शिवराज सिंह ने 26 दिसंबर 2023 को उपेंद्र निवासी केशवपुर बैनी के साथ की थी। मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के कुछ माह बाद ससुराल पक्ष के लोग कार और दो लाख रुपये की अतिरिक्त मांग कर रहे थे। मृतका के पिता शिवराज सिंह ने पति उपेंद्र, ससुर वीरपाल, सास मिथलेश, ननद दिव्या, देवर विवेक, ताऊ महेश और उसके पुत्र गोलू सहित कुल सात लोगों के खिलाफ सैफई थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था। गुरुवार को पुलिस ने रकुइया नहर पुल से पति उपेंद्र और सास मिथलेश को गिरफ्तार किया और न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। सीओ केपी सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

अवैध परिवहन कर रहे चार डंपर पकड़े गये

इटावा। थाना बढ़पुरा पुलिस ने अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने अवैध परिवहन कर रहे चार डंपरों को पकड़ा। इन सभी वाहनों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया और संबंधित विभागों को आगे की कार्रवाई के लिए सूचित किया गया। सूचना मिलने पर खनन विभाग, एआरटीओ विभाग और सेलटैक्स विभाग की एक संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। टीम ने जांच के बाद, दो डंपरों पर चालान की कार्रवाई की और उन्हें छोड़ दिया गया। वहीं, अन्य दो डंपरों को सीज कर दिया गया। इन चारों वाहनों से संबंधित विभागों द्वारा लगभग चार लाख रुपये का राजस्व वसूला गया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ पुलिस की सख्ती का स्पष्ट संदेश गया है। कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ पुलिस की सख्ती का स्पष्ट संदेश गया है। थाना बढ़पुरा प्रभारी निरीक्षक के के मिश्रा ने बताया कि अवैध खनन परिवहन पर पूर्ण रूप से रोक लगाने के लिए लगातार अभियान जारी रहेगा।

उलाहना देने पर मार पीट कर दी जान से मारने की धमकी

भरथना। उलाहना देने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने एक व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

क्षेत्र अंतर्गत मेघुपुरा (साम्हो) गांव निवासी सुरेश चंद्र ने पुलिस को तहरीर दी है कि बीती 14 नवंबर की शाम करीब चार बजे मेरा चार वर्षीय नाती आरु पास ही स्थित आलू के खेत में खेलने लगा। उसी दौरान गांव के ही रूपराम आ गया और नाती को धमकाने लगा। धमकाने से भयभीत नाती ने घर आकर रोते हुए जानकारी दी तो मैंने उसके घर जाकर उलाहना दिया तो आरोपी ने भड़कते हुए गाली गलौज, मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी। इस पर उसने पुलिस को तहरीर दी है। वहीं पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

अब मरीजों को मिलेंगी सस्ती दवाएं

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई में मरीजों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाया गया है। विवि. प्रशासन ने एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के साथ अमृत फार्मेसी स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

विवि. के वित्त अधिकारी जगरोपन ने कुलपति प्रो. डॉ. अजय सिंह के निर्देश पर एमओयू पर हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. डॉ. अजय सिंह ने इस निर्णय को मरीजों की सुविधा और उनके आर्थिक बोझ को कम करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि अमृत फार्मेसी की शुरुआत से अस्पताल में आने वाले मरीजों को सस्ती और गुणवत्तायुक्त दवाओं का लाभ मिलेगा, जिससे उपचार प्रक्रिया अधिक सहज और किफायती होगी। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एस.पी. सिंह ने जानकारी दी कि अमृत फार्मेसी भारत सरकार की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजना के तहत संचालित होती है। इसका संचालन एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड द्वारा किया जाता है। इस फार्मेसी का मुख्य उद्देश्य अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज को रियायती दरों पर गुणवत्ता पूर्ण दवाएं, सर्जिकल आइटम, इम्प्लांट और अन्य आवश्यक चिकित्सा सामग्री उपलब्ध कराना है। डॉ. सिंह ने बताया कि यह फार्मेसी पारदर्शिता, गुणवत्ता और सुलभता के सिद्धांतों पर आधारित होगी। इससे रोजाना बड़ी संख्या में मरीजों को सीधा लाभ मिलेगा और दवाओं पर होने वाले खर्च में काफी कमी आएगी। इस दौरान प्रति कुलपति प्रो. डॉ. रमाकांत, संकायाध्यक्ष प्रो. डॉ. आदेश कुमार, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित सिंह और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के. बी. अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति डॉ. अजय सिंह व अन्य। अमृत विचार

- **आयुर्विज्ञान विवि.सैफई में जल्द खुलेगी अमृत फार्मेसी**

ट्रेन में यात्री के बैग से आभूषण चोरी

इटावा। सूरत से सूबेदारगंज-स्पेशल ट्रेन में यात्रा कर रहे एक परिवार का ट्रॉली बैग काटकर चोरों ने करीब दो लाख के जेवर पार कर दिये।

औरैया जिले के बाबरपुर थाना अजीतमल निवासी रहमान अली सूरत में कपड़ों का कारोबार करते हैं। वह शादी के सिलसिले में परिवार सहित अपने गांव लौट रहे थे। उनके अनुसार जसवंतनगर से ट्रेन आगे बढ़ने पर वे इटावा में उतरने की तैयारी कर रहे थे। अपना सामान गेट के पास रखने लगे। इसी दौरान उतरने की जल्दी में गेट पर भीड़ बढ़ गई। इस अफरातफरी का फायदा उठाकर चार बदमाशों ने उनके ट्रॉली बैग में ब्लेड से कट लगाकर जेवर निकाल लिए। इटावा जंक्शन पहुंचने पर उन्होंने जीआरपी को घटना की जानकारी दी। परिवार का आरोप है कि पुलिस ने शिकायत दर्ज करने के बजाय उन्हें यह कहकर टाल दिया कि घटना कहीं और हुई है यहां रिपोर्ट नहीं लिखी जा सकती।

सरदार पटेल के संदेशों को घर घर तक पहुंचाना है : प्रजापति

संवाददाता बकेवर इटावा

अमृत विचार। भरथना विधानसभा क्षेत्र में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर यूनिटी मार्च पदयात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा लखना से शुरू हुई और बकेवर पहुंची। वहां पर जनसभा भी हुई। पूरे मार्ग में सरदार पटेल अमर रहें के जयघोष लगते रहे। पदयात्रा में प्रभारी मंत्री होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा मंत्री धर्मवीर प्रजापति मुख्य अतिथि के रूप में रहे।

जनसभा ने उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उदेश्य राष्ट्र में एकता अखंडता समरमता के संदेश को जन जन तक पहुंचाना है। सरदार पटेल केवल एक व्यक्ति नही बल्कि राष्ट्र की एकता दृढ़ता और स्वाभिमान के प्रतीक है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भाजपा सरकार के आह्वान पर प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में रन फॉर यूनिटी के रूप में एकता यात्रा निकाली जा रही है। यूनिटी मार्च यात्रा जिला प्रभारी पूर्व जिलाध्यक्ष औरैया भुवन प्रकाश गुप्ता ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश की एकता की नींव रखी। उन्होंने छोटे-छोटे स्वतंत्र प्रांतों तो जोड़कर एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण किया। सभा की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता ने किया। गोपाल मोहन शर्मा, व संजीव राजपूत ने भी सभा को सम्बोधित किया। संचालन किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अवधेश चतुर्वेदी ने किया। पदयात्रा व जनसभा में पूर्व सांसद प्रेमदास कठेरिया, पूर्व विधायक सावित्री कठेरिया व सिद्धार्थ शंकर दोहरे, यात्रा जिला प्रभारी व औरैया जिलाध्यक्ष भुवन प्रकाश गुप्ता, अजय धाकरे व प्रशांत राव चौबे, जितेंद्र गौड़, ममता कुशवाहा, रोहित शाक्य, उदय कुशवाहा, शेखर चौहान, सनी यादव आदि रहे।

यात्रा में शामिल प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति, जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता व अन्य भाजपाई।

धर्म-अध्यात्म

प्रदर्शनी पंडाल में चल रही भागवत कथा में आचार्य शांतनु ने कराया रसपान

श्रीराम का जन्म होते ही लगे जय श्रीराम के जयकारे

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। प्रदर्शनी पंडाल में चल रही भागवत कथा में तीसरे दिन कथा सुनाते हुए आचार्य शांतनु जी महाराज ने राम जन्मोत्सव की कथा सुनाई। प्रभु श्रीराम का जन्म होते ही वहां पर मौजूद लोगों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाये। इसके बाद उन्होंने श्रीराम की बाल लीलाओं का वर्णन किया। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री और इटावा जिले के प्रभारी धर्मवीर प्रजापति ने व्यासपीठ से आशीर्वाद लिया।

आचार्य शांतनु महाराज ने आगे कहा कि जब भगवान प्रकट हुए तो देवता भी आकाश मार्ग से पुष्प की वर्षा करने लगे और अयोध्या के नागरिक भगवान के दर्शन के लिए दौड़ पड़े। इसी प्रसंग के अंतर्गत महाराज जी ने अयोध्या वासियों का उदाहरण देकर भगवान के दर्शन की आचार संहिता बताई कि जो जैसैई तैसेइ उठि धावा। अर्थात, भगवान को प्राप्त करने के लिए किसी भी प्रकार की बनावट दिखावट की आवश्यकता नहीं है। आप जैसे हो, उसी प्रकार से बस परमात्मा को पाने के लिए दौड़ जाओ। भजन में, भक्ति में परमार्थ में स्वार्थी होना ही पड़ता है और जो जितना भजन में स्वार्थी हो जाता है संसार के व्यवहार में परमार्थी हो जाता है। नामकरण संस्कार की चर्चा करते हुए महाराज श्री ने कहा कि बच्चे का नाम संतों से शास्त्रों से बड़े बुजुर्गों से विद्वानों से पूछ कर ही रखना चाहिए क्योंकि हमारे यहां पुरानी कहावत है यथा नाम तथा गुण। भारत का निर्माण यदि करना है तो शिक्षा के साथ-साथ संस्कार की भी अत्यंत आवश्यकता है। हम आने वाली पीढ़ियों को पैसे कमाने की मशीन बना रहे हैं और ऐसे बालक कभी भी अपने माता पिता परिवार समाज राष्ट्र महत्व नहीं समझते, अतः भारत को यदि पुनः स्थापित करना है इन छोटी-छोटी बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कथा के मुख्य यजमान मोहित दुबे एवं रूबी दुबे के साथ संत मधुरामजी ने व्यास पीठ की आरती की। इस अवसर पर संघ के विभाग प्रचारक यशवीर, पूर्व मंत्री डॉ. राम शंकर कठेरिया, मृदुला कठेरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी मानवेंद्र सिंह, एमएलसी अविनाश चौहान, नीरज गौतम, भाजपा जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता, अमित तिवारी मानू, कार्यक्रम संयोजक रमाकांत शर्मा, विमल भदौरिया, प्रशांत राव चौबे आदि मौजूद रहे।

व्यासपीठ की आरती करते यजमान मोहित दुबे व रूबी दुबे साथ में अन्य लोग।

बिजली का बिल अधिक आने से ग्रामीण परेशान

महेवा। अनुमान से अधिक बिजली बिल आने से ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ता परेशान है वहीं लोगों ने उच्चाधिकारियों से इस बाबत उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

पिछले करीब दो माह से बिजली उपभोक्ताओं के डेढ़ से दो गुने बिल आना शुरू हो गए हैं। इतना ही नहीं शिकायत के बावजूद भी लोगों की सुनवाई नहीं हो रही है। क्षेत्र के ग्राम लीटेपुर निवासी जगन्नाथ पुत्र जयनारायण ने एसडीओ बकेवर को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह अकेले है तथा ज्यादा बिजली की खपत भी नहीं करते है। इसके बावजूद भी उनकी रीडिंग दो हजार के करीब है वह साढ़े ग्यारह हजार से अधिक का बिल जमा भी कर चुके हैं। इसके बाद भी हजारों रुपए बिल बकाया दिखाया जा रहा है उन्होंने उचित कार्यवाही की मांग की है।

बाकी बचे जॉब कार्डों की केवाईसी करायें

संवाददाता महेवा इटावा

अमृत विचार। जॉब कार्डों की केवाईसी शत प्रतिशत अनिवार्य की जाए अन्यथा जिम्मेदारी तय होगी। इसके अलावा गौ आश्रय स्थलों में समूचे स्तरो पर पुख्ता इंतजाम किए जाएं। तथा जीरो से छह वर्ष के बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र हर हाल में बनाना सुनिश्चित हो। उपरोक्त बातें खंड विकास अधिकारी बृज बिहारी त्रिपाठी पशु चिकित्सा अधिकारी विनय कुमार मिश्रा सीडीपीओ मनोरमा पांडेय ने गुरुवार को ब्लॉक सभागार में ग्राम स्तरीय कर्मचारीयों की बैठक में दी।

बीडीओ ने बताया कि ब्लॉक क्षेत्र में अभी तक मात्र 34 प्रतिशत जाब कार्डों की केवाईसी हो पाई है बाकी बचे 66 प्रतिशत जाब कार्डों की केवाईसी हर हाल में सुनिश्चित होना निश्चित हो। उन्होंने फैमिली आईडी तथा पुस्तकालय संबंधी कार्यों पर जोर देना सुनिश्चित किया। इसी क्रम में महेवा के पशु चिकित्सा अधिकारी ने गौशालाओं में जरूरी कार्यों के निपटान के निर्देश दिए। ताकि गोवंशियों को सर्दी से बचाया जा सके। उनका कहना था कि ब्लॉक क्षेत्र में एक दर्जन गोआश्रय स्थल हैं।

इस दौरान सचिव आदित्य देव सिंह, अशोक सिंह परिहार, अनुष्का दुबे, सोनम कुशवाहा, दुरविजय सिंह, रवि यादव, टीए सुरेन्द्र तिवारी, गिरिजेश मिश्रा, रोजगार सेवक सतीश नागर, भुवनेश कुमार सहित ब्लॉक क्षेत्र के सभी ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार 21 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

ट्रेन से टकराकर सांड़ की मौत, रुकी ट्रेन

अछल्दा। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर बुधवार रात अछल्दा स्टेशन के पास क्लोन एक्सप्रेस एक सांड़ से टकरा गई। इस टक्कर के कारण ट्रेन करीब दस मिनट तक इनायतपुर गांव के सामने खड़ी रही। बुधवार रात लगभग 11:30 बजे डाउन ट्रैक पर हुई, जब एक सांड पटरी पर घूम रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी सांड़ के चिथड़े उड़ गए और सांड़ की मौके पर ही मौत हो गई वही सांड़ के अवशेष इंजन में फंसने से रेलवे लाइन पर लगा एक जंपर भी उखड़ गया। जिससे रेलवे ट्रेक में दिक्कत आ गई। घटना की सूचना मिलते ही रेल कर्मचारियों ने तत्काल ट्रैक का निरीक्षण किया। ट्रेन रुकने के बाद, लोको पायलट ने इंजन की विस्तृत जांच की। साथ ही, रेल कर्मचारियों ने ट्रैक से सांड़ के शव को हटाया और सुनिश्चित किया कि पटरी सुरक्षित है। इंजन और ट्रैक की जांच पूरी होने तथा पटरी साफ होने के बाद, क्लोन एक्सप्रेस को दरभंगा जंक्शन के लिए सुरक्षित रूप से आगे रवाना कर दिया गया।

नाला निर्माण के लिए किया भूमि पूजन

रसूलाबाद। बिरहुन निवासी लंबे समय से जलभराव की समस्या से जूझ रहे थे। गांव की सड़कों पर पानी भर जाने से न केवल सड़कें खराब हो जाती थीं वरन कई लोग गिरकर जख्मी भी हो चुके थे। समस्या से निजात दिलाने के लिए बिरहुन जिला पंचायत ने इस पर ध्यान दिया और लगभग 350 मीटर लंबे आरसीसी नाले के निर्माण का कार्य शुरू करवाया। गुरुवार को विधि-विधान से भूमि पूजन किया गया। इस परियोजना से हजारों ग्रामीणों को जलभराव की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

चार डंपरों का किया चालान

रसूलाबाद। थाना रसूलाबाद क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान फाल्ट नंबर प्लेटें लगाकर चल रहे चार डंपरों का चालान किया। इस संबंध में थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि डंपर (गुड्स कॅरियर) नंबर यूपी 93 सीटी 9550 व यूपी 93 सीटी 6442 का 19 नवंबर को फाल्ट नंबर प्लेट के कारण चालान किया गया है। जबकि 20 नवंबर को डंपर नंबर यूपी 93 सीटी 8863 व यूपी 93 सीटी 9624 का चालान किया गया है।

वृद्ध की अचानक मौत

शिवली। साइकिल से जा रहे एक वृद्ध की एकाएक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की है। शिवली कोतवाली के गांव जुगराजपुर के रहने वाले श्रीराम पाल उम्र 67 वर्ष अपने घर से साइकिल से सत्संग में जा रहे थे। गुरुवार की शाम भुजपुरा नदी के पास अचानक साइकिल रोक कर सड़क किनारे बैठ गए। और कुछ देर बाद उनकी अचानक मृत्यु हो गई। चौकी इंचार्ज नरेंद्र सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

तबादले पर अपराध निरीक्षक को दी विदाई

रसूलाबाद। थाना रसूलाबाद में करीब एक वर्ष से तैनात अपराध निरीक्षक वीरेंद्र बहादुर यादव का स्थानांतरण प्रभारी निरीक्षक एएचटी कानपुर देहात के पद पर बुधवार को हो गया था। गुरुवार को थाना रसूलाबाद में अपराध निरीक्षक पद पर कार्यरत रहे वीरेंद्र बहादुर यादव को सहकर्मियों समेत समाजसेवियों ने माल्यार्पण कर विदा किया। अपराध निरीक्षक ने बताया कि वे करीब एक वर्ष से अधिक समय तक रसूलाबाद में रहे।

एसआईआर कार्य में लापरवाही बरती तो होगी कार्रवाई : डीएम

सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व सुपरवाइजर के साथ बैठक में दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। जिलाधिकारी ने कहा कि एसआईआर कार्यक्रम पूरी ईमानदारी से करें। इसमें कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वह गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में भारत निर्वाचन आयोग के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की बैठक में मातहतों को निर्देश दे रहे थे।

बैठक में सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व सुपरवाइजर के रूप में तैनात लेखपालों को निर्देशित किया कि कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करें। प्रतिदिन की गई कार्यवाही की समीक्षा कर प्राप्त गणना प्रपत्रों की फीडिंग सुनिश्चित रोजाना कराएं।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने कार्य को सही व समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के लिए बूथ संख्या 1 से 78 तक के कार्य को संपादित किए जाने के लिए सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/ चकबंदी अधिकारी सूर्यनाथ यादव को तहसील सभागार अजीतमल, बूथ संख्या 79 से 156 तक की जिम्मेदारी दी। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/ डिप्टी कलेक्टर कमल कुमार सिंह को डायट सभागार अजीतमल, बूथ संख्या 157 से 235 तक की जिम्मेदारी व सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/ खंड विकास अधिकारी औरैया को ब्लॉक सभागार, 236 से 304 बूथ संख्या की जिम्मेदारी दी गई। इसीतरह नायब तहसीलदार सदर प्रकाश चौधरी को तहसील सभागार सदर तथा बूथ संख्या 305 से 374 तक के कार्य संपादन हेतु नगर पालिका परिषद औरैया के सभागार में नायब तहसीलदार फफूंद अशोक कुमार की जिम्मेदारी निर्धारित की गई।

कर्मचारियों के साथ बैठक करते जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी। अमृत विचार

- **कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रतिदिन के कार्य की समीक्षा करें**
- **वितरित गणना प्रपत्रों को सही व स्पष्ट भराकर समय पर लें**

उन्होंने निर्देशित किया कि बीएलओ के कार्य की समीक्षा सुपरवाइजर करते हुए शाम 4 बजे से अपने-अपने निर्धारित स्थान पर बीएलओ सहित उपस्थित रहकर कार्य की अग्रिम कार्रवाई संबंधित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्री अधिकारी अपनी देखरेख में रात्रि 9 बजे तक संपादित कराएं। जिससे फीडिंग की प्रगति सुनिश्चित होगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि इस कार्य में किसी के द्वारा किसी भी स्तर पर बरती गई लापरवाही के लिए उसकी जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए भारत निर्वाचन आयोग नियमानुसार कार्रवाई करेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अविनाश चंद्र मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक नीरज प्रसाद सहित समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व सुपरवाइजर आदि उपस्थित रहे।

कंचौसी में भारी वाहनों के प्रवेश में नो एंट्री लगाने की मांग

कंचौसी। दो जिलों के सीमा पर स्थित कंचौसी कस्बा के व्यस्ततम यातायात और रेलवे ओवर ब्रिज का काम पूरा न होने से आए दिन रेलवे फाटक और नहर पुल पर जाम की विकराल समस्या से नगरवासी खासे परेशान हैं। नगर के व्यापारियों ने शासन प्रशासन से भारी वाहनों के लिए नो इंट्री व्यवस्था लागू किए जाने की पुरजोर मांग की है।

औरैया कानपुर देहात जिले की सीमा पर स्थित कंचौसी कस्बा दिल्ली हावड़ा रेल रूट और जिला मुख्यालय औरैया कानपुर देहात सड़क यातायात के लिए मुख्य प्वाइंट है। यहां से रोजाना सैकड़ों गिट्टी मौरंग के ट्रक, डंपर, झांसी, जालौन, हमीरपुर, महोबा से कन्नौज, औरैया, फर्रुखाबाद, रसूलाबाद, आदि के लिए जाते हैं। जिससे कंचौसी कस्बा में रेलवे फाटक और नहर पुल पर भीषण जाम लगा रहता हैं। जिससे जरूरी कामकाज को जाने वाले लोग और दुकानदारों का व्यापार भी प्रभावित हो रहा हैं। इसमें रेलवे फाटक बंद रहने और भारी वाहनों का रात दिन लगातार निकलते रहने से लोग परेशान है। जिससे लोगों ने कंचौसी कस्बा में भारी वाहनों के लिए नो इंट्री व्यवस्था लागू करने की मांग की है।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर के दौरान जांच करते चिकित्सक। अमृत विचार

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 245 मरीजों की हुई जांच

संवाददाता, अछल्दा

अमृत विचार। विकासखंड के ग्राम बघईपुर स्थित राजकीय चिकित्सालय में गुरुवार को नि:शुल्क आयुर्वेदिक, यूनानी एवं सामान्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

ग्रामीणों की सुविधा के लिए लगाए गए बहु-आयामी स्वास्थ्य शिविर में 245 मरीजों की जांच की गई और उन्हें दवाइयां एवं उपचार दिया गया। शिविर का संचालन डिप्टी सीएमओ डॉ. मनोज कुमार एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की जांच कर रोगों के अनुसार परामर्श दिया। यूनानी विभाग से डॉ. जितेंद्र कुमार वर्मा और डॉ. सरफराज अंसारी ने स्वास्थ्य परीक्षण कर यूनानी पद्धति से उपचार किया। आयुष विभाग की एएमओ डॉ. पूनम शर्मा तथा दंत चिकित्सक डॉ. अंजली शुक्ला ने ग्रामीणों को विभिन्न बीमारियों के उपचार के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

शिविर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण बीपीएम आसिफ अब्बास और डीसीपीएम अजय पांडेय ने किया। स्वास्थ्य टीम में सीएचओ गजेंद्र सिंह, सीएचओ कमलेश, सीएचओ ह्रदेश कुमार, फार्मासिस्ट संजीव कुमार, एएनएम पूनम पाल आदि रहे।

एसपी ने निरीक्षण कर परखीं व्यवस्थाएं

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। एसपी द्वारा गुरुवार दोपहर महिला थाना, साइबर क्राइम थाना, साइबर सेल, वीआईपी सेल, चुनाव सेल व एएचटीयू थाना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसरों की कार्यप्रणाली, सुरक्षा व्यवस्था और रिकॉर्ड के रख-रखाव को बारीकी से परखा गया।

एसपी अभिषेक भारती ने सबसे पहले थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति जानी और उनकी निगरानी व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। महिला सुरक्षा केन्द्र, महिला थाना विवेचना कक्ष, कार्यालय अभिलेख, अपराध रजिस्टर एवं नक्शा नौकरी की जांच कर संबंधित कर्मचारियों को अभिलेखों को अपडेट रखने और किसी भी प्रकार की कमी तुरंत दूर करने के लिए कहा। उन्होंने मौजूद अधिकारियों को जन शिकायतों को गंभीरता से सुनने, पीड़ितों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने और सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसलिए प्रत्येक शिकायत को प्राथमिकता पर निपटाया जाए। उन्होंने मौजूद अधिकारियों और निर्माण कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से तय समय सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक औरैया, संबंधित थाना/सेल प्रभारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महिला थाने का निरीक्षण करते एसपी अभिषेक भारती। अमृत विचार

- **पीड़ितों के साथ संवेदनशील व्यवहार करें : एसपी**

नागरिक सुरक्षा कोर इकाई के गठन को मांगे आवेदन

औरैया। नागरिक सुरक्षा अधिनियम 1968 के तहत जनपद में आपातकाल, विभिन्न आपदाओं और आकस्मिक दुर्घटनाओं के प्रभावी निस्तारण एवं राहत और बचाव कार्य हेतु नागरिक सुरक्षा इकाई के गठन हेतु स्वस्थ्य, देश और समाज सेवा हेतु प्रतिबद्ध (18-65) वर्ष के इच्छुक नागरिकों / स्वयं सेवकों से आवेदन मागे गये है। यह स्वयं सेवक अवैतनिक होंगे, जो राष्ट्र प्रेम/समाज सेवा हेतु समर्पित हैं। आवेदन पत्र आपदा कंट्रोल रूम ककोर मुख्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। इस हेतु अधिक जानकारी के लिए आपदा विशेषज्ञ मो. 7983713491 व जिला एनसीसी अधिकारी मो. 9259564641 पर संपर्क किया जा सकता है।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव 5 दिन पहले नोएडा से घर आया था

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। दिबियापुर क्षेत्र में एक युवक का शव गांव से डेढ़ किलोमीटर दूर बाले का पूर्वा में नीम के पेड़ से लटका मिला। युवक 5 दिन पहले नोएडा से अपने घर आया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक दिबियापुर थाना क्षेत्र के औतो गांव का है।

औतो गांव निवासी 26 वर्षीय अमन शर्मा पुत्र रामप्रकाश नोएडा में वेल्डिंग का काम करता था। वह बुधवार रात घर से निकला और रात भर वापस नहीं लौटा। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने बाले का पूर्वा गांव में एक नीम के पेड़ से अमन का शव लटका देखा। सूचना मिलने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। कुछ ग्रामीणों के अनुसार, युवक शराब पीने का आदी था और मानसिक रूप से परेशान रहता था। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। वहीं ग्रामीणों से भी जानकारी जुटा रही है।

घटना स्थल पर जांच करती पुलिस। अमृत विचार

ब्लाक स्तरीय बाल क्रीड़ा स्पर्धा का हुआ आयोजन

औरैया। तिलक स्टेडियम में बेसिक शिक्षा विभाग की ब्लाक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें विभिन्न स्तरों पर हुई संकुलों पर विजेता छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में खो-खो, लंबी दौड़ और अन्य खेल शामिल थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी अजय विक्रम सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में नौनिहालों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम जिला व्यायाम शिक्षक मनीष मिश्रा व जिला व्यायाम शिक्षका रश्मि पाठक, ब्लाक व्यायाम शिक्षक आशीष अवस्थी, अमित बिसारिया के निर्देशन में हुआ। संचालन प्रशांत अवस्थी ने किया। प्रतियोगिताओं में तालेपुर, जैतापुर, सिहौली, शहाब्दा, सेंगनपुर तिवरलालपुर, खानपुर आदि विद्यालयों की टीमों-प्रतिभाग किया। खो-खो प्रतियोगिता में विभ बखरिया 400 मीटर दौड़ में रौतियापुर, कबड्डी में मिहोली, 50 मीटर दौड़ में जौरा, 100 मीटर दौड़ में बरबटपुर, 200 मीटर में बरबटपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर शिक्षक नेता अरविन्द दुबे, राजीव उपाध्याय, संजू सविता, अखिलेश चतुर्वेदी दिनेश चतुर्वेदी, श्री ओम चतुर्वेदी, संजय पांडेय आदि मौजूद रहे।

केसमपुर-विलन्दपुर के ग्रामीणों को हिचकोलों से मिलेगी राहत

संवाददाता, फफूंद

अमृत विचार। पीडब्ल्यूडी ने कई सालों बाद आखिर ग्राम पंचायत केसमपुर के मजरा विलन्दपुर की तरफ जाने वाली सड़क पर डामरीकरण का कार्य किया है। इससे ग्रामीणों को हिचकोलों से राहत मिल जाएगी।

डामरीकरण होने से अब लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं उठानी पड़ेगी। परन्तु कुछ ग्रामीणों के अनुसार जिस तरह से सड़क पर डामर डाला गया है। यह कुछ महीनों के अंदर ही उखाड़ना शुरू हो जाएगा। यह सड़क एक बरसात नहीं झेल पाएगी। गांव के आमिर खान, संदीप कुमार, राकेश कमल, सर्वेश कमल अजय गौतम, कन्हैया आदि ने बनाई गई सड़क के जहां प्रसन्नता जाहिर की। वहीं सड़क को मानक के अनुसार न बनाए जाने की बात भी कही है।

केसमपुर-विलन्दपुर मार्ग पर होता डामरीकरण। अमृत विचार

- **पीडब्ल्यूडी ने कई सालों बाद मार्ग पर शुरू कराया डामरीकरण**

सपा ने एसआईआर फॉर्म भरने को लेकर की चर्चा

अजीतमल। गुरुवार को अजीतमल कस्बे की ग्रामीण बैंक के पास अजीतमल क्षेत्र के समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक की गई। बैठक में क्षेत्रीय सांसद सहित पार्टी के क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सहित बीएलए मौजूद रहे।

बैठक में एसआईआर फॉर्म भरने को लेकर चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं को वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने पार्टी द्वारा मिले दिशा निर्देशों को अवगत कराया। बूथ स्तर पर बनाए गए पार्टी के बीएलए प्रतिनिधि को बीएलओ द्वारा बांटे गए प्रपत्रों को सही तरीके से भरवा कर उसके साथ मतदाताओं के घर पहुंच कर दो प्रतियों में मिल रही फॉर्म को सही तरीके से भरने के पश्चात एक फॉर्म को मतदाता अपने पास सुरक्षित रखें। पार्टी बीएलए प्रतिनिधि किसी भी प्रकार की समस्या के संदर्भ में पार्टी जिला अध्यक्ष सहित अन्य पार्टी के जिम्मेदारों को अवगत कराएं। एसआईआर के संबंध में पार्टी से मिले निर्देशों को श्याम बाबू यादव, सांसद जितेंद्र दोहरे, अध्यक्ष सर्वेश गौतम, बाबा राम नरेश यादव, राम दर्शन कठेरिया, पूर्व विधायक मदन सिंह गौतम, ने कार्यकर्ताओं को अपने अपने स्तर से जानकारी दी। इस दौरान मुनीन्द्र प्रजापति, संजीव पोरवाल, इकलाख पठान, नूरुद्दीन मंसूरी, शिवेंद्र यादव, माधव सिंह, पप्पी दोहरे, बंगाली पोरवाल, आसिफ खान आदि मौजूद रहे।

जागरूकता | कुदरकोट थाना क्षेत्र के सरायशीश में लगाया गया शिविर

कोई समस्या हो तो डरें नहीं, पुलिस को सूचना दें

संवाददाता, रुरुगंज

अमृत विचार। कुदरकोट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सरायशीश ग्राम में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी देकर जागरूक किया गया। महिलाओं को पॉक्सो एक्ट सहित सुरक्षा संबंधित जानकारियां दी गई। साथ ही हेल्पलाइन लाइन नम्बर व पिंक बूथ की उपयोगिता पर भी चर्चा की गई। महिलाओं से कहा कि अगर कोई समस्या हो तो पुलिस को जानकारी दें। पुलिस मदद करेगी।

मिशन शक्ति फेज-5 के तहत प्रत्येक बालिकाओं में आत्मविश्वास, जागरूकता और सुरक्षा का भाव जागृत कर उन्हें सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर किया जा रहा है। उन्हें बताया गया कि यदि किसी भी महिला एवं बालिका को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी होती है तो वे हेल्प लाइन नम्बरों पर कॉल कर मदद ले सकती हैं। इसके लिए सरकार ने साइबर हेल्पलाइन 1930, वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपात कालीन 112, चाइल्ड लाइन 1098 जारी कर रखे हैं। इस पर कॉल करने पर तुरंत सहायता टीम मौके पर पहुंचेगी। इस मौके पर कुदरकोट प्रभारी थानाध्यक्ष रामबालक शुक्ला, महिला आरक्षी ईशा सिंह, महिला आरक्षी आशा तोमर आदि रहे।

शिविर के दौरान महिलाओं को जागरूक करते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

सड़क हादसे में बाइक सवार महिला घायल

बेला। थाना क्षेत्र के बेला कस्बे से दिबियापुर रोड पर गुरुवार दोपहर लगभग 2 बजे तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला घायल हो गई।

मोटरसाइकिल पर सवार अन्नपूर्णा (65) पत्नी रमाकांत निवासी सुक्खापुरवा, थाना ठठिया जनपद कन्नौज अपने रिश्तेदार के साथ जा रही थी। तभी अचानक सामने से आ रही बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में अन्नपूर्णा गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना की सूचना पर उपनिरीक्षक उपेंद्र कुमार व आरक्षी अवनीश मौके पर पहुंचे और घायल महिला को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज तिर्वा भेजा। पुलिस ने बोलेरो वाहन को कब्जे में ले लिया है। बताया गया कि बाइक चला रहा युवक सनी पुत्र सुनील निवासी रत्नापुर, थाना इंदरगढ़, कन्नौज का रहने वाला है।

पानी निकासी की व्यवस्था को बनाया जा रहा नाला

फफूंद। नगर पंचायत द्वारा बाईपास पर सड़क के किनारे नाले का निर्माण कार्य चल रहा है। बाईपास स्थित घरों एवं दुकानदारों की पानी निकासी का कोई श्रोत नही था। जिसके लिए इस नाले का निर्माण होना आवश्यक था। नगर वासियों की परेशानी को देखते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष ने कार्य योजना बनाकर नल का निर्माण करना शुरू कर दिया है। जिससे बाईपास पर लोगों में काफी प्रसन्नता देखने को मिल रही है। भाई कुछ लोगों का कहना था। घरों की निकासी के लिए नाला होना बहुत ही जरूरी था। फफूंद के अनस खान, महावीर, सलमान, तौफीक, विनोद, नरेश आदि ने बताया कि निकासी को लेकर बहुत दिक्कत थी नगर चेयरमैन अनवर कुरैशी को इस समस्या से अवगत कराया था। उसके बाद नाले का निर्माण कार्य चल रहा है। जिससे अब कोई पानी को लेकर परेशानी नही होगी चेयरमैन अनवर कुरैशी का कहना है कि नगर मे कहीं भी कोई दिक्कत या परेशानी है। ऐसी किसी भी समस्या का समाधान करना मेरी जिम्मेदारी है उन्होंने कहा कि नगर में विकास कार्य के लिए नगर वासियों का सहयोग ज़रूरी है।

कराया जाता नाला निर्माण।

फाल्ट के चलते 18 घंटे गुल रही विद्युत आपूर्ति

कंचौसी। कस्बा के लोगों को बिजली कटौती से निजात नहीं मिल पा रही है। असेनी पावर हाउस से जुड़े नौगवा फीडर की लाइन में अमरपुर गांव में मेन लाइन में आए फॉल्ट से करीब 18 घंटे बिजली आपूर्ति ठप रही। इससे लोग परेशान रहे। बुधवार शाम सात बजे के बाद लगातार ट्रिपिंग होने से असेनी पावर हाउस से जुड़े नौगवा फीडर की लाइन में फाल्ट हो गया, जिससे जुड़े पुरवा महिपाल, बट्टहा, विजई पुरवा, हरतौली, कनमऊ, अमरपुर, सुंदरपुर, रंजीतपुर, मधवापुर, मढ़नई, कंचौसी नगर, लाछियामऊ, भुनियापुर आदि गांवों में भी फॉल्ट के चलते बिजली गुल हो गई। गुरुवार सुबह से ही कर्मचारी फॉल्ट को दुरुस्त करने में जुटे रहे। फाल्ट मिलने के बाद दोपहर 12 बजे के बाद विद्युत आपूर्ति बहाल हो सकी। विद्युत आपूर्ति बाधित होने से लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ा, इनवर्टर भी धोखा दे गए।

न्यूज ब्रीफ

खेलते समय दो वर्षीय मासूम आग से झुलसी

कुरारा। क्षेत्र के भौली गांव में दो वर्षीय मासूम खेलते समय अचानक आग से झुलसने से गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे परिजन उपचार के लिए स्थानीय सीएचसी लेकर आए। जहां उसका उपचार जारी है। क्षेत्र के भौली गांव निवासी पवन सिंह की दो वर्षीय पुत्री आराध्या घर मे खेल रही थी। तभी अचानक आग के पास पहुंच गई। जिससे वह बुरी तरह झुलस गई, जिसे परिजन आनन फ़ानन उपचार के लिए स्थानीय सीएचसी ले आए, जहां उसका प्राथमिक उपचार जारी है।

टॉयलेट कर रहे युवक को लाठियों से पीटा

राठ। कोतवाली के चिल्ली गांव में टॉयलेट करने के दौरान युवक को लाठियों से जमकर पीटा। घायल ने सीओ के पास पहुंच तहरीर दी है। हरिकिशन पुत्र मंटे ने बताया कि बुधवार की शाम वह गांव के बाहर बाथरूम कर रहा था। उसी दौरान गांव का राजाराम पुत्र जमुना दास पीछे से आया और लाठी मारने लगा। बताया कि उसके चिल्लाने पर ग्रामीणों ने ललकारा तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। बताया कि उसने कोतवाली में शिकायत की तो किसी ने नहीं सुनी। पीड़ित ने सीओ से न्याय की गुहार लगाई है।

ई-रिक्शा की 4 बैटरी चोरी, थाने में तहरीर

पौथिया। स्वासा बुजुर्ग गांव में घर के बाहर खड़े ई रिक्शा की चार बैटरी चोर खोल ले गए। पीड़िता ने थाने में तहरीर दी है। ललपुरा थाना क्षेत्र के स्वासा बुजुर्ग निवासी चंद्रपाल कुशवाहा ने थाने में तहरीर देकर बताया कि बीती रात ई रिक्शा घर के बाहर खड़ा था। तभी चोरों ने करीब 40 हजार रुपये कीमत की चार बैटरी चोर चोरी करके ले गए। उधर उपनिरीक्षक घनश्याम शुक्ला ने बताया तहरीर मिली जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान का मुकदमा

मौदहा। बिवांर थाना क्षेत्र के रोहारी निवासी बिंद्रावन ने तहरीर देकर बताया कि गांव के सत्यनारायण, धर्मेंद्र आदि ग्राम समाज की जमीन पर कब्जा कर अवैध निर्माण कर रहे थे, जिसका उसने विरोध किया तो सत्यनारायण, धर्मेंद्र, रामेश्वर, खेमचंद और रामकली ने उसे और उसकी पत्नी को घर में घुसकर पीटा। उसने पुलिस से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। आरोपियों के रसूख पर पुलिस ने उनके विरुद्ध उल्टा मुकदमा दर्ज कर दिया। पीड़िता ने बताया कि तीन साल पहले भी इन लोगों ने उसके परिवार के साथ मारपीट की थी, जिस पर दोनों पक्षों पर कार्रवाई हुई थी। निष्पक्ष जांच की मांग पर पुलिस ने पांच आरोपियों के विरुद्ध सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया है।

पति पर दूसरी शादी करने का आरोप

राठ। कस्बे के अतरौलिया मोहल्ला निवासी आरती पत्नी भुवनेश ने बताया कि उसके पति भुवनेश और ससुरालीजन आए दिन उसके साथ मारपीट करते और प्रताड़ित करते थे। इस प्रताड़ना से परेशान होकर वह 8 माह पहले अपने मायके इटौरा चली गई थी। आरती ने आरोप लगाया कि उसके मायके में रहने के दौरान उसके पति भुवनेश ने उसे बिना तलाक दिए चोरी से दूसरी शादी कर ली है। आरती और भुवनेश की एक 6 वर्षीय पुत्री पायल भी है। दूसरी शादी की सूचना मिलने के बाद आरती ने गुरुवार को अपने मायके वालों के साथ कोतवाली पहुंचकर शिकायत दी। महिला की तहरीर पर पुलिस ने घटना की जांच शुरू करा दी।

भतीजे ने सड़क पर चाची को दौड़ा कुल्हाड़ी से काट डाला

मौदहा कोतवाली क्षेत्र के करहिया गांव में गुरुवार सुबह वारदात से फैली सनसनी

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के करहिया गांव में गुरुवार सुबह एक युवक ने अपनी रिश्ते की चाची को बीच सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमले किए, जिससे चाची की मौके पर ही मौत हो गई। जब तक आसपास के लोग कुछ समझ पाते, तब तक आरोपी कुल्हाड़ी लहराते हुए गांव से फरार हो गया। इस सनसनीखेज वारदात की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच-पड़ताल की। आरोपी की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं।

कल्ली।

घटनास्थल पर लगी ग्रामीणों की भीड़ और जांच करती पुलिस। अमृत विचार

मोदहा कोतवाली क्षेत्र के करहिया गांव के रहने वाले मेड़ेलाल खंगार की पत्नी कल्ली (55) गुरुवार की सुबह अपने दरवाजे पर थी, तभी रिश्ते में उसके भतीजे धर्मेंद्र पुत्र शिवलाल ने सड़क पर उसे दौड़ा लिया और फिर दौड़ाते-दौड़ाते कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ कई वार कर मार डाला। आरोपी ने इतनी क्रूरता के साथ कुल्हाड़ी से हमला किया कि कल्ली सड़क पर गिर गई और पल भर में ही उसकी मौके पर मौत हो गई। इस बीच कल्ली की चीख सुनकर कुछ ग्रामीणों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन हत्यारोपी ने उन पर भी कुल्हाड़ी से हमला करने का प्रयास किया, जिससे ग्रामीण पीछे हट गए। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक आरोपी कुल्हाड़ी लहराते हुए मौके फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और प्रारंभिक जांच-पड़ताल में जुट गया। इस संबंध में अभी तक पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। क्षेत्राधिकारी राजकुमार पाण्डेय और कोतवाली प्रभारी उमेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने घेरेबंदी के साथ आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

घटना के बाद फरार हत्यारोपी धर्मेंद्र।

- दिनदहाड़े हत्या करने के बाद गांव से फरार हो गया आरोपी
- जांच में जुटी पुलिस, आरोपी की तलाश में कई टीमें लगाई गईं

कानपुर नगर में रहते कल्ली के दोनों बेटे

- सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस ने कल्ली के परिजनों को सूचना दे दी है। बताते हैं कि कल्ली के दोनों पुत्र ज्ञान सिंह और मान सिंह कानपुर नगर में रहते हैं। कल्ली भी अधिकतर उनके पास कानपुर में रहती थी। बीच-बीच में वह गांव आती-जाती रहती थी।

आरोपी युवक मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा है। पुलिस की टीमें उसकी तलाश कर रही हैं।

-मनोज कुमार गुप्ता, एएसपी

कलयुग में प्रभु का नाम जपने से मिलता मोक्ष

संवाददाता, पौथिया

अमृत विचार। हमीरपुर-राठ मार्ग कीरतपुर बैठका धाम हनुमान मंदिर में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन वृंदावन धाम से पधारीं कथावाचक स्तुति तिवारी ने श्रोताओं को कथा का रसपान कराते हुए कहा कि कलयुग में प्रभू के नाम जप से मोक्ष मिल जाता है।

उन्होंने कहा कि उल्टा नाम जपत जग जाना, वाल्मीकि भय ब्रह्म समाना, वाल्मीकि ने उल्टा नाम जप कर महर्षि की उपाधि धारण की थी। जो व्यक्ति शास्त्रों के बताए नियमों के आधार पर चलता है। वह साकेत गामी होता है। सत्संग आत्मज्ञान के साथ साथ आत्मा को शक्तिशाली बनाता है। उन्होंने कहा कि भौतिक सुख संसाधनों में उलझकर जीवात्मा परमात्मा की भक्ति से दूर हो जाती है। इस मौके पर अम्बिका प्रसाद उर्फ बबलू, सुखदेव सिंह, बाबू सिंह यादव, पवन यादव, रज्जू सविता, संदीप दीक्षित, लल्लू महाराज, संत गोपालानंद महाराज उर्फ राजू महाराज सहित महिलाएं रहीं।

बैठकाधाम में कथा सुनातीं स्तुति तिवारी।

श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर भंडारा

- **मौदहा।** कस्बे की बड़ी देवी मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर भंडारा हुआ, जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद छका। सुबह से ही भक्त पहुंचने लगे थे। काशी धर्म पीठ के पीठाधीश्वर स्वामी नारायणानंद जी महाराज के साथ धनंजय सिंह, शिवकुमार पाण्डेय, राकेश पालीवाल, अवधेश पालीवाल, विनय तिवारी, ज्योत्सना सिंह रहीं।

'भूल गई मैं सारी बातें, बस एक फसाना याद रहा' पर गूंजीं तालियां

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की 197वीं जयंती एवं बुंदेलखंड नवनिर्माण सेना के स्थापना दिवस पर बड़ी देवी मंदिर में आयोजित बुंदेलखंड महोत्सव में बुधवार की रात दूरदराज से आए कवियों ने शमा बांध दिया।

संचालन करते हुए हास्य कवि अमित शुक्ला रीवां ने अपने व्यंग्यों से मनोरंजन कराया। प्रतापगढ़ के लवलेश यदुवंशी ओज ने सभी देशों से सुंदर अपना हिंदुस्तान लगता है सुनाकर तालियां बटोरी। खंडवा मध्य प्रदेश से आए अकबर ताज ने पढ़ा मुझे अंधा बनाया तो कोई बात नहीं भगवान मेरी संतान को श्रवण कुमार बना देना। लखनऊ से पधारी शशि श्रेया ने सुनाया कि "मोहब्बत कर लिए तो होश आया कि हम पागल बनाए जा रहे हैं"। योगिता चौहान आगरा ने भूल गई मैं सारी बातें, बस एक फसाना याद रहा सुनाकर वाहवाही लूटी। इटावा के गौरव चौहान ने सुनाया कि रक्त शिराओं का जब ठहरे कालापानी पढ़ लेना, राजगुरु अशफाक भगत की, वह भारत की बेटी क्या है झांसी की रानी पढ़ लेना। शिव किशोर तिवारी बाराबंकी में आपस में कोई दंगा ना रहे हम रहे तुम ना रहे पर हमेशा यह तिरंगा लहराता रहे पढ़ कर श्रोताओं का मन मोह लिया। आगरा से आई योगिता चौहान ने घर-घर लाख जलानी है, जान हथेली पर रखकर हमको गाय बचानी है। कानपुर के हास्य कवि हेमंत पांडेय सहित अन्य कवियों ने भी अपनी रचनाएं पेश की। कार्यक्रम में आयोजक विनय तिवारी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि लालाराम निषाद, चेयरमैन रजा मोहम्मद उर्फ श्रीनाथ, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक, बसपा नेता निर्दोष दीक्षित, राजकुमार शुक्ला, मनीष शुक्ला, अवधेश पालीवाल आदि मौजूद रहे।

बुंदेलखंड महोत्सव में आयोजित हुआ कवि सम्मेलन। अमृत विचार

झांसी से प्रयागराज ट्रेन की मांग उठाई

हमीरपुर। अधिवक्ताओं ने झांसी से प्रयागराज व सिंगरौली से अजमेर के लिए हमीरपुर जनपद से होकर गुजरने वाली नई ट्रेनों के संचालन करने की मांग को लेकर गुरुवार को मुख्यमंत्री सहित रेल मंत्री से संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त एसडीएम को सौंपा है।

अधिवक्ता उदय नारायण व कपिल देव सिंह ने दिए ज्ञापन में कहा कि जनहित, शिक्षा, धार्मिक, पर्यटन व वाणिज्यिक के लिए झांसी से प्रयागराज बाया महोबा, बांदा, हमीरपुर, कानपुर प्रयागराज तक इंटर सिटी व सिंगरौली (मप्र) से रीवा, सतना, चित्रकूट, बांदा हमीरपुर, कानपुर टूंडला, आगरा, मथुरा, जयपुर, जोधपुर होते हुए अजमेर तक नई एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन जरूरी है। इससे क्षेत्र में विकास को बढ़ावा मिलेगा व रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने नई ट्रेनों के संचालन के लिए अधिकारियों को आदेशित करने की मांग की है।

एकता यात्रा में बुलडोजर से पुष्प वर्षा

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भाजपा ने एकता यात्रा (रन ऑफ यूनिटी) का छह किमी की पदयात्रा की गई। इसके बाद पशु बाजार में विशाल जनसभा हुई।

मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद ने कहा कि आजादी के बाद देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश की एकता के लिए दृढ़ता के साथ फैसला लिया और सभी रियासतों को शामिल किया। उनके इस कदम पर वह लौह पुरुष के नाम से प्रसिद्ध हो गए। प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश कोरी ने कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके निवर्तमान सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, सदर विधायक डॉ.मनोज कुमार प्रजापति, जिलाध्यक्ष सुनील पाठक, विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सेंगर, बालमुकुंद शुक्ला, पूर्व विधायक युवराज सिंह, बृजकिशोर गुप्ता, सरस्वती शरण द्विवेदी आदि ने विचार रखे। मीडिया प्रभारी अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि रन फॉर यूनिटी की पदयात्रा पंधरी गांव शुरू हुई। यात्रा रेलवे क्रॉसिंग से कमलेश तिराहा से मैथिलीशरण शरण मार्ग से थाने के सामने से नेशनल हाईवे से पशु बाजार में पहुंच कर विशाल जनसभा में परिवर्तित हो गई। इस मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा के मुनीर खान, चेयरमैन कुलदीप निषाद, धीरेंद्र शिवहरे एवं आशारानी कबीर, जिला पंचायत सदस्य दुष्यंत सिंह, रामदास सुदर्शन, ब्लाक प्रमुख जयनारायण सिंह यादव एवं आशीष पालीवाल, चंद्रपाल सचान, रणवीर सिंह, जितेंद्र पाल, योगेंद्र दीक्षित, अरिमर्दन सिंह, व्यापार मंडल के अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू, पुष्पराज सोनी, किशन व्यास, लालाराम निषाद, महेंद्र सिंह, संतराम गुप्ता, राजकुमार शुक्ला, भार्गव मिश्रा, इंद्र प्रकाश वाजपेई, मोहन कुशवाहा, अंकित गुप्ता, आशीष गुप्ता, आकाश त्रिपाठी, अमित सिंह, मोहित साहू आदि रहे।

एकता यात्रा में बुलडोजर से पुष्प वर्षा करते भाजपाई। अमृत विचार

बच्चों के विवाद में युवकों ने देवर-भाभी को पीटा

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के पठनऊ मोहल्ले में बच्चों को लेकर मामूली विवाद में आधा दर्जन लोगों ने पड़ोसी महिला और उसके देवर के साथ गालीगलौज कर जमकर पीटा। महिला ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पठनऊ इलाके की निवासी महिला शमा पत्नी कलीम ने आज गुरुवार को राठ कोतवाली में लिखित तहरीर देकर बताया कि बच्चों को लेकर हुए मामूली विवाद के चलते उसके पड़ोस में रहने वाले आधा दर्जन लोगों ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। बताया कि जब अपने गाली गलौज करने का विरोध किया तो उक्त सभी दबंगों ने उसके साथ मारपीट भी शुरू कर दी। बताया कि उसके साथ मारपीट होती देखकर जब उसका देवर हसीन उसे बचाने के लिए दौड़ा तो उक्त दबंगों ने उसके देवर हसीन के साथ भी जमकर मारपीट कर दी तथा और उसके परिजनों को जान से मारने की धमकी दे डाली। उसने कोतवाली में तहरीर देकर दी है। राठ कोतवाली इंस्पेक्टर ने बताया कि प्रकरण की जांच कराई जाएगी।

पुरानी रंजिश में युवक को पकड़ मारा-पीटा

- **बिवांर।** छानी खुर्द के सुनील अनुरागी ने थाने में तहरीर देकर बताया कि वह ईंट भट्ठा में मजदूरी करता है। गुरुवार सुबह गांव आया तो रंजिश के चलते पड़ोसी श्रीराम व शिवराम ने उसे घर जाने से पहले ही पकड़ लिया और उसके साथ अभद्रता करने लगे। विरोध पर मारपीट की। पड़ोसियों ने बीचबचाव किया। पुलिस श्रीराम को थाने ले गई।

अन्नू पहलवान ने जय सिंह को हराया

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। ग्राम पंचायत बिरखेरा के ब्रह्मदेव मेला में आयोजित विशाल दंगल में नामी गिरामी पहलवानों के मध्य रोमांचक कुश्तियां हुई। इस मौके पर सपा संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव की मूर्ति का अनावरण किया गया।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बिरखेरा प्रधान अशोक कुमार यादव ने ब्रह्मदेव बाबा मेले में विशाल दंगल का आयोजन कराया। इस मौके पर सपा संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव की मूर्ति का अनावरण सपा नेता पूर्व कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह ममना एवं लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव संजय सिंह यादव ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर आयोजित विशाल दंगल में श्याम बांदा ने जयसिंह जालौन को हराया। महिला पहलवान अन्नू कानपुर ने जय सिंह जालौन को जोरदार पटकनी दी। कुलदीप टेढ़ा ने लालमन फतेहपुर को हराया। आशीष मुंडेरा, मोहित तिल सरस, कल्लू इंगोहटा, कुलदीप टेढ़ा, श्याम बांदा, अतर सिंह हमीरपुर, विनय धौहल, राधेश्याम मिरगहनी, अन्नू कानपुर, नैना लखनऊ, कल्लू इंगोहटा, लालमन फतेहपुर के मध्य हुई कुश्तियां बराबरी पर छूट गई। रेफरी की भूमिका राम किशुन नन्ना सुमेरपुर, सूरजपाल सिंह तिल सरस ने निभाई। संचालन सुरेश यादव दपसौरा एवं वीरेंद्र पहलवान टेढ़ा ने किया। इस मौके पर दंगल के आयोजक अशोक कुमार यादव, सपा नेता अजय उर्फ कल्लू यादव, बदलू फौजी, रमाशंकर यादव, अजय पाल साहू, व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू, अनुज गुप्ता, राजेश सविता, रामदत्त यादव, सिद्ध गोपाल यादव, अरुण सिंह यादव, वेद प्रकाश वर्मा, नोखे लाल यादव, रामेश्वर निषाद, जयराम यादव आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

बिरखेरा के ब्रह्मदेव बाबा मेले में हुआ दंगल का आयोजन। अमृत विचार

मौदहा कस्बे की तीन मजारों में उर्स की धूम

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के अलग अलग मोहल्लों में तीन मजारों पर सालाना उर्स मनाया गया। जिसमें गुरुवार को तीनों जगह भारी लंगर का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने लंगर खाया।

कस्बे के बीचों बीच स्थित हजरत मोदी शहीद बाबा का सालाना उर्स बड़ी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें बुधवार को चादरपोशी और गुरुवार को लंगर का आयोजन किया गया। जबकि गुरुवार की रात शानदार नातिया मुशायरा का आयोजन किया जाएगा। वहीं कस्बे के मोहल्ला हैदरिया रहमानिया कॉलेज के पीछे स्थित दरगाह में भी उर्स के मौके पर गुरुवार को लंगर का आयोजन किया गया।

वहीं मोहल्ला फत्तू बाबा में हजरत फत्तू बाबा का शानदार सालाना उर्स मनाया गया। जिसमें गुरुवार को लंगर का आयोजन किया गया। बताते चलें कि शुक्रवार को सभी जगह कुल की फातिहा के साथ उर्स संपन्न होंगे।

- हजरत मोदी शहीद बाबा के उर्स में चादरपोशी के साथ लंगर
- शुक्रवार को सभी जगह कुल की फातिहा के साथ उर्स संपन्न होंगे

हजरत मोदी शहीद बाबा की मजार।

आह्वान सुमन भारती सरस्वती बालिका स्कूल में नारी जागरूकता सप्त शक्ति कार्यक्रम

परिवारों के दायित्व निभाने से ही समाज में परिवर्तन संभव

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के चरखारी रोड़ स्थित सुमन भारती शांति निकेतन सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज में नारी जागरूकता को लेकर सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के अभिभावको और महिलाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। जिसमें स्कूल की छात्राओं ने एकल परिवार और संयुक्त परिवार पर आधारित नाटक के माध्यम से संस्कार युक्त शिक्षा पर जोर देते हुए मनमोहक प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रवेश तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहां सभी देवी-देवताओं का वास होता है। ऐसे परिवारों में सदैव शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। प्रबंधक अपर्णा गुप्ता ने कहा कि समाज में परिवर्तन तभी संभव है, जब प्रत्येक परिवार अपने दायित्व को समझकर कार्य करें।

पूर्व अध्यक्ष किरन विश्वकर्मा ने महिलाओं की भूमिका तथा पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया। कार्यक्रम में मातृत्व शक्ति का अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष मंजू परिहार ने युवाओं को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया। कोषाध्यक्ष प्रीति सोनी ने लड़कियों में निर्भीकता साहस और शक्ति से समाज की बुराइयों का सामना करने पर जोर दिया। 'सप्त शक्ति संगम' कार्यक्रम ने शिक्षा, संस्कार, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण जागरूकता और युवा नेतृत्व जैसी सात प्रमुख धाराओं को एक मंच पर जोड़ते हुए नई सामाजिक दिशा का संदेश दिया गया। इस मौके पर शुभी, रिचा गुप्ता, सुमन यादव, शिव कुमारी, अध्यक्ष कृष्णा माहेश्वरी, उपप्रबंधक ममता गुप्ता, सदस्य स्वर्णलता सांवला, रूपाली पुरवार, पूनम गुप्ता, डॉ.वंदना मिश्रा, पदमा अग्रवाल, रश्मि गुप्ता, मधु माहेश्वरी सहित मातृ भारती की सभी सदस्या बहनें उपस्थित रही। कार्यक्रम संयोजिका प्रीति सोनी ने सभी सम्मानित पदाधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सप्त शक्ति कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं। अमृत विचार

संबोधित करतीं प्रधानाचार्या प्रवेश तिवारी।

सरीला ब्लाक ने जीती चैंपियनशिप

संवाददाता, सरीला (हमीरपुर)

अमृत विचार। बेसिक शिक्षा विभाग की 39वीं जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता एवं शैक्षिक समारोह में सरीला, गोहांड, सुमेरपुर, मुस्करा, राठ, मौदहा व कुरारा विकासखंडों के बच्चों ने प्रतिभाग किया।

पहले दिन शुरुआत ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि जीतू राजपूत, एसडीएम बलराम गुप्ता व बीएसए आलोक सिंह ने की थी। पहले दिन दौड़ प्रतियोगिताएं हुई। दूसरे दिन जूनियर स्तर कबड्डी, 600 मीटर दौड़, प्राथमिक स्तर 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़ लम्बी कूद बालिका प्रतियोगिताएं हुई। प्राथमिक स्तर बालक में करौंदी (गोहाण्ड) के छात्र इंद्रेश, बालिका में प्राथमिक विद्यालय खेड़ाशिलाजीत की जानवी, उच्च प्राथमिक स्तर बालिका में यूपीएस बौखर (सरीला) की रिया, बालक में यूपीएस कैमोखरके छात्र ओम नारायण को चैंपियनशिप दी गई। सरीला ब्लाक ने प्रथम व मुस्करा ब्लाक ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर चैम्पियनशिप पर कब्जा किया। समापन पर तहसीलदार राममोहन कुशवाहा व नगर पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार अनुरागी ने बच्चों को मेडल पहनाकर व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। यहां बीईओ अजीत निगम, आशीष चौहान, शिक्षक संघ अध्यक्ष राम औतार प्रजापति, अमित आर्या, पीटीआई रावेंद्र सिंह गौड़, व्यायाम शिक्षक कालका प्रसाद, सतेंद्र कुमार, हरीप्रकाश, उमेश कुमार, रामरतन, गुलजारी लाल, नसीम अहमद, पवन कुमार पाल, तेजप्रताप, रमेशचंद्र, हरिराम रहे।

दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार 21 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

करंट से भैंस की मौत ग्रामीणों में गुस्सा

कुलपहाड़ (महोबा)। कोतवाली क्षेत्र के टिकरिया पनवाड़ी निवासी अरविंद यादव की भैंस खेत की तरफ जा रही थी, तभी खंभे के सपोर्ट वायर से भैंस क करंट लग गया और और देखते ही देखते मौत हो गई। गांव के बृजलाल, भारत, सुक्कन, रज्जू, सुजान, नेपाल सिंह ने बिजली विभाग की लापरवाही बताते हुए भैंस का पोस्टमार्टम कराने के लिए जैतपुर पशु चिकित्साधिकारी को बुलाया। हादसे की सूचना पर हल्का लेखपाल भी पहुंचे। गांव वालों ने पीड़ित परिवार को भैंस का मुआवजा दिलाने की मांग की है।

सीओ ने पीआरवी का किया औचक निरीक्षण

महोबा। कुलपहाड़ सीओ रविकांत गोंड ने पुलिस टीम के साथ देर रात डायल-112 पीआरवी का औचक निरीक्षण किया। सीओ ने पीआरवी कर्मियों को निर्देश दिए कि सूचना पर तत्काल रिस्पांस सुनिश्चित करें और रात्रि में विशेष सतर्कता बरतें। उन्होंने कहा कि डायल-112 सेवा आमजन के लिए भरोसे का प्रतीक है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण में महोबकंठ थाना प्रभारी विनोद कुमार, अजनर थाना प्रभारी सत्यपाल सिंह भी साथ में मौजूद रहे।

मेला देखने के बहाने प्रेमी संग गई युवती

राठ (हमीरपुर)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में मेला देखने के बहाने घर से निकली 22 वर्षीय युवती अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। युवती के पिता ने कोतवाली में युवक व उसके दोस्त पर बहला फुसला कर पुत्री को भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि बीते 2 नवंबर वह पत्नी के साथ खेतों में गया था। घर में उसकी दो पुत्रियां थी। बताया कि उसकी 22 वर्षीय बड़ी पुत्री मेला देखने के लिये घर से निकाली और फिर वापस घर नहीं लौटी। बताया कि उसने अपनी पुत्री को सभी संभावित स्थानों पर खोजने का प्रयास किया लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। बताया कि गांव निवासी युवक से उसकी पुत्री का प्रेम प्रसंग चल रहा था। उसने पुत्री के साथ अप्रिय घटना की भी आशंका जताई है। मामले में कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है तथा आवश्यक कार्रवाई कराई जा रही है।

तमंचा के साथ पकड़ा गया वांछित अभियुक्त

महोबा। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह के निर्देशन में जिले में अवैध शस्त्र व कारतूस की बिक्री एवं परिवहन की रोकथाम तथा ऐसे अपराधों में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत महोबकंठ थाना पुलिस टीम ने एक वांछित अभियुक्त को अवैध तमंचा व कारतूस सहित गिरफ्तार कर कार्रवाई की। प्रभारी निरीक्षक थाना महोबकंठ विनोद कुमार की गठित टीम के उपनिरीक्षक अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में कास्टेबल मनोज कुमार व नितिन कुमार ने धारा 288/352/351(3) बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त राममिलन राजपूत (30) पुत्र स्व0 करन सिंह राजपूत निवासी दादरी को भूरा टूड़र मोड़ पर बने यात्री प्रतिक्षालय मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया है। तलाशी लेने पर उसके पास से एक 12 बोर देशी तमंचा व एक जिन्दा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर अभियुक्त पर वैधानिक कार्रवाही करते हुए न्यायालय में पेशी के लिए भेज दिया है।

पर्यटकों को जानकारी देकर साझा किए जाएंगे अनुभव

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- पर्यटन विभाग ने प्रशिक्षित गाइड की आवश्यकता पर दिया जोर

अमृत विचार। जिले में पर्यटन की असीम सम्भावनाओं को देखते हुए समेकित पर्यटन विकास की कार्ययोजना तैयार हुई है, ताकि महोबा आने वाले पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन विभाग गाइड प्रशिक्षण का आयोजन कर रहा है। पर्यटकों को नई जानकारी देने के साथ पर्यटक स्थलों से रूबरू कराया जाएगा।

जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को इतिहास, संस्कृति एवं स्थानीय महत्व की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षित गाइडो की आवश्यकता होती है, जिससे पर्यटकों को पर्यटन स्थलों की बारीकी से जानकारी मिल सके। स्वदेश दर्शन योजना के तहत पर्यटक गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहे हैं। इसके अलावा प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय गाइड एवं टूरेस्ट एसकाटर्स के लिए रिफ्रेशर कोर्स नेचर और ईको टूरिज्म गाइड प्रशिक्षण पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा कर्मियों के लिए टूरिज्म सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम, होम स्टे आनर्स के लिए उद्यमिता विकाश प्रशिक्षिण कार्यक्रम किया जाएगा।

जिला पर्यटन अधिकारी चित्रगुप्त खरे ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य जिले में पर्यटन सेवाओं को सुदृढ करना और आगन्तुकों को सुरक्षित समृद्ध व ज्ञानवर्धक अनुभव उपलब्ध कराना है। इच्छुक प्रतिभागी व संस्थाएं भाग लेने के लिए पर्यटन कार्यालय में संपर्क कर जानकारी ले सकते हैं।

इंगोहटा मेहर मंदिर में मेहर प्रेम मेला संपन्न

सुमेरपुर (हमीरपुर)। इंगोहटा के पालीवाल इंटर कॉलेज के मेहर मंदिर में गुरुवार को मेहर प्रेम मेला का आयोजन श्रद्धा और आस्था के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर कीर्तन, भजन कर मेहर बाबा की महिमा का गुणगान किया गया।

वक्ताओं ने प्रेम, एकता और मेहर बाबा के आध्यात्मिक संदेश पर प्रकाश डाला। गाजियाबाद के प्रकाश, मौदहा के किशोरीलाल, रमेश, बलराम, झांसी के बाबूलाल, ऊषा, रामस्वरूप साहू, श्यामलाल, एनादीन, मुन्नीलाल आदि ने मेहर प्रेम का महत्व बताया। भजन गायक भगवानदीन और उस्ताद भीखम ने कीर्तन-भजन पेश किए।कार्यक्रम में रामसहोदर विश्वकर्मा, अशोक कुमार निगम, अरविन्द कुमार पालीवाल, रामभजन विश्वकर्मा, राजीव कुमार निगम, सोमकुमार निगम, स्वयं प्रकाश निगम समेत सैकड़ों मेहर भक्त शामिल रहे।

सिंधी समाज ने निकाली अस्थि कलश यात्रा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- यात्रा के दौरान संत साईं चांडूराम की शिक्षाओं और आदर्शों को अपनाने का दिया गया संदेश
- यात्रा मार्ग पर झाड़ लगाने के साथ ही गंगा जल का छिड़काव, भक्तों ने पालकी पर पुष्प वर्षा की

अमृत विचार। संत आशुदाराम के पुत्र संत साईं चांडूराम का पिछले माह 15 अक्तूबर को 78 वर्ष में निधन हो गया था। इसके बाद देशभर में उनके अनुयायी दर्शन के लिए अस्थि कलश यात्रा निकाल रहे हैं। इसी क्रम में जिले के सिंधी समाज के लोगों ने बुधवार की रात शहर में संत की अस्थि कलश यात्रा निकाली। यात्रा में फूलों से सजी पालकी में संत शिरोमणि की तस्वीर के साथ अस्थि कलश को रखा गया और समाज के लोगों ने पालकी पर फूलों की बारिश की। यात्रा के दौरान भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ मौजूद रही, जिन्होंने संत की शिक्षाओं और आदर्शों को जन-मानस में जीवित रखने का संदेश देती हुई आगे बढ़ी।

यात्रा के दौरान श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन का अद्भुत समन्वय देखने को मिला, जो संत चांडूराम जी के प्रति समाज की गहरी आस्था और सम्मान को दर्शाता है। यात्रा की शुरुआत विधिवत पूजा अर्चना के साथ हुई, जिसके बाद संत के अस्थि कलश को शोभायात्रा के रूप में नगर भ्रमण कराया गया, नगर के प्रमुख चौराहो से होते हुए गुजरी। इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। उन्होंने अस्थि कलश के आगे झाड़ू लागकर गंगाजल से डालकर मार्ग को पवित्र किया और पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धालुओं ने बताया कि यह प्रक्रिया संत के प्रति सम्मान और उनकी शिक्षाओं के प्रति समर्पण को दर्शाती है।

अस्थि कलश यात्रा में ध्वज के साथ शामिल महिलाएं। अमृत विचार

श्रद्धालुओं ने बताया कि संत के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों और मंदिरों पर अस्थि कलश ले जाकर दर्शन किए जाएंगे। जिले में आयोजित यह अस्थि कलश यात्रा संत की शिक्षाओं और आदर्शों को जन मानस में जीवित रखने का संदेश देती हुई आगे बढ़ी। बताया कि संत साईं चांडूराम जी ने वेदांत, गुरुवाणी, श्रीमद्भगवद गीता और रामचरितमानस जैसे अनेक ग्रंथों का गहन अध्ययन कर सनातन संस्कृति की परंपराओं के पुनर्जीवन का संकल्प लिया था। उन्होंने अपने अनुयायियों को सत्य, सदाचार, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा का मार्ग अपनाने की प्रेरणा दी।

चरखारी मेला की एक शाम राजा जय सिंह के लोक गीतों के नाम

मेला मंच पर बुंदेलखंडी लोक गायक ने अपने अंदाज में मचाया धमाल

संवाददाता, चरखारी (महोबा)

- कार्यक्रम में आसपास के गांवों से खिंची चली आई भीड़
- चुटीले लोकगीतों पर गूंजती रहीं तालियां, झूमते रहे लोग

अमृत विचार। कह रई हों राजा खुले आम में' अबकी तैंने मारो भर देहों नीले ड्रम में जैसी हास्य लोकगीतों के अलावा सांस्कृतिक धार्मिक लोकगीतों के माध्यम से राजा जय सिंह व उनकी टीम ने लोगों का जमकर मनोरंजन कराया। मेला मंच पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिष्ठित लोकगीत गायक राजा जयसिंह को सुनने के लिए कस्बा व आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे और मेला प्रांगण ठसाठस भरा नजर आया।

चरखारी मेला मंच बुधवार की शाम राजा जयसिंह के लोकगीतों के नाम रहा और जब मंच पर राजा जयसिंह हों तो भीड़ का उमड़ना लाजमी है और इस बार भी मेला मंच प्रांगण लोकगीत प्रेमियों से खचाखच भरा दिखा। कार्यक्रम का शुभारम्भ एमएलसी जितेन्द्र सिंह सेंगर ने द्वीप प्रज्ज्वलित एवं मां सरस्वती का माल्याप्रण करते हुए किया। जिसके बाद राजा सिंह ने सरस्वती वन्दना' भजन आदि प्रस्तुत किए। गीत सर्वप्रथम कन्हैया जू इनके दरबार में इक बात निराली देखी भजन सुनाकर श्रोताओं को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। धार्मिक कीर्तन के दौर के बाद राजा जय सिंह अपने चिरपरिचित अंदाज में दिखाई दिए और एक से बढ़कर एक रोचक लोकगीत सुनाते हुए श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रमेश यादव' नीरज गुप्ता' युवराज सिंह सेंगर' योगेश मिश्रा' दीपक गुरूदेव' करन राजपूत' नगर पालिका अध्यक्ष मंजू कुशवाहा' प्रतिनिधि रामपाल कुशवाहा' सभासद सुरेन्द्र प्रताप सिंह परमार' राम महाराज' पीयूष खरे' शीलू तिवारी' नगर पालिका के वरिष्ठ लिपिक अय्यूब खां सहित हजारों की संख्या में लोकगीत प्रेमी मौजूद रहे।

चरखारी मेला मंच पर कार्यक्रम पेश करते राजा जयसिंह। अमृत विचार

जलकुंभी से पटे चंदेलकालीन सरोवर

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। शहर के चंदेल कालीन सरोवर इस साल हुई झमाझम बारिश के लिए पानी से लबालब हो गए हैं, जिससे सरोवरों से होने वाली पेयजल आपूर्ति भी प्रतिदिन हो रही है, वहीं पशुओं को पीने के लिए चारो तरफ तालाब पानी से भरे दिखाई दे रहे हैं, लेकिन जलकुंभी ने चंदेली सरोवरों में कब्जा जमा लिया, जिसके चलते सरोवरों का पानी प्रदूषित होने के साथ साथ जलकुंभी तेज से पानी को सोख रही है, जिससे गर्मी तक तालाबों में पानी घटने के आसार बनते जा रहे हैं।

चंदेल राजाओं ने शहर में मदन सागर, कीरत सागर, कल्याण सागर और विजय सागर सरोवर का निर्माण कराया था, जिससे शहरियों को भरपूर पानी मिलने के साथ साथ घाटों में नहाने धाने की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई थी, लेकिन इस साल सरोवरों के पानी से लबालब हो जाने के साथ जलकुंभी ने तेजी से पांव पसार लिए हैं। बढ़ती जलकुंभी के चलते तालाब जलकुंभी से पटे पड़े हैं, जिससे के चलते तालाबों का पानी भी तेजी से प्रदूषित हो रहा है। इसी प्रदूषित पानी की जल निगम और जल संस्थान पानी की आपूर्ति कर रही है। सिंचाई विभाग ने सरोवरों से जलकुंभी न हटवाए जाने से जहां एक तरफ तालाबों में जल भंडारण की क्षमता घट रही है, वहीं दूसरी तरफ तालाबों में स्वच्छ पानी की भी कमी हो गई है। जलकुंभी धीरे धीरे पानी को गंदा कर रही है, प्रदूषित पानी की आपूर्ति होने से लोगों में आक्रोश पनप रहा है। मदन सागर, कीरत सागर, कल्याण सागर विजय सागर, बेला सागर सहित कई सरोवर जलकुंभी से पटे हैं। जिला प्रशासन सुधि नहीं ले रहा है।

जलकुंभी से पूरी तरह पट गया कल्याण सागर। अमृत विचार

पहाड़ों के नीचे सड़क बनने से नहीं भरता तालाब

- चंदेल शासक मदन वर्मन ने सन 1182 में मदन सागर सरोवर का निर्माण पहाड़ों के बीचो बीच कराया गया था, जिससे तीन तरफ बने पहाड़ों से बारिश के आने वाले पानी से सरोवर भर सकेगा। इतना ही नहीं मदन सागर सरोवर से कीरत सागर, कल्याण सागर और विजय सागर सरोवरों को भरने का नहर के जरिए सिस्टम भी बनाया था। बारिश में पहाड़ों से इतना पानी आता था कि मदन सागर लबालब होने के बाद नहरों से पानी छोडकर अन्य तालाब भी भर दिए जाते थे, लेकिन अब पहाड़ों के नीचे पक्की सड़के और मकान बना दिए जाने से पहाड़ों का पानी सरोवर में नहीं पहुंच पाता है।

चादर जुलूस संग कव्वाली की धूम

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। मनिकयापुरा में मदन सागर सरोवर के किनारे हजरत निजामुद्दीन औलिया की मजार पर तीन दिवसीय सालाना उर्स का बुधवार की रात संदल के साथ आगाज हुआ। पहले दिन चादर जुलूस निकाला गया। मजार पर फातिहा के बाद खुशहाली के लिए दुआएं मांगी गईं और फिर सलाम पेश किया गया। कव्वाली की महफिल में भीड़ जुटी, जिन्होंने तबर्रूक का स्वाद भी लिया।

उर्स के मौके पर मजार परिसर से चादर जुलूस निकाला गया, जो हवेली दरवाजा, भटीपरा आदि से होते हुए वापस मजार पर आकर संपन्न हुआ। चादर जुलूस में डीजे में बज रहे नातियां कलाम के बीच अकीदतमंद चादर को चूमते हुए आगे बढ़ रहे थे और तकबीर अल्लाहों अकबर की सदाएं बुलंद करते हुए चल रहे थे। इस दौरान अतिशबाजी से आसमान रंग बिरंगी रोशनी से सराबोर नजर आया। मजार-ए-अकदस पर अकीदतमंदों ने चादर चढ़ाने के साथ गुलाब जल और इत्र लगाया।

उर्स के मौके पर कव्वाली का आयोजन किया गया, जिसमें मौदहा से आए एहसान कव्वाल की टीम ने सूफियाना कवालियां पेश की, जिन्हें सुनकर लोग एक अलग ही दुनिया में गुम हो गए। कव्वाली सुन लोग झूम गए और कव्वाल से मुसाफा करते हुए उन्हें नजराना भी पेश किया। कव्वाली का नौजवानों के साथ साथ बुजुर्गों ने देर रात तक लुत्फ उठाया। कव्वाली सुनने के लिए पुरुषों के अलावा महिलाओं की भीड़ मौजूद रही। मौसम सर्द होने पर अलाव भी जलाए गए। गुरूवार की सुबह नमाज-ए-फजिर के बाद मजार पर कुरान ख्वानी हुई, जहां पर लोगों ने कुरानपाक की तिलावत की और बाद में फातिहा और तबर्रूख बांटा गया।

उर्स पर निकले चादर जलूस में शामिल अकीदतमंद। अमृत विचार

लंबित विवेचनाओं पर एसपी ने जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने गुरुवार को पुलिस लाइन सभागार में मासिक सैनिक सम्मेलन एवं अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में बीट प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए दिशा-निर्देश देते हुए पुलिस अधिकारियों को बीट बुक में आवश्यक विवरणों का पूर्ण अंकन करने के निर्देश दिए। लंबित विवेचनाओं को लेकर नाराजगी जताई। अपराधियों का खाका तैयार कर सत्यापन करने के निर्देश दिए। बैठक दौरान सीसीटीएनएस में लगातार पांचवीं बार प्रथम रैंक प्राप्त करने पर नोडल अधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह को पुलिस अधीक्षक ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अपराध समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक ने लम्बित विवेचनाओं पर नाराजगी जताते हुए सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि लम्बित विवेचनाओं के अभियान चलाकर शीघ्र निस्तारण किया जाए। वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी, महिला अपराधों पर नियंत्रण, अपहृत व्यक्तियों की बरामदगी और पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। शातिर अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोलने और उनकी निरंतर निगरानी रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जुआ, एनडीपीएस, आबकारी, शस्त्र, गैंगेस्टर और गुण्डा एक्ट के तहत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। किसी भी घटना पर पंजीकृत मुकदमे की प्राथमिक जांच 24 घंटे के भीतर पूरी कर पीड़ित पक्ष से संवाद स्थापित करने के भी निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक ने शीत ऋतु को ध्यान में रखते हुए चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील एवं अवांछनीय तत्वों की सूची को अद्यावधिक रखते हुए उन पर सतत निगरानी रखी जाए तथा सर्राफा बाजार, मुख्य बाजार एवं भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाए। एसपी ने हाल ही में राजधानी दिल्ली में घटित घटना को देखते हुए जिले के सभी आयुध भंडारों की सघन चेकिंग कर स्टॉक, बिक्री एवं अभिलेखों की परीक्षण प्रक्रिया को को कड़ाई से लागू करने के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसपी ने यातायात माह नवंबर गरुकता व प्रवर्तन पर विशेष जोर दिए जाने की बात कही। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह, सीओ चरखारी दीपक दुबे, कुलपहाड़ सीओ रविकांत गोंड, आरआई शिवकुमार सहित सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

गुरुवार को समीक्षा बैठक में निर्देश देते एसपी प्रबल प्रताप सिंह। अमृत विचार

प्रतियोगिता | वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह

100 मीटर दौड़ में अजय और रिया अव्वल

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह के प्रथम दिन बालक व बालिका वर्ग की दौड़, ब्रांड जम्प की स्पर्धाएं हुईं। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपने खेल का बेहतर प्रदर्शन किया। 47वें वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में होने वाले खेल महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रदीप कुमार की देखरेख में कराई जा रही हैं।

वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता में छात्र वर्ग की हुई 100 मीटर दौड़ में अजय कुमार ने पहला, मयंक पाठक ने दूसरा तथा नरेंद्र ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं छात्रा वर्ग की 100 मीटर दौड में रिया ने प्रथम, छाया ने द्वितीय तथा वर्षा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग की शाटपुट थ्रो प्रतियोगिता में दिलीप राठौर अव्वल रहे, जबकि विकास कुमार व नरेंद्र कुमार ने क्रमशः दूसरा तथा तीसरा स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग की शॉट पुट थ्रो में प्रीति प्रथम, रिया द्वितीय तथा छाया और शिखा यादव ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग की स्टैंडिंग ब्रॉड जंप प्रतियोगिता में नरेंद्र कुमार ने पहला, अजय कुमार ने दूसरा तथा दिलीप राठौर ने तृतीय स्थान हासिल किया।

क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका में विशाल सिंह तथा रिंकू सिंह रहे। क्रीड़ा विभाग के एसोसिएट ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए, खेल से शरीर चुस्त रहता है और फूर्ती आती है। खेल से प्रतिभागी को आगे बढ़ने का मौका मिलता है, खेल के जरिए तमाम खिलाड़ियों ने नौकरियां तक हासिल की है। उन्होंने बताया कि 21 नवम्बर को क्रीड़ा समारोह का समापन महाविद्यालय के प्राचार्य एवं क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी लेफ्टि प्रो. सुशील बाबू के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा, जिसमें विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा तथा चौपियनशिप प्रदान की जाएगी। इस मौके पर प्राध्यापक डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. संतोष कुमार पांडे, डॉ. डीके खरे, डॉ. सोवित गुप्ता, डॉ. एसएस राजपूत, डॉ. अनवर आलम, डॉ. राम बिहारी पांडेय ,शैलेश तिवारी, डॉ. केसी वर्मा सहित महाविद्यालय के छात्र छात्राएं मौजूद रहीं।

दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं छात्राएं। अमृत विचार

बैरक में गंदगी मिलने पर एएसपी नाराज

महोबा। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने खरेला थाने के निरीक्षण के दौरान खामियां मिलने पर नाराजगी जताई। शस्त्रागार का निरीक्षण कर असलहों की जांच की। नवनिर्मित आरक्षी आवासों के निरीक्षण में सीपेज पाए जाने पर नाराजगी जताई।

परिसर, मेस और बैरक में गंदगी मिलने पर थानाध्यक्ष सुषमा चौधरी को सफाई कराने के निर्देश दिए। महिला हेल्प डेस्क में मौजूद कांसटेबल हिमांशी को पीड़ित महिलाओं की प्राथमिकता के साथ मदद करने के निर्देश दिए। अपराध रजिस्टर, समाधान दिवस, महिला उत्पीड़न और आगन्तुक रजिस्टर का निरीक्षण किया और शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों व सक्रिय अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ खास सतर्कता बरतें।

भक्तों ने गोरखगिरि की परिक्रमा लगाई

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। मार्गशीर्ष अमावस्या पर गुरुवार की सुबह श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक चेतना के केन्द्र गोरखगिरि की पांच किमी लंबी पैदल परिक्रमा लगाई। पुरुषों के साथ महिलाओं ने भी परिक्रमा लगाकर पुण्य कमाया। श्रद्धालु हाथों में ध्वज लेकर जय श्रीराम, जय गोखरनाथ के जायकारे लगाते हुए चल रहे थे। परिक्रमा के बाद गोष्ठी में जिला प्रशासन से पर्वत के दुर्लभ औषधीय पेड़-पौधों को अवैध कटान से बचाने की मांग की गई।

शिवमंदिर से शुरू हुई परिक्रमा महावीरन, बाल हनुमान, केदारेश्वर महादेव, सकरे सन्या, छोटी चंडिका, काली माता, शनिदेव, नागौरिया व काल भैरव मंदिर होते हुए वापस शिव मंदिर आकर समाप्त हुई। गोष्ठी में बुंदेली समाज के संयोजक तारा पाटकर बुंदेलखंडी ने कहा कि ठंड बढ़ने के साथ गोरखगिरि के पेड़-पौधों की अवैध कटान बढ़ गई है। दो साल पहले लखनऊ के राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान से वैज्ञानिकों की एक टीम इन पेड़-पौधों की पहचान करने आई थी। पहले यहां 114 प्रकार की दुर्लभ जड़ी बूटियों की पहचान हुई थी, जिनकी कटान से अस्तित्व संकट में है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष चित्रकूट क्षेत्र से कुछ व्यापारी यहां आए और बड़े पैमाने पर डायबिटीज की दवा गुणमार के पौधे जड़ से ले गए। रतनजोत, अश्वगंधा व मूसली वगैरा पहले ही गायब हो चुके हैं। गोरखगिरि गुरु गोरखनाथ की तपोभूमि है, जो सीएम योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल है। परिक्रमा में दिलीप जैन, डा. देवेन्द्र, नीरज पुरवार, अशोक बाजपेई, मनीष जैदका, गया प्रसाद, महेन्द्र, प्रेम, प्रवीण चौरसिया, सिद्धे सेन, महेन्द्र सोनी, अवधेश गुप्ता, धन्नू, चंद्रभान, नरेन्द्र, रमा व उमा चौरसिया आदि मौजूद रहे।

गोरखगिरि की परिक्रमा लगाते श्रद्धालु। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

राजकिशोर बने आरटीआई एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष

चित्रकूट। सेवा भारती के जिला महामंत्री राजकिशोर शिवहरे को अटैक आन करप्शन आरटीआई एसोसिएशन का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उनको राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा ने यह जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने आशा जताई कि राजकिशोर संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए समाज व देश हित में आवाज उठाते रहेंगे।

300 किलोग्राम लहन नष्ट किया, शराब बरामद

चित्रकूट। विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग ने कर्वी क्षेत्रांतर्गत ग्राम टिकुरा में दबिश देकर लगभग 300 किलोग्राम लहन मौके पर नष्ट किया। 30 लीटर अवैध शराब जब्त कर दो पर अभियोग पंजीकृत किए हैं।

संप्रेक्षण गृह में लगी योग की कार्यशाला

चित्रकूट। अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस पर राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोरमें विशेष योग एवं प्राणायाम कार्यशाला तथा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। योगाचार्य संजय कुमार ने किशोरों को योग, प्राणायाम, नियमित दिनचर्या, कर्तव्यपालन एवं अनुशासन के महत्व की जानकारी दी। बताया कि योग मन और शरीर को संतुलित रखकर सकारात्मक जीवन दृष्टि प्रदान करता है।। सहायक अधीक्षक वीर सिंह ने बताया कि अधिकारों की जानकारी और जिम्मेदारियों का पालन जीवन में आगे बढ़ने की सबसे महत्वपूर्ण नींव है। इस दौरान देवेंद्र कुमार, देवीदयाल, शिवम, अक्षय कुमार आदि मौजूद रहे।

दबंगों की पिटाई से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

चित्रकूट। शराब के लिए पानी लाने से मना करने पर मारपीट से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। कोतवाली अंतर्गत खोह निवासी अनुसूचित जाति के केवल राम उर्फ कल्लू को गांव के कुछ लोगों ने मारापीटा था। इस संबंध में उसकी पत्नी बिट्टी देवी ने बताया कि 20 अक्टूबर को गांव के मुकेश पुत्र प्रेमनारायण ने उसके पति से शराब पीने के लिए पानी लाने को कहा था। पति ने मना कर दिया था। आरोप लगाया कि इस पर मुकेश ने रोहित, चालू, विजय उर्फ पहिया ने उसे गालियां देकर मारापीटा था। इससे उसका सिर फट गया था। जिला अस्पताल से उसे प्रयागराज रिफर किया गया था। इलाज के दौरान केवलराम की मौत हो गई।

घरों के ऊपर से हटाये जाएं हाईटेंशन लाइन के तार

जिला प्रभारी मंत्री मनोहरलाल ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये दिशा-निर्देश

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

समीक्षा बैठक में दिशा- निर्देश देते जिला प्रभारी मंत्री मनोहर लाल।

अमृत विचार। जिला प्रभारी मंत्री मनोहर लाल (मन्नू कोरी) ने जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि काम गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से पूरे किए जाएं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि घरों के ऊपर से निकले हाईटेंशन बिजली के तारों को हटाने के लिए कार्ययोजना और इस्टीमेट बनाएं।

मंत्री ने कहा कि कामदगिरि परिक्रमा मार्ग पर आरती स्थल में प्रकाश व्यवस्था करें। उद्यान विभाग को निर्देशित किया कि किसानों के योजनाओं के फार्म ठीक से चेक करें और तब अस्वीकृत करें। अधीक्षण अभियंता विद्युत ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में 18 घंटे एवं शहरी क्षेत्र में 20 घंटे बिजली दी जाती है। मंत्री ने निर्देश दिए कि ट्रांसफार्मर फुंकने पर तत्काल बदले जाएं। मंत्री ने अस्पतालों में सफाई, दुग्ध उत्पादन समितियां बनाने, पर्यटन के कामों में गुणवत्तापूर्ण पत्थर लगाने आदि के निर्देश दिए। विधायक मानिकपुर अविनाश चंद्र द्विवेदी ने सुझाव दिया कि गौशालाओं के निरीक्षण के लिए नोडल अफसरों के साथ ग्रामीणों को भी लगाएं। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने प्रभारी मंत्री को कानून व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। प्रभारी मंत्री ने निर्देशित किया कि कोई काम गलत और फर्जी न होने पाए, इस पर ध्यान दें। जिले की रैंकिंग बेहतर बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने आश्वस्त किया कि दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अमृत पाल कौर, अपर जिलाधिकारी उमेश चंद्र निगम, जिपं अध्यक्ष अशोक जाटव सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

इस समय जिले में डीएपी खत्म

- मंत्री ने जिले में उर्वरक की उपलब्धता की जानकारी ली। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि इस समय जिले में डीएपी खत्म है। यूरिया कल तक सभी सोसाइटियों में पहुंचा दी जाएगी। मंत्री ने निर्देश दिए कि शेड्यूल बनाकर खाद बंटवाएं। किसी किसान को समस्या नहीं आनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि फसल नुकसान का सत्यापन कराकर जल्द से जल्द किसानों को मुआवजा दिया जाए।

जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद चिकित्सक। अमृत विचार

प्रीमेच्योर बच्चों की आंखें जरूर दिखायें

संवाददाता,सीतापुर (चित्रकूट)

अमृत विचार। श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय ने समय से पहले जन्मे शिशुओं की नेत्र ज्योति बचाने के लिए लोगों को जागरूक किया। बताया गया कि कुछ शिशुओं को आंखों की बीमारी हो जाती है जिसे रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी कहते हैं। उपचार में स्थिति की गंभीरता के आधार पर लेजर या अन्य उपचार शामिल हैं और कुछ मामलों में ये असामान्य वाहिकाएं खुद ही ठीक हो जाती हैं। रेटीना विभाग के डॉ. आलोक सेन ने लोगों से अपील की कि समय से पहले अगर कोई शिशु जन्म लेता है तो उसकी आंख जरूर नेत्र विशेषज्ञ को दिखाएं, जिससे समय रहते उसकी नेत्र ज्योति बचाई जा सके। इस मौके पर डॉ. प्रधान्या सेन, डॉ. सचिन शेट्टी, डॉ. अमृता मेरे, डॉ. अदिती अग्रवाल आदि नेत्र चिकित्सक एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

काली घाटी पर पलटा पड़ा सीमेंट से लदा ट्रक। अमृत विचार

काली घाटी पर फिर पलटा एक ट्रक

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- दो दिन पूर्व मक्का से लदा ट्रक पलट गया था

अमृत विचार। कर्वी-मानिकपुर मार्ग पर काली घाटी के पास वाहनों के पलटने का सिलसिला जारी है। बीते दिन सीमेंट से लदा ट्रक पलटने से आवागमन बाधित हुआ। इसके दो दिन पूर्व ही मंदिर के सामने मक्के से लदा ट्रक पलटा था। बताया जाता है कि ट्रक मध्य प्रदेश से सीमेंट लादकर मानिकपुर के रास्ते प्रयागराज की ओर जा रहा था। प्रशासन ने दुर्घटनाओं का संज्ञान लेकर रोड चौड़ीकरण का काम तो शुरू करा दिया पर छह माह बीत गए यह पूरा नहीं हो पाया।

मानिकपुर स्टेशन पर बेटी को दिया जन्म

चित्रकूट। मानिकपुर रेलवे स्टेशन में गुरुवार को एक महिला ने आरपीएफ कर्मियों और यात्रियों की मदद से बच्ची को जन्म दिया।

जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद निवासी कमल वर्मा अपनी गर्भवती पत्नी अनीता देवी (23) के साथ ट्रेन से प्रयागराज छिवकी अपने घर जा रहे थे। सतना से जब ट्रेन चली तो अनीता के पेट में दर्द होने लगा। इस पर मानिकपुर स्टेशन पर ट्रेन रुकने पर उसे उतार लिया गया। वहां मौजूद आरपीएफ और प्लेटफार्म पर मौजूद महिला यात्रियों के सहयोग से उसने एक बच्ची को जन्म दिया। कमल ने बताया कि वे लोग अहमदाबाद से प्रयागराज छिवकी अपने घर जाने के लिए निकले थे। यात्रियों के सहयोग से नॉन स्टॉप ट्रेन मानिकपुर जंक्शन में रुकी और स्टेशन पर पत्नी ने एक बच्ची को जन्म दिया। एंबुलेंस से महिला और बच्ची को मानिकपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है,जहां जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ बताए गए हैं।

कथावाचक बटुक महाराज।

कथा सुनते श्रद्धालु। अमृत विचार

बिना गुरु कृपा भवसागर से पार होना असंभव

संवाददाता, राजापुर चित्रकूट

- तुलसीतीर्थ में श्रीमद् भागवत कथा का हुआ समापन

अमृत विचार। तुलसीतीर्थ में गयागंज मोहल्ले में हो रही श्रीमद् भागवत कथा के समापन अवसर पर वृंदावन के कथावाचक बटुक महाराज ने श्रद्धालुओं को गुरु का महात्म्य बताया। उन्होंने कहा कि बिना गुरु कृपा के मानव का भवसागर से पार होना असंभव है।

कथावाचक ने बताया कि भाव, भक्ति और समर्पण से ही भगवान की प्राप्ति होती है। कथावाचक ने बताया कि जगत में गुरु परंपरा वैदिक काल से चली आ रही है। गुरु अंधकार को नष्ट करके जीवन में प्रकाश डालते हैं। हरिनाम भजने का मूल मंत्र देकर मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताते हैं। जीवात्मा को परमात्मा से मिलाने का काम करते हैं। उन्होंने भगवान के नाम की महिमा भी बताई। कहा कि अजामिल और वेश्या गणिका को नारायण कहने पर मोक्ष प्राप्त हुआ। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा कि वह भक्तों के ही पराधीन हैं। वेद और शास्त्रों में बताया गया है कि सरल नवधा भक्ति से मानव मोक्ष पा सकता है। बताया कि मां रुक्मिणी का विवाह ब्रह्म के साथ शक्ति का मिलन है। कथा की जजमान राजरानी मिश्रा पति स्व. श्याम सुंदर मिश्रा उर्फ भुल्लू दादू हैं। इस अवसर पर रमेश मिश्र, कन्हैयालाल मिश्र, सुशील मिश्र, संतोष मिश्र, पंकज मिश्र, शिवम मिश्र, रमन, इशांत, प्रकाश, पूर्व सांसद रमेश चंद द्विवेदी, दिनेश पांडेय, योगेश मिश्र, प्रभास तिवारी, मनोज शर्मा, रमाकांत मिश्रा, गीता, सुनीता, अनीता, संगीता, अनिता ,रेखा आदि श्रद्धालु मौजूद रहीं।

सुदामा-कृष्ण की मित्रता समाज के लिए मिसाल

- कथावाचक ने कृष्ण-सुदामा की मित्रता का बखान किया। कहा कि आज समाज को इससे सीख लेने की आवश्यकता है। द्वारिका में भगवान श्रीकृष्ण ने सखा सुदामा के स्वागत और सत्कार में सुदामा के चरणों को इस प्रकार से धोया कि उन्हें यह ज्ञात नहीं हुआ कि नेत्रों के अश्रुधार से वह चरण धो रहे हैं। उन्होंने मित्रता के लिए गरीबी और अमीरी का भेद न करने की सीख दी।

दुराचार करने पर तांत्रिक को 10 वर्ष का कारावास

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- झाड़फूंक के बहाने महिला से किया था दुष्कर्म

अमृत विचार। झाड़फूंक के बहाने महिला से दुराचार करने में दोषी तांत्रिक को न्यायालय ने 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा दी।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि 28 मई 2021 को पहाड़ी थाने में एक गांव निवासी अनुसूचित जाति की एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 27 मई 2021 को उसका पेट दर्द कर रहा था। इस पर उसकी सास ने तौरा गांव के बाबा ननकू पंडा के यहां झाड़फूंक कराने के लिए देवर के साथ भेजा था। दोपहर के समय वह ननकू के यहां पहुंची थी। तांत्रिक ननकू ने देवर को नींबू लाने के बहाने बाहर भेज दिया और उसके साथ दुराचार की घटना को अंजाम दिया। इस दौरान उसकी हालत खराब होने पर तांत्रिक डर गया और झाड़फूंक करने लगा। साथ ही उसे धमकाया कि घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मार देगा। घर जाने पर पीड़िता ने मामले की जानकारी परिजनों को दी। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करने के दो दिन बाद ही आरोपी को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद गुरुवार को अपर सत्र न्यायाधीश नीरज श्रीवास्तव ने दोषसिद्ध ननकू पंडा को 10 वर्ष सश्रम कारावास के साथ 17,000 रुपये का दंड दिया।

अवैध परिवहन पर 3 ट्रक सीज

कालपी जालौन। प्रशासन ने मौरंग के अवैध परिवहन पर नजरे सख्त कर दी है। बुधवार को दूसरे दिन भी एसडीएम की अगुवाई में खनिज विभाग तथा एआरटीओ तथा पुलिस टीम ने अभियान चलाया। जिसमें 17 मौरंग लदे ट्रकों की चेकिंग की गई तो 3 ट्रकों के पास खनिज सम्बन्धी कोई प्रपत्र नहीं मिले। इसपर उन्हे सीज कर कदौरा थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। साथ ही 10 ट्रकों में मानक से अधिक बालू भरी हुई थी, जिनके खिलाफ भी कार्रवाई कर 20 लाख 26 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया। खनिज विभाग ने भी 3 लाख 80 हजार रुपये की पेनाल्टी लगाई है। प्रशासन की लगातार कार्रवाई से बालू, गिट्टी के अवैध परिवहन करने वाले सकते में हैं। एसडीएम मनोज कुमार सिंह के अनुसार बालू का अवैध खनन और परिवहन नहीं होने दिया जाएगा।

जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेते डीएम पुलकित गर्ग।

अस्पताल में गंदगी देख डीएम ने दिये निर्देश

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने गुरुवार को संयुक्त जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण किया।

चिकित्सालय के ठीक सामने गंदगी दिखने पर डीएम ने मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ. शैलेंद्र कुमार को तत्काल सफाई कराने और डस्टबिन रखने, टूटे बेंच सही कराने, वेटिंग हाल का इस्टीमेट बनाने, विद्युत हाल के शीशे ठीक कराने के निर्देश दिए। निर्देशित किया कि बाउंड्री वॉल के लिए लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता से इस्टीमेट बनवाएं। प्रवेश द्वार ठीक कराएं। कैंटीन के निरीक्षण के दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से जानकारी ली। जिलाधिकारी ने पीडियाट्रिक वार्ड, इमरजेंसी के निरीक्षण के दौरान मरीजों से बात की। इस दौरान सीएमओ डा. भूपेश द्विवेदी, डा. तनवीर, नरेंद्र पटेल आदि मौजूद रहे।

समस्याओं को लेकर पीएम को भेजा पत्र

चित्रकूट। समाजसेवी शानू गुप्ता ने जिले की समस्याओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजा है। उन्होंने बताया कि चित्रकूट को ट्रामा सेंटर, मेडिकल कॉलेज व बाईपास की बेहद जरूरत है। पीएम से अनुरोध किया कि यहां 200 बेड के अस्पताल की बिल्डिंग तैयार है, वहां ट्रामा सेंटर खोल दिया जाए। जिले में मेडिकल कालेज तथा बाईपास की व्यवस्था भी आवश्यक है। प्रत्येक माह अमावस्या पर लाखों श्रद्धालु चित्रकूटधाम आते हैं। एक बार भगदड़ भी हो गई थी। समय पर अच्छा इलाज न हो पाने से कई लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। आयेदिन एक्सीडेंट तथा अन्य घटनाएं हो जाती हैं। समय से इलाज न मिलने पर लोगों को जान गंवानी पड़ती है। बाईपास न होने से कई दुर्घटनाएं होती हैं।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम बलविन्दर सिंह सचदेवा से बदलकर बलविन्दर सिंह रख लिया है आज से मुझे नए नाम से जाना व पहचाना जाए। पता : नई बस्ती, लखीमपुर

सूचना

मैंने अपने पुत्र रविन्द्रर सिंह को इनके गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल - अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनके द्वारा किये किसी भी कृत्य की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी - **गुरुदीप कौर पत्नी स्व. जगजीत पाल सिंह नि- म. नं. 112 दुर्गापुरी कालोनी, फैज़ुल्ला गंज , लखनऊ**

सूचना

मैंने अपना नाम SHABIL AHMAD से बदल कर SABEEL AHMAD रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: ABDUL RAUF R/O:551K/405, NIKAT DIXIT ATA CHAKKI AZAD NAGAR ALAMBAG LUCKNOW UTTAR PRADESH 226005

सूचना

मैंने अपना नाम MUKESH KUMAR KHARWAR से बदल कर MUKESH KHARAVAR रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: NARAYAN KHARWAR R/O:90 BHARVALIYA NAIKA CHHAPRA KASYA KUSHINAGAR UTTAR PRADESH 274206

सूचना

मेरा पासपोर्ट पर नाम AQILA BEGUM है जो कि गलत छप गया है जबकि मेरा सही नाम AQLA BEGAM है जो कि मेरे सभी अभिलेख में दर्ज है इसी नाम से जाना जाये । **आकला बेगम पत्नी फ़करे आलम वारसी 126/B आस्ताना रोड चौधरियान कस्बा देवा बाराबंकी**

NOTICE

SIDDH GOPAL s/o SHIVDAYAL R/o Sikandarpura, Rath, Hamirpur, Uttar Pradesh. 210431. Have changed the name of my minor son Anshu Aged 6 yeres and he shall here after be known as Ansh Singh.

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **विनोद कुमार यादव पुत्र स्व. सदाशिव यादव ग्राम पूरे दुर्जन भैरोंपुर मजरे रघुनाथपुर कटैली थाना भदोखर तहसील सदर ज़िला रायबरेली** का निवासी हूँ। मेरा पुत्र ऋषि यादव एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल अनुरुद्धपुर में कक्षा 8 में अध्ययनरत है। मेरे पुत्र की जन्मतिथि विद्यालय के अभिलेखों में त्रुटिवश 23/12/2011 अंकित हो गई है जबकि जन्म प्रमाण पत्र और आधार पर जन्मतिथि 23/12/2012 दर्ज है जो वास्तविक रूप से सही है और उसे ही माना जाए।

सूचना

सूचित हो कि मेरे पासपोर्ट जिसका नं0 एल0 2763898 में मेरा नाम त्रुटिवश शमीमा खातून दर्ज हो गया है। जबकि मेरे समस्त कागजातों में मेरा नाम सैय्यदा शमीमा खातून है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही हैं और मुझे दोनों नामों से जाना पहचाना जाता है। **सैय्यदा शमीमा खातून पत्नी सैय्यद सफीर अशरफ निवासी- 160 आजाद नगर अशरफपुर किछौछा तहसील टांडा, जिला अम्बेडकर नगर।**

सूचना

सूचित हो मेरी पुत्री **मनीषा** 16.05.2025 को घर से बिना बताये विकास कश्यप पुत्र विनोद कुमार निवासी- शिवलर, पो0 व थाना गोसाईगंज, लखनऊ के साथ कहीं चली गई है और तब से घर वापस नहीं आई है। मैं अपनी पुत्री मनीषा से अब कोई भी सम्बन्ध नहीं रखना चाहता हूं और उसको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। मनीषा व विकास कश्यप और उसके घर वाले मुझे धमकाते हैं यदि मेरी शिकायत पुलिस आदि में करोगे तो हम तुम लोगों को जान से मार देंगे। मनीषा द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक चाल-चलन, कार्य या लेन-देन के लिए मैं भविष्य में जिम्मेदार नहीं होऊंगा, वह अपने कृत्य के लिए स्वयं जिम्मेदार होगी। **-मनोज कुमार पुत्र श्री मेवा लाल** निवासी-कंजेहरा, पो0 हसनपुर खेवली, थाना सुशान्त गोल्फ सिटी, सुल्तानपुर रोड, जिला लखनऊ

सूचना

सूचित हो मेरा कनिष्ठ पुत्र **शिवांश दुबे** शराब पीने का आदी है और रोज शराब पीकर गाली गलौज व झगड़ा करता रहता है और धमकाता है कि यदि मेरी शिकायत पुलिस आदि में करोगे तो मैं तुम लोगों को जान से मार दूंगा। मैं व मेरे परिवार वालों के साथ कोई हादसा शिवांश दुबे कारित कर सकता है। मैं अपने पुत्र शिवांश दुबे से कोई भी सम्बन्ध नहीं रखना चाहता हूं और उसको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। शिवांश दुबे द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कार्य या लेन-देन के लिए अब मैं जिम्मेदार नहीं होऊंगा, वह अपने कृत्य के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। **-राजपाल दुबे पुत्र स्व0 रामनरेश दुबे** निवासी- सरसवां, पो0 अर्जुनगंज, सुल्तानपुर रोड, जिला लखनऊ

नई व्यवस्था | कालपी में जालौन डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक की नई शाखा भवन का उद्घाटन

सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत कड़ी

संवाददाता, कालपी जालौन

फीता काटते सभापति ब्रजभूषण सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत गुरुवार को जालौन डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, उरई (जालौन) की कालपी शाखा के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि सभापति ब्रजभूषण सिंह ने शाम 5 बजे फीता काटकर नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत कड़ी है और आधुनिक सुविधाओं से लैस यह नया भवन ग्राहकों को बेहतर, सुगम व पारदर्शी बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर डॉ. भानुप्रताप सिंह, सचिव/मुख्यालय प्रभारी अधिकारी जेडीसी बैंक उरई, तथा मुहम्मद फरीद खां, शाखा प्रबंधक कालपी ने मुख्य अतिथि और उपस्थित गणमान्य नागरिकों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि यह नया परिसर ग्राहकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। साथ ही सहकारिता सप्ताह (14 से 20 नवंबर) के महत्व को भी रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में जेडीसी बैंक उरई के प्रभारी डॉ. भानुप्रताप सिंह ने सभापति ब्रजभूषण सिंह का माल्यार्पण कर सम्मान किया। इसके बाद शाखा प्रबंधक मुहम्मद फरीद खां ने मंचासीन अतिथियों, उपाध्यक्ष रविकांत द्विवेदी, नगरपालिका अध्यक्ष अरविंद यादव, प्रेस क्लब कालपी अध्यक्ष मनोज चतुर्वेदी, आलोक दीक्षित, अरुण सिंह बनाजी, भाजपा नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी, पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा अमित पांडेय, अमर सिंह चंदेल आदि मौजूद रहे।

यमुना नदी में डाली गईं अंगुलिकाएं

संवाददाता, कालपी जालौन

अमृत विचार। गुरुवार को प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना -2025 के तहत एसडीएम मनोज कुमार सिंह की मौजूदगी में क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी द्वारा यमुना नदी में अंगुलिकाएं डाली गई और लोगों को जागरूक किया गया।

स्थानीय नगर में स्थित पीला घाट यमुना नदी पर प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत आयोजित रिवर रैंचिंग जन-जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक विनोद चतुर्वेदी ने किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनहित कारी योजनाओं की जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में यमुना नदी में 2 लाख भारतीय मूल की मेजर कार्प मत्स्य बीज (अंगुलिकाएं) डाली गईं। कार्यक्रम में मत्स्य सहायक निदेशक गिरीश त्रिपाठी ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का मूल उद्देश्य नदियों में मत्स्य संसाधनों का पुनरुद्धार करना है, ताकि पारंपरिक मछली पकड़ने की पद्धतियों को संरक्षित किया जा सके और मछुआ समुदाय की आजीविका मजबूत हो सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि रिवर रैंचिंग (नदी में मछली के बीज का पुनः संचालन) नदी की पारिस्थितिकीय प्रणाली के संरक्षण में एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

आध्यात्मिक व एकता की भूमि

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

बरेली: नाथ नगरी

नाथ कॉरिडोर से पर्यटन नक्शे पर बरेली को मिलेगी आध्यात्मिक नगरी की पहचान

जहां अलख निरंजन की गूंज आज भी सुनाई देती है

- बरेली का नाम लेते ही बहुतों के मन में सबसे पहले "नाथ नगरी" की छवि उभरती है। कहा जाता है कि इस नगर की आत्मा शिव में बसती है। यहाँ की हवा में भभूती की महक है, और गलियों में हरदम किसी योगी के कदमों की आहट सुनाई देती है। वैदिक काल से चली आ रही परपंरा अलखनाथ मंदिर इसकी गवाही दे रहा है। बरेली का अलखनाथ मंदिर केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि वैदिक युग की आस्था, योग-परंपरा और नागा साधुओं की साधना-भूमि का जीवंत प्रतीक है। मान्यता है कि यह 6500 वर्ष पुराना है। यदि इसे 6500 वर्ष पुराना माना जाए, तो यह काल लगभग 4475 ईसा पूर्व या विक्रम संवत 4532 के आसपास आता है। यह वही समय था जब प्रारंभिक वैदिक सभ्यता (सप्तसिंधु क्षेत्र) में यज्ञ, वेद पाठ और शिव-अग्नि-सूर्य उपासना का आरंभिक रूप प्रचलित था। उस युग में पूजा के केंद्र प्रकृति आधारित होते थे यानि बरगद, पीपल और यज्ञ कुंड के रूप में। अलखनाथ मंदिर का प्रमुख प्रतीक बड़ (बरगद) के नीचे स्थित शिवलिंग इसी वैदिक परंपरा की निरंतरता का संकेत देता है। इससे यह स्थल वैदिक युग की प्राकृतिक देव-उपासना परंपरा और आधुनिक मंदिर पूजा प्रणाली के बीच एक सेतु प्रतीत होता है।
- बरेली के पुराने हिस्से में जब आप अलखनाथ या त्रिवतीनाथ मंदिर की ओर बढ़ते हैं, तो लगता है मानो किसी सुरंग में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ शोर नहीं, केवल अलख निरंजन की अनुगूंज है।
- अलखनाथ मंदिर — जिसे बरेली का आध्यात्मिक केंद्र कहा जाता है — नाथ संप्रदाय का सबसे प्रमुख स्थान है। इसका नाम ही बताता है कि यहाँ अलख निरंजन की उपासना होती है, यानी उस परम सत्ता की, जिसे देखा नहीं जा सकता पर महसूस किया जा सकता है।

अलखनाथ मंदिर का इतिहास: साधना की अनंत परंपरा

अलखनाथ मंदिर बरेली शहर के हृदय में स्थित है। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही सबसे पहले विशाल नंदी की मूर्ति दिखाई देती है। चारों ओर साधुओं के छोटे-छोटे कुटीर हैं, जिनमें वर्षों से तप कर रहे नागा बाबा, सिद्ध योगी और गृहस्थ भक्त रहते हैं। मंदिर की दीवारों पर समय की परतें जमी हैं — जिनमें भक्ति, साधना और तप की कहानियाँ लिखी हैं। लोककथाओं के अनुसार, गुरु गोरखनाथ के शिष्य अलखनाथ ने यहाँ साधना की थी। उनके नाम पर ही यह स्थान प्रसिद्ध हुआ। हर वर्ष चैत्र मास में लगने वाला अलखनाथ मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और लोकसंस्कृति का उत्सव बन चुका है। नागा साधु यहाँ अपने अखाड़ों के साथ पहुँचते हैं, भभूती रमाते हैं और अलख पुकारते हैं अलख निरंजन

- महंत कालू गिरी कहते हैं कि यह स्थान केवल शिवभक्तों का नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का है जो सत्य की तलाश में है। यही कारण है कि यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, जैन — सभी श्रद्धालु बिना भेदभाव के दर्शन करने आते हैं। बताते हैं कि आनंद अखाड़े के अध्यक्ष गुरुदेव देवगिरी, धर्मगिरी, बालकगिरी की समाधि भी मंदिर में ही है।

अलखनाथ मंदिर की सज्जा

मंदिर की वास्तुकला मंदिर पारंपरिक और आधुनिक वास्तुकला शैलियों का मिश्रण दर्शाता है। इसमें जटिल नक्काशी, सुंदर कलाकृति और एक विशाल प्रांगण है। गर्भगृह में मुख्य देवता, भगवान शिव, एक शिवलिंग के रूप में स्थित हैं। मंदिर महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है। खासकर श्रावण महीने (जुलाई-अगस्त) के दौरान जब भक्त प्रार्थना करते हैं और विशेष अनुष्ठान करते हैं। महाशिवरात्रि, सावन सोमवार और कार्तिक पूर्णिमा कुछ प्रमुख अवसर हैं जिन्हें मंदिर में भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

तपेश्वर नाथ मंदिर

- तपेश्वरनाथ मंदिर के पुजारी बिशन महाराज बताते हैं कि यह मंदिर साधु संतो की तपस्थली रहा है। यहां पहले वन हुआ करता था। इसी के पास रामगंगा नदी बहती थी। वन में एक बाबा ने कठोर तपस्या की थी। इसके अलावा हिमालय से लौटते समय महर्षि के शिष्य ने यहां सैकड़ो वर्ष तप किया। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव यहां स्वयं विराजमान हुए। तभी से इसका नाम तपेश्वर नाथ पड़ा। महाराज बताते हैं कि यह सिद्धपीठ मंदिर है।

मढ़ीनाथ

मढ़ीनाथ मंदिर शिवभक्तों के प्राचीन और अत्यंत आस्थावान धामों में गिना जाता है। यह स्थान अपनी शक्ति, सिद्धि और शांत आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए प्रसिद्ध है। माना जाता है कि मढ़ीनाथ की भूमि सदियों से साधकों, संतों और श्रद्धालुओं की पूजा-साधना का केंद्र रही है। मढ़ीनाथ मंदिर को कई स्थानीय ग्रंथों और लोककथाओं में बहुत प्राचीन शिव-पर्वत स्थल बताया गया है। इसकी स्थापना का काल सटीक रूप से प्रमाणित नहीं है, लेकिन परंपरा के अनुसार यह स्थान कई सौ वर्षों से शिवभक्ति का प्रमुख केंद्र है। मढ़ीनाथ क्षेत्र में पहले तपस्वी साधु ध्यान और तपस्या करते थे। इन्हीं साधकों की साधना शक्ति से यहाँ शिव की चेतना प्रकट होने की मान्यता है। स्वयंभूत ऊर्जा का स्थानमढ़ीनाथ को "सिद्ध पीठ" भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ की ऊर्जा साधारण मंदिरों से अधिक प्रबल मानी जाती है। यहाँ रूद्राभिषेक और महामृत्युंजय जाप अत्यंत फलदायी माने जाते हैं। सावन, महाशिवरात्रि और सोमवार को यहाँ भक्तों की भारी भीड़ रहती है।
कई परिवारों में किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले मढ़ीनाथ के दर्शन की परंपरा है।

मढ़ीनाथ से कई रोचक कथाए जुड़ी हैं—

- कहा जाता है किसी समय यहाँ एक संत ने कठिन तपस्या की थी। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव शक्ति ने यहाँ स्वयंभू स्वरूप में प्रकट होने का वरदान दिया।
- एक अन्य कथा में माना जाता है कि मढ़ीनाथ महादेव नजर दोष, संकट और खतरों को दूर करते हैं। इसी कारण कई लोग यहाँ विशेष पूजा कराते हैं।
- मढ़ीनाथ केवल पूजा का स्थान नहीं बल्कि स्थानीय समाज का सांस्कृतिक केंद्र भी है।
- मढ़ीनाथ मंदिर बरेली की आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण अंग है।

पशुपति नाथ मंदिर

- यह सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शिव मंदिरों में से एक है। इसकी स्थापना 2001 में पीलीभीत बाईपास के पास की गई थी और इसे नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है यह मंदिर व्यापारी जगमोहन सिंह के मन में आए विचार से अस्तित्व में आया, जो स्वयं नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए जाया करते थे। उन्होंने 2001 में बरेली में इस मंदिर की स्थापना कराई। मंदिर का नाम जगमोहन नाथ के नाम से भी जाना जाता है। यहां के प्रमुख शिवलिंग के चारों ओर 108 शिवलिंग स्थापित किए गए हैं, जो भगवान शिव के 108 नामों को समर्पित हैं। मंदिर की स्थापना में जगतगुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती जी भी शामिल हुए थे धार्मिक महत्व यहां पंचमुखी शिवलिंग स्थापित किया गया है, जो नेपाल मंदिर की विशेषता भी है। मंदिर में 108 छोटे शिवलिंग भगवान शिव के विभिन्न नामों के प्रतीक हैं और इन पर जल अर्पित करने से भक्तों को मानसिक शांति प्राप्त होती है। सावन महीना विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं, जिसमें हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए आते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां के सरोवर में मछलियों को भोजन देने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पशुपतिनाथ जरूर पूरी करते हैं

विशेषताएं

- मंदिर का परिसर एक सुंदर सरोवर और पर्यटन स्थल के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें मछलियां, बत्तख और रामेश्वरम के रामसेतु से लाए गए तैरते पत्थर आकर्षण के केन्द्र हैं। परिसर में कैलाश पर्वत की झांकी, भैरव मंदिर, रुद्राक्ष और चंदन के वृक्ष भी हैं
- परिसर में रोजाना भव्य शिव श्रृंगार और आरती होती है। यहां आने वाले भक्तों का विश्वास है कि सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा करने पर उनकी हर मनोकामना पूरी होती है।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत बरेली शहर की चारों दिशाओं की मुख्य सड़कों पर कॉरिडोर को दर्शाते हुए भव्य द्वार बनाए गए हैं। कॉरिडोर बनने से बरेली शहर के नाथ मंदिरों के साथ ही हर बरेलियंस को नई पहचान मिलेगी। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से होटल इंडस्ट्री से लेकर तमाम वर्गों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। रोजगार के भी साधन बढ़ेंगे। इसके साथ नाथनगरी में सभ्यता की 5000 साल पुरानी गाथा भी शहर में गूंजेगी। शहर में बनाई जा रहीं 19 फोकस वॉल पर भित्ति कला प्रदर्शित होगी। इससे बरेली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी भी बनेगी।

बरेली शहर के धोपेश्वरनाथ मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर, वनखंडीनाथ मंदिर, अलखनाथ मंदिर, तपेश्वरनाथ मंदिर, त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर ब्लॉक के अहिच्छत्र क्षेत्र में श्रद्धालुओं को हर वो सुविधाएं दी जाएं, जिनसे पर्यटक आकर्षित हों, इसको ध्यान में रखते हुए नाथ कॉरिडोर की रूपरेखा तैयार की गई। नाथ मंदिरों की भव्यता और पौराणिक इतिहास को दर्शाते हुए पर्यटकों को इस ओर आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग ने कार्ययोजना तैयार की। नाथ कॉरिडोर को राज्य सरकार ने 2023 में मंजूरी दी थी। इसके बाद बीडीए से प्रपोजल मांगा गया। जून, 2023 में बीडीए ने 70 पेज की डीपीआर बनाकर शासन को भेजी। अब करीब 231 करोड़ रुपये से नाथ कॉरिडोर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8.36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11.50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9.71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

भित्ति कला से बरेली बनेगी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी

बरेली : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना से नाथ नगरी बरेली अब सांस्कृतिक-आध्यात्मिक कला के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित होने जा रही है। शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों, धार्मिक स्थलों और सरकारी परिसरों में 19 भव्य फोकस वॉल का निर्माण होगा। भित्ति वॉल पर भारत की प्राचीन सभ्यता, नाथ परंपरा, महाभारतकालीन इतिहास और स्थानीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहरों का संगम का शानदार प्रदर्शन होगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार के अनुसार मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप युवाओं को भारत के गौरवशाली अतीत, प्राचीन और समृद्धशाली संस्कृति से परिचय करायेगी। युवाओं और पर्यटकों को बरेली के 5000 वर्ष पुराने इतिहास और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का माध्यम बनेगी। फोकस वॉल का विचार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस परिकल्पना से प्रेरित है, जिसमें उत्तर प्रदेश की सभ्यता को ग्लोबल टूरिज्म मॉडल से जोड़कर रोजगार, पर्यटन और सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को बढ़ाना शामिल है। इन फोकस वॉल पर बनने वाले भित्ति-चित्र अजंता-एलोरा की शैली पर आधारित होंगे। इन चित्रों में भगवान शिव के त्रिशूल और डमरू, नाथ योगियों के प्रतीक, देवी-देवताओं की आकृतियां, बरेली की आध्यात्मिक पहचान, महाभारतकालीन नगर की विरासत और स्थानीय लोककला को जीवंत कलात्मक स्वरूप दिया जाएगा। पर्यटन विभाग ने सर्वे करने के बाद ऐसे स्थानों को चुना है। जहां से सबसे ज्यादा पर्यटक और राहगीर गुजरते हैं। इस परियोजना पर कुल 621.33 लाख रुपये (लगभग 6 करोड़ 21 लाख 33 हजार रुपये) खर्च किए जाएंगे। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार ने कहा कि बरेली केवल झुमके तक ही सीमित नहीं है। यह योगियों, सिद्ध-नाथों, ऋषि-मुनियों और प्राचीन सभ्यता का नगर है। फोकस वॉल आने वाली पीढ़ियों को बरेली की असली आत्मा से परिचित कराएगी। यह न सिर्फ शहर के सौंदर्यीकरण की योजना है, बल्कि बरेली के सांस्कृतिक पुनरुद्धार और पर्यटन अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

सातों नाथ मंदिरों का नाथ सर्किट बनाने का उद्देश्य

- एक नाथ मंदिर से दूसरे नाथ मंदिर तक यात्रा को आसान बनाने और पूरे सर्किट में सुरक्षित और उचित सुविधाएं प्रदान करने का प्रस्ताव नाथ सर्किट में शामिल किया हैं। इसमें कनेक्टिविटी और सुगमता में सुधार के लिए आईपीटी और अन्य सार्वजनिक परिवहन जोड़े गए हैं। मंदिरों तक पैदल आवागमन को सुगम बनाने के लिए चौड़ी सड़कों पर फुटओवर ब्रिज बनेंगे। आगंतुकों के लिए पार्किंग क्षेत्र होगा। पहचान में सुधार के लिए संकेतों और अन्य दृश्य चिह्नों का उपयोग होगा। नाथ नगरी सर्किट की पहचान सभी नाथ मंदिरों के जुड़ाव को ध्यान में रखकर की गई है।

प्रत्येक नाथ मंदिर में इतनी सुविधाएं होंगी – प्रवेश मार्ग, आंतरिक सड़क विकास, फुटपाथ, स्टॉल, स्ट्रीट लाइटिंग, साइनेज, कूड़ेदान, स्ट्रीट फर्नीचर, भूनिर्माण, भूमिगत संग्रहालय भवन, पार्किंग, पर्यटक सुविधाएं, खोया-पाया सुविधा, प्राथमिक चिकित्सा, पुलिस बूथ, पेयजल, सूचना कियोस्क।

6.21 करोड़ से शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनेगी

नाथ कॉरिडोर के तहत शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनाने की योजना है। 6.21 करोड़ रुपये से कार्य कराए जाएंगे। फोकस वाल का आठ स्थानों पर निर्माण शुरू करा दिया गया है। इसमें पेंटिंग, डिजाइन और पौराणिक कलाकृतियों को दीवार पर उकेरा जाएगा। मनोहर भूषण इंटर कॉलेज ग्राउंड, एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय, सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डीडी पुरम पार्क, नियर स्टेडियम, कुदेशिया अंडरपास, बीसलपुर चौराहा, विकास भवन चौराहा, आयुक्त कार्यालय, उद्योग विभाग कार्यालय, त्रिवटी नाथ मंदिर मैकेनियर रोड, 100 फुटा तिराहा आदिनाथ चौक, इन्वर्टिस तिराहा बड़ा बाइपास, रेलवे स्टेशन, मिनी बाइपास इज्जतनगर रेलवे स्टेशन, झुमका तिराहा, और पर्यटन कार्यालय रोहिला होटल वॉल।

नाथ कॉरिडोर के मंदिरों की दूरी

- धोपेश्वरनाथ से पशुपति नाथ मंदिर-8.2 किमी
- पशुपतिनाथ मंदिर से बनखंडी नाथ-3.0 किमी
- वनखंडीनाथ मंदिर से त्रिवटीनाथ मंदिर-7.0 किलोमीटर
- त्रिवटीनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3.2 किलोमीटर
- अलखनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3.5 किलोमीटर
- मढ़ीनाथ मंदिर से तपेश्वरनाथ मंदिर-2.5 किलोमीटर
- तपेश्वरनाथ मंदिर से धोपेश्वरनाथ मंदिर-5.8 किलोमीटर

" त्रिवटी नाथ मंदिर के पुजारी रवीन्द्र शर्मा बताते हैं 1476 विक्रम संवत में जंगल में चरावाह आया वह वट वृक्ष के नीचे सो रहा था। तब बाबा ने उसे जगाया और अपने यहां होने की बात कही। चरावाहे ने बाबा के प्रकट होने की बात आसपास के लोगों को बताई। इसके बाद तो यहां जनसैलाब उमड़ पड़ा। खुदाई के बाद यहां शिवलिंग प्रकट हुआ। जैसे जैसे सभ्यता और संस्कृति का प्रचार हुआ। उसका बढ़ना शुरु हुआ त्यों त्यों मंदिर का स्वरूप भी बढ़ता गया। इस समय मंदिर में पुरातन सिद्धहस्त शिवलिंग है ही साथ ही मंदिर के स्वरूप को भव्यता प्रदान करने वाले भोलेशंकर के तांबे की भव्य आकृतियां भी है। जो यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। प्रदेश सरकार ने बरेली को नाथ नगरी के रूप में विकसित किया है। यह पुरातन मंदिर भी नाथनगरी कॉरीडोर का हिस्सा है और यहां कारीडोर के तहत निर्माण कार्य चल रहा है।

" अलखनाथ मंदिर के महंत और आनंद अखाड़े के सचिव कालू गिरी बताते हैं कि यह मंदिर मुगलों के समय का है। मुगलों ने भी कई बार यहां हिन्दू मंदिरों के प्रति अपनी दुर्भावना का प्रदर्शन किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। वे बताते हैं कि मुगलों के बाद राजा महाराजा आए। उनके समय भी यहां रहने वाले बाबा अलख जगाते थे। राजा महाराजा यह सेवा देखते आ रहे थे। तब बाबा ने राजाओं से जमीन देने को कहा तो राजा ने जमीन दान दी थी। वे बताते हैं कि सनातन तो मानता ही रहा है साथ ही नवाबों अंग्रेजों ने भी नागाओं के प्रभाव को माना है। नाथ संप्रदाय की जड़ें बरेली में बहुत गहरी हैं।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8.36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11.50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9.71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

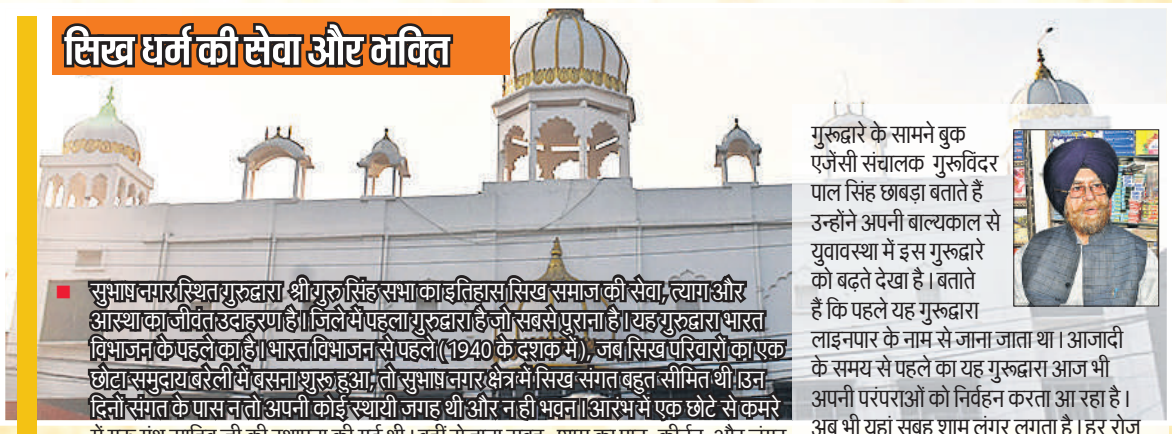

सिख धर्म की सेवा और भक्ति

- सुभाष नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा का इतिहास सिख समाज की सेवा, त्याग और आस्था का जीवंत उदाहरण है। जिले में पहला गुरुद्वारा है जो सबसे पुराना है। यह गुरुद्वारा भारत विभाजन के पहले का है। भारत विभाजन से पहले (1940 के दशक में), जब सिख परिवारों का एक छोटा समुदाय बरेली में बसना शुरू हुआ, तो सुभाष नगर क्षेत्र में सिख संगत बहुत सीमित थी। उन दिनों संगत के पास न तो अपनी कोई स्थायी जगह थी और न ही भवन। आरंभ में एक छोटे से कमरे में गुरु ग्रंथ साहिब जी की स्थापना की गई थी। वहीं रोज़ाना सुबह-शाम का पाठ, कीर्तन, और लंगर सेवा शुरू हुई। यह छोटा-सा कमरा ही गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह साहिब लाइन पार का बीज साबित हुआ। समय के साथ जब सिख परिवारों की संख्या बढ़ी, तो संगत ने मिलकर गुरुद्वारा का विस्तार करने का निश्चय किया।
- 1950—60 के दशक में स्थानीय संगत के सहयोग और चंदे से पक्का भवन बनाया गया। धीरे-धीरे इसमें दीवान हॉल, लंगर हॉल, और संगत के ठहरने हेतु कमरों का निर्माण हुआ। नवनिर्माण के साथ गुरुद्वारे में गुरु नानक जयंती, वैशाखी, और अन्य प्रमुख गुरपुरब बड़ी श्रद्धा से मनाए जाने लगे। अब सुभाष नगर का यह गुरुद्वारा एक बृहद परिसर में विकसित हो चुका है। इसमें शानदार दीवान हॉल, आधुनिक लंगर हॉल, सेवादार आवास, और सिख इतिहास पर आधारित चित्र सजावट शामिल हैं। प्रतिदिन सुबह-शाम दीवान, कीर्तन दरबार, और निशुल्क लंगर सेवा जारी रहती है।

गुरुद्वारे के सामने बुक एजेंसी संचालक गुरुविंदर पाल सिंह छाबड़ा बताते हैं उन्होंने अपनी बाल्यकाल से युवावस्था में इस गुरुद्वारे को बढ़ते देखा है। बताते हैं कि पहले यह गुरुद्वारा लाइनपार के नाम से जाना जाता था। आजादी के समय से पहले का यह गुरुद्वारा आज भी अपनी परंपराओं को निर्वहन करता आ रहा है। अब भी यहां सुबह शाम लंगर लगता है। हर रोज शाम को तमाम फकीर गुरुद्वारे के लंगर के ही भरोसे जीवन यापन कर रहे हैं। स्टेशन के पास होने के कारण यहां यात्री भी आकर ठहरते हैं। यह निशुल्क सेवा है। एक कमरे से गुरुद्वारे का सफर हुआ था। अब यहां दस कमरे हैं। बड़े हाल हैं। यहां गुरुनानक के जन्मदिन पर प्रकाशपर्व का नगर कीर्तन इसी गुरुद्वारे से निकलता आ रहा है। वे बताते हैं कि गुरुद्वारे में हर धर्म के लोग आते हैं। यहां कोई भेदभाव नहीं है।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

शिव की त्रिविध ज्योति का प्रतीक

नाथ परंपरा की दूसरी प्रमुख कड़ी है — त्रिवतीनाथ मंदिर। यह मंदिर भी शिव के त्रिवेणी रूप का प्रतीक माना जाता है — ब्रह्मा, विष्णु और महेश की त्रिविध ज्योति यहाँ एक साथ विराजमान है। मंदिर का स्थापत्य अद्भुत है — ऊँचे शिखर पर लगा स्वर्ण कलश दूर से ही श्रद्धा जगाता है। सावन के महीने में जब कांवड़िए यहाँ गंगाजल चढ़ाने आते हैं, तो पूरा बरेली शहर भक्ति में डूब जाता है।

यहाँ कोई एक दिन भी ऐसा नहीं जाता जब 'हर हर महादेव' की आवाज़ न गूंजे। भक्त सुबह से ही शिवलिंग पर बेलपत्र, दूध और जल चढ़ाने आते हैं। यह मंदिर बरेली का आध्यात्मिक नाड़ी बिंदु है।" त्रिवतीनाथ मंदिर का परिसर केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि समाज सेवा का केंद्र भी है। मंदिर के ट्रस्ट द्वारा निशुल्क भोजन, चिकित्सा शिविर और गौसेवा के कार्य नियमित रूप से किए जाते हैं। मंदिर के बगल में स्थित सरोवर में हर अमावस्या को हजारों श्रद्धालु स्नान करते हैं। यह वही सरोवर है जहाँ कभी योगी अपने ध्यान की शुरुआत करते थे।

वनखंडीनाथ मंदिर

बरेली की प्राचीन धरती में अनेक ऐतिहासिक, पौराणिक और आध्यात्मिक स्थल बसे हैं, उन्हीं में से एक अत्यंत प्रतिष्ठित शिवधाम है, वनखंडीनाथ मंदिर यह मंदिर बरेली के सबसे पुराने धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। वनखंडी क्षेत्र के हृदय में स्थित यह मंदिर स्थानीय लोकपरंपरा, पुरातन आस्था और सदियों से प्रवाहित शिवभक्ति का अद्भुत केंद्र है। कहा जाता है कि जिस स्थान पर यह मंदिर स्थित है, वह क्षेत्र प्राचीन समय में घने वनों से आच्छादित था। तब यह स्थान निर्जन, शांत और वन्य क्षेत्र का हिस्सा था, इसलिए इस स्थान को नाम मिला—"वनखंडीनाथ", अर्थात् वनखंडों में विराजमान भगवान शिव।वनखंडीनाथ जी का आध्यात्मिक महत्व वनखंडीनाथ मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि शिवभक्ति की जीवंत ऊर्जा का केंद्र है।

रामनगर जैन मंदिर

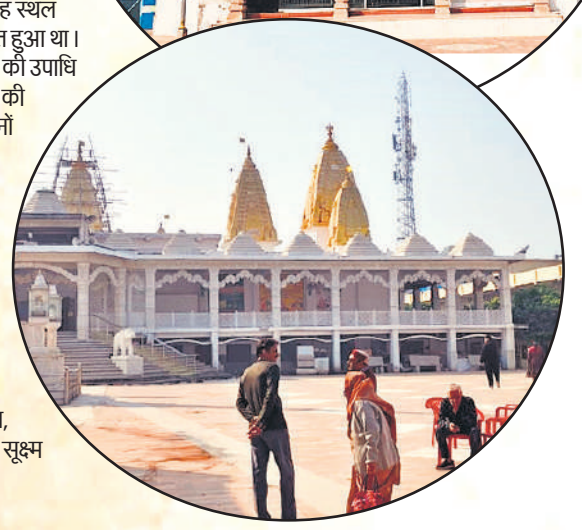

बरेली के आंवला में रामनगर में जैन मंदिर भी विश्व प्रसिद्ध है। रामनगर न केवल प्रदेश बल्कि देशभर के प्रसिद्ध जैन तीर्थों में से एक है। यह तीर्थ अपनी आध्यात्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता के कारण देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है। भगवान पार्श्वनाथ की तपस्या स्थली रामनगर आंवला है। पार्श्वनाथ का जन्म वाराणसी में लेकिन उन्हें ज्ञान रामनगर में प्राप्त हुआ। यही वह स्थल है जहां पार्श्वनाथ को ज्ञान प्राप्त हुआ था। यही पर पार्श्वनाथ को भगवान की उपाधि मिली। यहां भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा हरित पन्ने की है। विद्वानों का मत है कि यह प्रतिमा देव द्वारा स्थापित की गई है। रामनगर जैन मंदिर की वास्तुकला अत्यंत भव्य और पारंपरिक है। मुख्य मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ हरितपन्ने की प्रतिमा विराजमान है, जिसकी मुद्रा अत्यंत शांत और ध्यानमग्न है। मंदिर की दीवारों पर जैन पुराणों के दृश्य, तीर्थंकरों के जीवन प्रसंग और सूक्ष्म नक्काशी देखने योग्य हैं।

ईसाई धर्म की शांति — चर्च और उनके सामाजिक योगदान

बरेली का सीएनआई चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। 1838 में इटालियन डिजाइन से बना इस चर्च में अंग्रेज प्रार्थना करने आते थे। मुगल काल के समय जब रुहेलों और अंग्रेजों की लड़ाई हुई तब रुहेलों ने इसी चर्च पर आक्रमण कर इसे आग के हवाले कर कई अंग्रेजों को मौत के घाट उतारा था। उस समय लगभग 100 से ज्यादा अंग्रेज मारे गये थे। यहां के पुराने पादरियों की कब्र भी इसी चर्च के अंदर है। चर्च जलाने के बाद इसका फिर से पुनर्निर्माण किया गया। 1947 में देश आजाद हुआ तो अंग्रेजों ने कुछ चर्च संस्थाएं भारतीयों के हाथ में दी गई। तब छह ग्रुपों को मिलाकर चर्च आफ नार्थ इंडिया संगठन बनाया गया और उसी के अधीन चलता रहा। फिर विवाद सामने आए तो 1960 से यहां प्रार्थना आराधना बंद हो गई। फिर एक बैपिस्ट चर्च ने सीएनआई चर्च को किराये पर लिया और 1989 से यहां फिर से अराधना और प्रार्थना होने लगी। इस चर्च के पहले पास्टर डा. विलियम सैमुअल बने। मौजूदा समय ऐतिहासिक चर्च के पादरी मेल्विन चार्ल्स हैं।

डा. सैमुअल बताते हैं कि यह चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। यह एतिहासिक है। इसे पर्यटन के रूप में विकसित किया जा सकता है। डा. विलियम ने बताया कि बरेली का जीरो प्वाइंट भी चर्च को ही माना गया है। कैंट में बिशप के पास स्टीफन चर्च है। बरेली का माइलेज यहीं से नापा जाता है। कुछ लोग कुतुबखाना को जीरो प्वाइंट मानते हैं लेकिन अंग्रेजों के समय का जीरो प्वाइंट सेंटस्टीफन चर्च है। शहर की ऐतिहासिक धरोहरों में एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 19वीं शताब्दी के मध्य में ब्रिटिश शासन के दौरान निर्मित यह चर्च न केवल ईसाई समुदाय के धार्मिक जीवन का केंद्र रहा है, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विविधता का भी एक सुंदर प्रतीक है। अंग्रेजों द्वारा उत्तर भारत में मिशनरी गतिविधियों के विस्तार के साथ यह चर्च स्थापित हुआ।

इस चर्च की सबसे बड़ी विशेषता इसका वास्तुशिल्प है। गोथिक शैली में निर्मित यह भवन अपनी ऊँची मेहराबों, नुकीले आर्च, पत्थर की पारंपरिक दीवारों और रंगीन काँच की खिड़कियों के कारण दूर से ही पहचान में आ जाता है। चर्च के भीतर लगे स्टेन ग्लास पैनलों पर उत्कीर्ण बाइबिल की कथाएँ न केवल कलात्मक सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण हैं, बल्कि आध्यात्मिक अनुभूति भी कराती हैं।

धार्मिक दृष्टि से यह चर्च सदियों से ईसाई समाज का केंद्र रहा है, जहाँ क्रिसमस, गुड फ्राइडे और ईस्टर जैसे प्रमुख पर्व अत्यंत भव्यता और श्रद्धा से मनाए जाते हैं।

बरेली जैसे बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक शहर में सीएनआई चर्च सौहार्द और सह-अस्तित्व की खूबसूरत मिसाल है। अलखनाथ मंदिर, आला हज़रत दरगाह, जैन तीर्थ, प्राचीन गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों के साथ यह चर्च बरेली की विविध आध्यात्मिक विरासत को और भी समृद्ध बनाता है। शहर के इतिहास, औपनिवेशिक वास्तुकला और धार्मिक सौहार्द का अध्ययन करने वाले पर्यटकों व शोधकर्ताओं के लिए यह चर्च विशेष आकर्षण का केंद्र है।

समय के साथ बरेली बदलता रहा, पर यह चर्च अपनी गरिमा, शांति और आध्यात्मिक महत्त्व के साथ आज भी उसी तरह खड़ा है। यह केवल ईसाई समुदाय का प्रतीक नहीं, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक स्मृति का एक जीवंत अध्याय है।

धोपेश्वरनाथ

- पांडवकालीन यह मंदिर सिद्धपीठ मंदिर है। यहां द्रोपदी के गुरु धूम्र ऋषि ने तपस्या की। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव ने वरदान मांगने को कहा तो ऋषि ने जनता की मंगल कामना और कल्याण के लिए शिव से यहीं पर लिंग रूप में रहने का वरदान मांगा। वरदान स्वरूप शिव यहीं स्थापित हो गये। नाथ मंदिर में यह ऐसा मंदिर है जिसे अर्धनारीश्वर का रूप भी कहा जाता है। मंदिर के महंत घनश्याम जी बताते हैं ग्रामीण क्षेत्रों में धोपा मंदिर को अर्धनारीश्वर का रूप भी माना जाता है। इसका प्रमाण आज भी प्रचलित है। इसी मंदिर में भादों माह में आखिरी के दो गुरुवार को मेला आज भी लगता है। यह मेला धोपा मइया के नाम से प्रचलित है। जब आवागमन के साधन नहीं थे तो लोग एक दिन पहले आकर रुकते थे लेकिन अब लोग गुरुवार को आकर धोपा के सरोवर में स्नान करते हैं इससे चर्म रोग ठीक होते हैं। इसके बाद यहां स्थित रायसती मठिया में प्रसाद चढ़ाते हैं। नाथ मंदिरों में यह धोपेश्वर नाथ भी प्रसिद्ध और सिद्ध मंदिर है। यह इशान कोण में स्थित है।

शहर में नाथ योगियों से लेकर सूफी संतों तक को एक साथ स्थान दिया। यही वजह है कि इसे आज भी नाथ नगरी कहा जाता है, तो वहीं "आला हजरत की नगरी" के रूप में भी इसकी पहचान है। दो नाम, दो परंपराएँ पर एक ही आत्मा, जो इंसानियत और आस्था को जोड़ती है। यहाँ की गलियाँ धर्मों के इतिहास की जीवंत गवाही देती हैं। अलखनाथ मंदिर के आसपास की गलियों में आज भी नागा साधुओं के डेरों की गंध आती है। त्रिवतीनाथ मंदिर की घंटियाँ उसी श्रद्धा से बजती हैं, जैसे सैकड़ों साल पहले बजती थीं। वहीं, नौमहला की पत्थर जड़ी गलियों से होकर गुजरने वाला हर शख्स आला हजरत की दरगाह की तरफ सिर झुकाए निकलता है। उस गली के कोनों पर बैठा कोई दुकानदार अगर "जय भोले" कह दे तो सामने वाला "सलाम वालेकुम" के साथ मुस्कुरा देता है यही है बरेली की पहचान। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि 1657 में मुगल शासन के दौरान बरेली को आधिकारिक रूप से बसाया गया। लेकिन इस नगर की आत्मा इससे भी पुरानी है। स्थानीय किंवदंतियाँ बताती हैं कि यह क्षेत्र "महा योगी गोरखनाथ" की तपोभूमि था, जहाँ से नाथ परंपरा का एक प्रमुख केंद्र विकसित हुआ। गोरखनाथ संप्रदाय के अनुयायी आज भी बरेली को "उत्तर भारत की योग नगरी" कहते हैं। मुगल काल में जब सूफी संत हज़रत शाह शरीफ और फिर इमाम अहमद रज़ा खान आला हजरत इस भूमि पर आए, तो इस शहर में आध्यात्मिकता का एक नया स्वर जुड़ गया। उनके अदब, इल्म और इंसानियत ने न सिर्फ मुसलमानों, बल्कि हर मजहब के लोगों के दिल में जगह बनाई। यही वह दौर था जब बरेली ने हिंदू-मुस्लिम एकता की ऐसी मिसाल पेश की, जो आज भी कायम है। बरेली के इतिहास की एक और खासियत है , यहाँ धर्म ने कभी राजनीति का रूप नहीं लिया। चाहे अंग्रेज़ों का दौर रहा हो या स्वतंत्रता संग्राम का समय, बरेली की धार्मिक संस्थाएँ हमेशा समाज के निर्माण में लगी रहीं। मंदिरों ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाया, तो दरगाहों ने सामाजिक न्याय और बराबरी का संदेश दिया। यही कारण है कि यहाँ की मिट्टी हर इंसान को अपनाने का माद्दा रखती है।आज जब कोई यात्री बरेली जंक्शन पर उतरता है, तो उसके स्वागत में दो प्रतीक खड़े दिखाई देते हैं ।

अल्लाह की याद और इंसानियत का पैग़ाम साथ

अगर कोई बरेली की आत्मा को महसूस करना चाहता है, तो उसे सिर्फ नाथ मंदिर ही नहीं, बल्कि नौमहला की गलियों तक भी जाना होगा। यह इलाका बरेली की तहज़ीब, आस्था और एकता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यहाँ हर दीवार सूफ़ियों, मोहब्बत और इंसानियत की किसी कहानी को बयाँ करती है — बरेली में जैसे शिव के साधकों की परंपरा गहरी है, वैसे ही सूफ़ी संतों की रूहानियत भी हर पत्थर में बसती है। और इसी रूहानियत की सबसे ऊँची चोटी पर है — आला हजरत की दरगाह।

आला हजरत इमाम अहमद रज़ा खान (1856–1921) न केवल बरेली के, बल्कि पूरे इस्लामी जगत के एक महान विद्वान और सूफ़ी संत थे। उन्होंने अपने ज्ञान, तर्क और करुणा से दुनिया को यह दिखाया कि धर्म का असली उद्देश्य नफरत नहीं, बल्कि इंसान को इंसान से जोड़ना है। कहा जाता है कि आला हजरत ने बरेली की मिट्टी को अपनी कलम से अमर बना दिया। उन्होंने फतावा-ए-रज़विया जैसे ग्रंथों के माध्यम से इस्लामी दर्शन को एक नई दृष्टि दी। वे उस दौर में भी धार्मिक कट्टरता के विरोधी थे, जब समाज गुटों में बँट रहा था। अगर कोई व्यक्ति किसी दूसरे धर्म के उपासक को तकलीफ़ देता है, तो वह खुद इस्लाम की शिक्षा के विरुद्ध जाता है। इसी सोच ने बरेली की पहचान धर्म से पहले इंसानियत की बनाई ।

उर्स-ए-रज़वी — आध्यात्मिक मेला और इंसानियत का उत्सव

हर साल रबी-उल-अव्वल महीने में मनाया जाने वाला "उर्स-ए-रज़वी" बरेली का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। तीन दिनों तक दरगाह परिसर में आध्यात्मिक वातावरण रहता है। देश-विदेश से आए आलिम, मौलाना और सूफी यहाँ तकरीरें (विचार भाषण) देते हैं।

- दरगाह परिसर के बाहर लगने वाला मेला, जिसमें किताबें, इत्र, तस्बीह और सूफी संगीत की धुनें गूंजती हैं, वह श्रद्धालुओं के लिए किसी उत्सव से कम नहीं।
- हर साल लगभग दस लाख से अधिक लोग इस मौके पर बरेली पहुँचते हैं। रेलवे और नगर प्रशासन विशेष प्रबंध करते हैं। खास बात यह है कि इस दौरान न सिर्फ मुस्लिम, बल्कि हिंदू, सिख और ईसाई समुदाय के लोग भी सेवा में शामिल होते हैं। नगर निगम की टीम से लेकर पुलिस कर्मियों तक सभी इसे "धार्मिक नहीं, मानवीय पर्व" की तरह मानते हैं। सूफी संगीत और रूहानी माहौल
- आला हजरत की दरगाह में शाम के वक्त जब कव्वाली शुरू होती है — "नज़र-ए-मदीना से मंज़र-ए-बरेली तक" तो लगता है जैसे आत्मा और संगीत एकाकार हो गए हों। सूफी गायकों की तान और दुआ की लय वातावरण को भक्ति में डूबो देती है।
- कई प्रसिद्ध कव्वालों जैसे मो. अफज़ल साबरी और शहनवाज़ खान — ने अपनी शुरुआत इसी दरगाह के उर्स मंच से की थी। आज भी दरगाह का कव्वाली मंच नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

आला हजरत का संदेश "इंसानियत सबसे ऊपर"

आला हजरत का दर्शन यह था कि धर्म किसी दीवार का नहीं, बल्कि एक पुल का नाम है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सौ साल पहले थे। उन्होंने कहा था "जब तक किसी भूखे को खाना और किसी नंगे को कपड़ा नहीं मिलेगा, तब तक तुम्हारी नमाज़ें भी अधूरी हैं।" बरेली के लोग आज भी इस संदेश को जीते हैं। दरगाह के लंगर में रोज़ाना हज़ारों लोगों को बिना किसी भेदभाव के भोजन कराया जाता है । यहाँ कोई यह नहीं पूछता कि कौन हिंदू है, कौन मुसलमान। सब एक ही कतार में बैठकर खाना खाते हैं, और यही इस शहर की असली ताकत है।

दरगाह आला हजरत : श्रद्धा और शांति का संगम

- दरगाह आला हजरत केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं का केंद्र है। हर साल उर्स-ए-रज़वी" के अवसर पर देश-विदेश से हजारों ज़ायरीन यहां आते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका तक से लोग चादर चढ़ाने आते हैं।
- दरगाह परिसर में प्रवेश करते ही जो सुकून महसूस होता है, वह शब्दों में नहीं बताया जा सकता। चारों ओर कुरआनी आयतें, गुलाब की खुशबू और या रज़ा की पुकार वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है।
- यहाँ का मुख्य गुम्बद सफ़ेद संगमरमर का है, जिस पर सुनहरे अक्षरों में लिखा है —रज़ा का शहर बरेली, मुहब्बत की ज़मीन।
- आला हजरत की मज़ार के पास की जाने वाली "सलात-ओ-सलाम" (प्रार्थना) में जो विनम्रता दिखती है, वही इस दरगाह की आत्मा है।
- दरगाह के प्रमुख खादिम मौलाना फ़ैज़ान रज़ा बताते हैं —
- यहाँ हर आने वाला ज़ायरीन सबसे पहले 'सलाम' करता है और फिर दूसरों के लिए दुआ मांगता है। यही सूफ़ियत का असली मतलब है — अपने लिए नहीं, सबके लिए भलाई मांगना।"
- नौमहला — तहज़ीब और एकता की गवाही देने वाला इलाका आला हजरत की दरगाह के आसपास का इलाका "नौमहला कहलाता है। यह नाम मुगलकालीन स्थापत्य से आया है। यहाँ नौ मंज़िलों वाले पुराने महलों के अवशेष कभी मौजूद थे। आज यह इलाका धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बरेली का हृदय बन चुका है।
- नौमहला की गलियाँ संकरी हैं, लेकिन दिल बहुत बड़े हैं। यहाँ दरगाह के ठीक सामने एक प्राचीन शिव मंदिर भी है, जिसके पुजारी हर साल उर्स के दौरान मुसलमानों को जल पिलाने का "सेवा स्टॉल लगाते हैं। वहीं, दरगाह की ओर से भी सावन में कांवड़ियों को पानी और नींबू-शरबत बाँटा जाता है। यह दृश्य बरेली की "गंगा-जमनी तहज़ीब" का जीवंत उदाहरण है।
- स्थानीय निवासी सलीम बताते हैं , हमारे यहाँ कोई दीवार नहीं जो बांट सके। उर्स में पंडितजी भी आते हैं, और सावन में मौलवी साहब भी कांवड़ियों को आशीर्वाद देते हैं।
- इसी सौहार्द की वजह से नौमहला सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रतीक बन चुका है।

अमृत विचार

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

सभी जटिल चीजों में अराजकता अंतर्निहित है। दृढ़ता के साथ प्रयास करते रहो।

–महात्मा बुद्ध

सख्त संदेश के निहितार्थ

सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि मामूली फेरबदल करके सरकार हमारे आदेशों को निष्प्रभावी नहीं कर सकती, दरअसल अनुच्छेद 141 के तहत न्यायालय के आदेशों की बाध्यता और शक्ति को पुनः स्थापित करता है। यह निर्णय न केवल न्यायिक स्वतंत्रता बल्कि न्यायिक समीक्षा की संवैधानिक भूमिका को भी मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट को यह कठोर टिप्पणी इसलिए करनी पड़ी, क्योंकि ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट-2021 में सरकार ने ठीक वही प्रावधान दोबारा शामिल कर दिए थे, जिन्हें शीर्ष अदालत पहले ही खारिज कर चुकी थी। अदालत के अनुसार यह कदम उसकी अधिकारिता को कमजोर करने जैसा था। इसी कारण उसने पुनः स्पष्ट किया कि संविधान के मूल ढांचे के तहत न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायिक आदेशों की बाध्यता पर संसद हस्तक्षेप नहीं कर सकती। फैसले में अदालत ने ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट 2021 की कई प्रमुख धाराओं को असंवैधानिक घोषित किया। इनमें खासतौर पर ट्रिब्यूनल सदस्यों का कार्यकाल तय करना, न्यूनतम आयु नियत करना एवं सर्च-कम-सेलेक्शन कमेटी की सिफारिशों को बाध्यकारी न मानना था। अदालत को गंभीर आपत्ति इसलिए थी, क्योंकि इन धाराओं में बदलाव न्यायिक निकायों की आज़ादी को प्रभावित कर सकती थीं। कम अवधि का कार्यकाल सदस्यों को कार्यपालिका पर निर्भर बनाता है, न्यूनतम 50 वर्ष की आयु सीमा युवा और योग्य विशेषज्ञों को बाहर करती है और चयन समिति की भूमिका को कमजोर करने से नियुक्तियों में पारदर्शिता पर प्रश्न उठते हैं। सरकार ने वे प्रावधान पुनः जोड़ दिए थे, जिन्हें 2020 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किए थे। अदालत द्वारा इसे 'प्रत्यक्ष अवज्ञा' मान कर रद्द कर देना उचित है।

इस फैसले में सकारात्मक पहलू यह है कि अदालत ने ट्रिब्यूनल प्रणाली की स्वतंत्रता और दक्षता को प्राथमिकता दी, यानी वह प्रशासनिक ट्रिब्यूनलों को सरकार के प्रभाव से मुक्त रखना चाहता है, ताकि वे निष्पक्ष न्याय देने में सक्षम रहें। इससे भविष्य में ट्रिब्यूनलों की विश्वसनीयता और कामकाज दोनों बेहतर होंगे। यह फैसला सरकार को स्पष्ट संदेश देता है कि न्यायिक आदेशों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि संवैधानिक आवश्यकता है। इससे संसद और न्यायपालिका के बीच संस्थागत संवाद अधिक संतुलित होगा। निस्संदेह सरकार के लिए यह फैसला किसी झटके से कम नहीं, क्योंकि वह जिस संरचना को लागू करना चाहती थी, वह अब न्यायालय द्वारा पूरी तरह अस्वीकार कर दी गई है।

सरकार की प्रतिक्रिया शांत, संयत और संविधानसम्मत होनी चाहिए। उसे अदालत की टिप्पणियों को गंभीरता से लेते हुए ट्रिब्यूनलों के सुधार पर पुनर्विचार करना चाहिए। सरकार का अगला कदम यही होना चाहिए कि वह न्यायपालिका से संवाद कर एक व्यावहारिक, पारदर्शी और संविधान-सम्मत ढांचा तैयार करे। सहयोग और संवैधानिक मर्यादा के साथ ही ट्रिब्यूनल सुधारों का भविष्य सुरक्षित और प्रभावी बन सकता है, संसद और न्यायपालिका के बीच एक न्यायपूर्ण संबंध तथा संतुलन बनेगा।

प्रसंगवश

गौर करें, आपके आसपास कम हो रहे हैं पंछी

कभी मुंडेर पर कांव-कांव करने वाला कव्वा और आंगन में चीचीं करती नन्ही गौरैया कम हो रही है। पेस्टिसाइड और शहरीकरण ने हमारे आसपास के तमाम पंछियों को खत्म कर दिया है। आपको एक घटना बताती हूं। कुछ दिनों पहले मैंने अपने स्कूल में एक कौवा मरा पड़ा देखा। बहुत सामान्य सी बात है। मैंने भी इस बात पर बहुत ध्यान नहीं दिया। अगले दिन स्कूल में तीन कौवे मरे पड़े थे। थोड़ा अजीब लगा। बच्चे आपस में कुछ सुगबुगाहट कर रहे थे। मैंने पूछा, पर कुछ खास जवाब नहीं आया। तीन कौवे स्कूल में मरे पड़े हैं। अब यह बात थोड़ा ध्यान में रुक गई। अगले कुछ दिनों में मरे कौवो की संख्या बढ़ती ही गई।

मैंने कक्षा पांच के कुछ बच्चों से बात की। एक बच्चा प्रिंस बोला, ऐसी बात नहीं है मैडम! मेरे चाचा और पापा रात बात कर रहे थे। मैंने सुना वह लोग कह रहे थे खेतों में दवाई इस बार ज्यादा पड़ गई है। हम सब शांत हो गए। फिर मैंने प्रिंस से पूछा, कैसी दवाई? बच्चों की नादान बुद्धि के उत्तर आप भी सुनिए- खीरे को बड़ा करने की दवाई, कद्दू को जल्दी से फसल पर उतर लेने की दवाई, फसल में कीड़े लग जाने की दवाई। ऐसी बहुत सी दवाइयां मैडम हम डालते हैं। मैंने पूछा, तो कौवे क्यों मर रहे हैं? प्रिंस ने कहा, दवाई ज्यादा डल जाने से जान भी ले सकती है और कौवे मोर और चिड़िया यह सब खेत से सीधे अनाज, फल, सब्जी खाते हैं, तो दवाई से यह सब मर गए।

निवेदिता शर्मा

शिक्षिका

मैं सोच में पड़ गई कि बेजुबान जानवर इन दवाइयों का शिकार होकर मर रहे हैं और हम सबको खबर भी नहीं लग पा रही है। उससे भी बड़ी समस्या यह है कि लोग इस बड़ी समस्या को भी सामान्य मान रहे हैं। उनकी नजर में दवाई डालना एक बहुत ही सामान्य काम है। इस सामान्यीकरण से बच्चों के मानसिक और शारीरिक दोनों किस्म के विकास पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ रहा है ।

फसलों को कीट-पतंग, कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक का प्रयोग किया जाता है। यह कीटनाशक हमारे खाने के सहारे हमारे शरीर में धीरे-धीरे जमा हो जाते हैं और यह हमारे शरीर में जाकर सेंट्रल नर्वस सिस्टम को इफेक्ट करते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि लंग कैंसर, ब्लड कैंसर का कारण मुख्य रूप से पेस्टिसाइड्स ही हैं। पेस्टिसाइड्स वे दवाइयां हैं, जिन्हें फसलों में, खेतों में, कीटों चूहों आदि से बचाने के लिए डाला जाता है। जानने की बात यह है कि इन्हें खाकर चूहा या कीट भागते नहीं है बल्कि मर जाते हैं।

जरा सोचिए जब यही दवाई हमारे शरीर में जाती है तो कुछ तो असर करती ही होगी न। पेस्टिसाइड्स का प्रयोग हरित क्रांति के समय हुआ। उपज को बढ़ाने और मुनाफा कमाने के लक्ष्य ने इसे बढ़ावा दिया। पेस्टिसाइड्स प्रयोग करने की मात्रा, समय, सभी कुछ अच्छे से निर्देशित होने के बावजूद लाभ कमाने के लालच, जागरूकता की कमी की वजह से किसानों ने ताबड़तोड़ मात्रा में कीटनाशक का प्रयोग किया है।

केरल के कासर कोड की घटना की तरफ सबका ध्यान जाना जरूरी है। एक पेस्टिसाइड का स्प्रिंग काजू की खेती पर 25 साल तक लगातार उपयोग किया गया। डॉ. मोहन कुमार, कासर कोड में डॉक्टर के रूप में आए। उन्होंने देखा कि अधिकतर घरों में बच्चे न्यूरो प्रॉब्लम्स कैंसर, क्रॉनिक प्रॉब्लम्स से संबंधित बीमारियों से लंबे समय से जूझ रहे हैं। उन्होंने अपनी रिसर्च में पाया कि जो पेस्टिसाइड काजू की खेती पर छिड़का जा रहा था, वह धीरे-धीरे सबके शरीर में जमा होता चला गया और वह आने वाली पीढ़ी के लिए इतनी बड़ी समस्या का सबब बना।

डिजिटल अरेस्ट खौफ का दोहन करते अपराधी

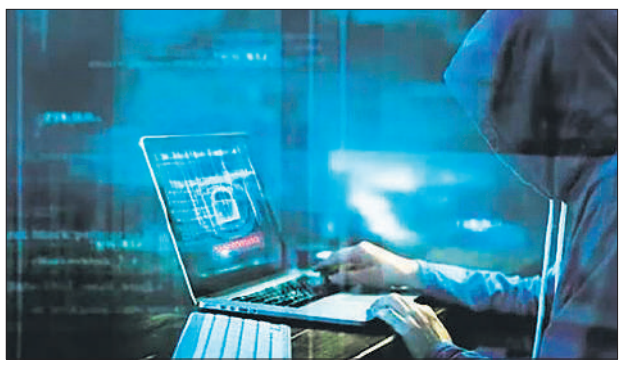

विवेक सक्सेना

अयोध्या

भारत में डिजिटल अरेस्ट एक खतरनाक साइबर अपराध के रूप में उभर रहा है। जो कि बेहद चिंताजनक है। साइबर अपराधी नए-नए तरीके से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। साइबर ठग लोगों को डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फंसा कर उनको डराते-धमकाते हैं। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग्स व अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हैं। डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फोन करने वाले कभी पुलिस, सीबीआई, नारकोटिक्स, आरबीआई और दिल्ली या मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर आत्मविश्वास से बात करते हैं। वॉट्सएप या स्काइप कॉल पर जब कनेक्ट करते हैं, तो आपको फर्जी अधिकारी एकदम असली से लगते हैं। वे लोग पीड़ित को इमोशनली और मेंटली टॉर्चर करते हैं। साइबर फ्रॉड के शिकार होने वालों में छात्रों से लेकर बुजुर्ग, होम मेकर्स से लेकर काम कामकाजी महिलाएं, किसान से लेकर आईटी सेक्टर में काम करने वाले और बड़े-बड़े पदों पर आसीन पेशेवर भी शामिल हैं। फ्रॉड करने के लिए ऐसे जाल-बिछाते हैं कि पढ़े-लिखे और जागरूक लोग भी उनके चंगुल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई के लाखों-करोड़ों गंवा देते हैं।

देश में तेजी से बढ़ रहे इस खतरनाक क्राइम को लेकर उच्चतम न्यायालय ने भी आश्चर्य जताते हुए कहा कि ऐसे अपराधियों से सख्ती से निपटे जाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि देशभर में वरिष्ठ नागरिकों समेत अन्य पीड़ितों से 3000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही की जा चुकी है।

2024 में डिजिटल अरेस्ट से 92,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए, जिनसे 1,616 करोड़ से अधिक की ठगी हुई। सुप्रीम कोर्ट और सरकार ने इस बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ी चिंता जताई है। अदालत ने सख्त कदम उठाने के लिए कहा। अपराधियों की रणनीति वीडियो कॉल, व्हाट्सएप कॉल, स्पूफ कॉल, फर्जी वेबसाइट आदि ये मुख्य तरीके हैं, जिनसे स्कैम चलाया जाता है। वरिष्ठ नागरिक, अकेले रहने वाले युवा, डिजिटल साक्षरता से दूर लोग इस अपराध के आसानी से शिकार बन रहे हैं। जागरूकता की कमी के चलते पढ़े-लिखे लोग भी इन जालसाजियों का शिकार हो जाते हैं। तकनीकी विकास के साथ-साथ टेक साक्षरता, जागरूकता और कड़े कानून का अनुपालन बेहद जरूरी है, वरना आम नागरिक भय, जानकारी की कमी और व्यवस्था के कमजोर पहलुओं के चलते बार-बार शिकार बनेंगे।

हाल ही में साइबर अपराध यानी हैकिंग से जुड़ी एक ग्लोबल रिपोर्ट सामने आई है, जिसने भारत को चिंता में डाल दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, हैकिंग के मामले में भारत, दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल हो गया है, जो कि डिजिटल सुरक्षा के लिहाज से एक गंभीर चेतावनी है। तीन वर्षों में महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश लगातार साइबर अपराध से सर्वाधिक प्रभावित शीर्ष दो राज्यों के रूप में स्थान पर रहे हैं। 2025 में, महाराष्ट्र साइबर अपराध के 1.6 लाख मामलों के साथ सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य होगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश (1.4 लाख) और कर्नाटक (एक लाख) का स्थान होगा।

इसी साल अगस्त में लखनऊ के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रुचिका टंडन को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण का अधिकारी बता फोन करने वाले ने सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 2.81 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। वर्धमान ग्रुप के चेयरपर्सन और पद्मश्री एसपी ओसवाल को भी साइबर ठगों ने सीबीआई अधिकारी बनकर फोन किया और एक पुराने मामले में अरेस्ट वारंट का हवाला देकर डरा-धमकाकर सात करोड़ रुपये ठग लिए। इससे पहले मुंबई निवासी 75 वर्षीय रिटायर्ड शिप कैप्टन को शेयर मार्केट में हाई रिटर्न दिलाने का झांसा देकर अगस्त 2024 से लेकर नवंबर 2024 के बीच 11.16 करोड़ रुपये की ठगी की गई। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक नाबालिग छात्र को भी साइबर ठगों ने कॉल कर अश्लील वीडियो देखने की धमकी देकर पैसों की मांग की। छात्र इतना डर गया कि उसने सुसाइड कर लिया। नोएडा सेक्टर 82 में रहने वाली एक महिला आईटी इंजीनियर को डिजिटल अरेस्टट कर 20 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। हाल में ही राजधानी दिल्ली के रोहिणी में रहने वाले एक 72 वर्षीय रिटायर्ड इंजीनियर को साइबर ठगों ने आठ घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी कर ली।

ये मामले सिर्फ बानगी भर हैं। सच तो ये है कि देश में रोज इस तरह के अपराध हो रहे हैं और डिजिटल अरेस्ट जैसी साइबर ठगी भारत की डिजिटल प्रणाली के सामने गंभीर चुनौती बन चुकी है। अदालत और नीति-निर्माताओं को फौरन कड़े कदम उठाने चाहिए। साथ ही, आमजन को भी सतर्क रहना और डिजिटल शिक्षा अपनाना जरूरी है। साइबर अपराध नियंत्रण के लिए (Indian Cyber Crime Coordination Centre) केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। भुक्तभोगियों को साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत रिपोर्ट करने की सलाह दी जाती है।

डिजिटल अरेस्ट की पहचान करने और बचने के लिए सतर्कता जरूरी है। आपके पास अनजान नंबर से फोन या वॉट्सएप कॉल आती है तो सावधानी बरतें। ध्यान रखें कि पुलिस अधिकारी कभी खुद की पहचान बताने के लिए वीडियो कॉल नहीं करेंगे। किसी भी राज्य की पुलिस आपको कभी कोई भी ऐप डाउनलोड करने को नहीं कहेगी। पहचान पत्र, एफआईआर की कॉपी और अरेस्ट वारंट ऑनलाइन नहीं भेजा जाता है। पुलिस अधिकारी कभी भी वॉयस या वीडियो कॉल पर बयान दर्ज नहीं कराते। देश के कानून में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है।

पूरी दुनिया डर के धंधे पर टिकी हुई है। इसी खौफ का दोहन कुछ शातिर अपराधी कर रहे हैं। जीवन को बर्बाद होने के डर की बड़ी कीमत साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट के नाम पर वसूल रहे हैं।

आमने

10,000 में क्या मिलता है? 10,000 में बिहार सरकार मिलती है। वे पैसे के बल पर जीते हैं। उन्होंने महिलाओं को खुलेआम पैसे दिए और महिलाओं ने उन्हें वोट दिया। अब सरकार को 'जीविका दीदी' को किए वादे को पूरा करना चाहिए।

–**मुकेश सहनी**, अध्यक्ष
विकासशील इंसान पार्टी

सामने

मैं समझती हूं कि इस प्रकार के अजीबोगरीब बयान नहीं देने चाहिए। इलेक्शन कमीशन देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने वाली सर्वप्रथम संस्था है। ऐसी संस्था के बारे में कहना राष्ट्रद्रोह जैसा है। उनको अपनी वाणी पर लगाम रखनी चाहिए।

–**अपर्णा यादव**, उपाध्यक्ष
उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग

होमवर्क में बदलाव से बढ़ेगी सीखने की भूख

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

पढ़ाई करते समय बच्चे अक्सर किसी टॉपिक को दोहरा कर सीखने की कोशिश करते हैं, जिसे कहते हैं कि रट-रट कर परीक्षा देने जाते हैं। जिसकी जितनी अच्छी रटने की शक्ति, उतना अच्छा वो उत्तर लिखता है और परिणाम के आधार पर बुद्धिमान बच्चा कहलाता है, पर गहराई से सोचें, क्या वह बच्चा वाकई में बुद्धिमान है? क्या सच में उसने कोई ऐसा ज्ञान अर्जित किया जो भविष्य में कभी उसके काम आएगा? जवाब है नहीं! ऐसे बच्चों की रटने की क्षमता तो बहुत अच्छी होती है, लेकिन वे जीवन के असल ज्ञान से वंचित रह जाते हैं और अपनी शिक्षा का उपयोग सही तरीके से नहीं कर पाते हैं।

शिक्षा का अर्थ है सीखना। स्कूल में पढ़ाई करने के पश्चात आपने ऐसा क्या सीखा जिसका उपयोग आप जीवन को सार्थक बनाने के लिए करते हैं! यही स्कूली शिक्षा का आधार है, इसलिए रटने से अच्छा है कि किसी बात को गहराई से समझें, जिससे वो बात आपके दिमाग में अच्छी तरह से बैठ जाए। पहले स्कूलों में होमवर्क का मतलब होता था, गणित के एक जैसे सवाल बार-बार हल करना या लंबा-लंबा निबंध लिखना, लेकिन अब यह बदल रहा है।

पूरे भारत की कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो 'होमवर्क' जैसे साधारण कार्य में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। यह अब बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है। शिक्षाविदों का कहना है कि 'होमवर्क', जो पहले रटने पर आधारित था, अब नीतिगत बदलावों, डिजिटल उपकरणों और नए शिक्षण तौर तरीकों से बदल रहा है। ये रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और छात्रों के कल्याण पर जोर देते हैं।

इसका मकसद छात्रों को सिर्फ पढ़ाई के लिए मजबूर करना नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया को मजेदार बनाना है। अब होमवर्क में सिर्फ याद करने के बजाय सोचने, समझने और नई चीजें बनाने पर जोर दिया जा रहा है। स्कूलों में बच्चों को प्रोजेक्ट बनाना, ग्रुप में काम करना और नयी जानकारी पर खोज करने जैसे काम दिए जा रहे हैं। इससे बच्चे अपने खुद के तरीके से सीखते हैं। इससे उनकी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है।

इस संदर्भ में देखा जाए तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के जरिये स्कूली छात्रों के होमवर्क में आ रहा बदलाव स्वागतयोग्य है, जिसमें रटने के बजाय सीखने पर ज्यादा जोर है। इस नीति में छात्रों पर शैक्षणिक बोझ कम करने तथा गतिविधि आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने की वकालत की गई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) समेत कई राज्य बोर्डों ने शिक्षकों से ऐसे होमवर्क देने को कहा है, जिन्हें करने में बच्चों को खुशी हो और उनमें प्रयोग करने की गुंजाइश हो।

ऐसे में, स्कूलों की कोशिश है कि छात्रों को होमवर्क में ही व्यस्त न रखा जाए। ज्यादातर स्कूल आज प्रोजेक्ट आधारित काम देने लगे हैं और बच्चों को सामुदायिक जुड़ाव वाली गतिविधियों में शामिल करने लगे हैं। छात्रों के होमवर्क को आसान और दिलचस्प बनाया जा रहा है, ताकि वे केवल किताबी कीड़ा बनकर न रह जाएं। जोर इस पर दिया जा रहा है कि छात्र चीजों के बारे में खुद से सोचने, समझने और उन्हें बनाने की कोशिश करें। इससे बच्चों की रचनात्मकता जागती है और उनमें सोचने की क्षमता बढ़ती है। दरअसल, छात्रों को मिल रहे भारी-भरकम होमवर्क से उनकी रचनात्मकता खत्म होने लगी थी और इसे लेकर देशभर में चिंता जताई जा रही थी।

वर्ष 2018 की वार्षिक शिक्षा स्थिति पर रिपोर्ट में पाया गया था कि 74 प्रतिशत शहरी छात्रों को दैनिक होमवर्क मिलता है, जिसमें उनके तीन से चार घंटे का समय चला जाता है, जबकि सीखने के मोर्चे पर उसका कोई विशेष लाभ नहीं होता। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने भी शिक्षकों को एक खास तरह का होमवर्क दिया था, जिसमें उन्हें छात्रों के साथ स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के अभियान से जोड़ा गया था, ताकि 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' को प्रेरणा मिल सके। यह बच्चों में देशभक्ति की भावना के साथ व्यावहारिक सोच बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा।

अमेरिका में नेशनल पीटीए (राष्ट्रीय अभिभावक शिक्षक संघ) और नेशनल एजुकेशन एसोसिएशन द्वारा बनाया गया '10-मिनट नियम' यह बताता है कि बच्चों को हर रात अपनी कक्षा के हिसाब से लगभग 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए। इसका मतलब है कि पहली कक्षा के बच्चों को 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए, जबकि बारहवीं क्लास के बच्चों को 120 मिनट तक 'होमवर्क' करना चाहिए। भारत में 'होमवर्क' की अवधारणा भले ही बदल गई हो, लेकिन असल में कई भारतीय छात्र अक्सर रोजाना 3-4 घंटे 'होमवर्क' करने में बिताते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि 'होमवर्क' की अवधारणा में बदलाव का एक कारण राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भी है, जो छात्रों पर पढ़ाई का बोझ कम करने और गतिविधियां आधारित सीखने को बढ़ावा देने पर जोर देती है। कई राज्य बोर्ड और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने इसके बाद परिपत्र जारी कर शिक्षकों से ऐसे काम देने को कहा है जो 'मनोरंजक, प्रायोगिक और व्यावहारिक हों।

कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो होमवर्क में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। अब यह बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है।

सोशल फोरम

एक छोटे से आविष्कार ने बदल दी दुनिया

वह 37 साल की उम्र में मर गया- कंगाल। भुला दिया गया, लेकिन आज भी, हर दिन, आप उसी की बनाई चीज पहनते हैं।1880 में एक जोड़ी जूते की कीमत इतनी थी कि उसे खरीदने के लिए आम परिवार एक हफ्ते की कमाई भी खर्च नहीं कर पाते थे। न तो चमड़ा कम था, न मोची लालची थे। समस्या थी एक असंभव सी प्रक्रिया, जिसे दुनिया का कोई भी आविष्कारक मशीन से नहीं कर पाया था। इसे कहा जाता था 'लास्टिंग'। जूते के ऊपरी हिस्से को उसके तले से जोड़ना। यह काम इतनी बारीकी, इतना कौशल मांगता था कि सिर्फ माहिर कारीगर ही कर सकते थे।

प्रशांत पांडेय

ब्लॉगर

वो भी दिन भर की मेहनत के बाद लगभग 50 जोड़ी जूते बना पाते। दर्जनों आविष्कारकों ने इस काम को मशीन से करवाने की कोशिश की, लेकिन सब असफल।

फिर एक युवा अश्वेत आप्रवासी एक लड़का, जो अंग्रेजी तक ठीक से नहीं बोलता था, ने ठान लिया कि वह इस असंभव को हल करेगा। जान एर्न्स्ट मैटजेलिगर का जन्म 1852 में सूरीनाम में हुआ। 19 साल की उम्र में वह जहाजों पर काम करने निकल पड़े। 21 की उम्र में वो अमेरिका के लिन, मैसाचुसेट्स पहुंचे, जो उस समय जूता उद्योग की राजधानी था। वहीं फैक्ट्री में काम करते हुए उन्होंने उस bottleneck को देखा जो पूरी इंडस्ट्री को जकड़े हुए था। उन्होंने देखा कि कोई यह मानने को तैयार नहीं था कि एक अश्वेत मजदूर वह कर सकता है जो दुनिया के दिमाग नहीं कर पाए।

उन्होंने अनुमति नहीं मांगी। बस शुरू कर दिया। 10–10 घंटे फैक्ट्री में काम और फिर रात में अपने छोटे कमरे में वापस आना। अंग्रेजी सीखना, मशीन ड्रॉइंग सीखना, इंजीनियरिंग सीखना। सब कुछ खुद, मोमबत्ती की रोशनी में। और फिर- मॉडल पर मॉडल बनाना, टूटना, फिर बनाना, फिर टूटना। 6 साल तक लगातार असफलताएं। निवेशक हंसते थे। साथी मजदूरों को भरोसा नहीं था और नस्लभेद के चलते हर दरवाजा उनके लिए बंद ही रहा। 20 मार्च 1883 को, अमेरिकी पेटेंट ऑफिस ने पेटेंट नंबर 274,207 उन्हें जारी किया। उनकी Lasting Machine काम कर गई। और सिर्फ ठीक ही नहीं, बल्कि क्रांतिकारी थी। जहां एक माहिर कारीगर 50 जोड़ी जूते बनाता था, मैटजेलिगर की मशीन 150 से 700 जोड़ी तक बनाती थी। तेज, सटीक, और बिना थके। कुछ ही सालों में जूतों की कीमत आधी हो गई। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

मुफ्त अनाज का वितरण और जनवादी डाटा

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज दिसंबर के बाद भी एक साल तक मिलता रहेगा। कथित गरीबों के लिए एक और सुखद खबर है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत दो रुपये किलो गेहूं और तीन रुपये किलो चावल के तौर पर जो अनाज उपलब्ध कराया जा रहा था, सरकार के रिकॉर्ड में जो लोग 'गरीब' के तौर पर दर्ज हैं, उनकी बल्ले-बल्ले हो गई है। दरअसल भारत सरकार का यह सरोकार नहीं है कि मुफ्त अनाज के कितने लाभार्थी ऐसे गेहूं, चावल को बाजार में बेच देते हैं, क्योंकि उन्हें वह अनाज 'घटिया' लगता है। मोदी सरकार अपना डाटा 'जनवादी' बनाए रखना चाहती है कि वह 81.35 करोड़ गरीब नागरिकों को बिल्कुल मुफ्त अनाज मुहैया करा रही है।

आकाश सपेलकर

अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

बेशक अर्थव्यवस्था पर इसके व्यापक विपरीत प्रभाव न पड़ें और वित्तीय घाटा भी परिधियों के बाहर न हो, लेकिन कुछ सवाल लगातार पूछे जा रहे हैं कि कोरोना-काल के बाद आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने के बावजूद मुफ्त अनाज बांटते रहना क्या और क्यों जरूरी है? यदि 81 करोड़ से अधिक लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज, प्रति व्यक्ति प्रति माह, मुहैया नहीं कराया जाएगा, तो क्या वे भूखे मर जाएंगे? क्या भारत में इतनी गरीबी और संभावित भुखमरी के हालात हैं?

तो फिर गरीबी उन्मूलन योजनाओं का क्या हो रहा है? निःशुल्क अनाज की अवधि बढ़ाने से देश के खजाने पर दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का जो अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, उसके फलितार्थ क्या होंगे? बहरहाल इन दोनों योजनाओं को मिला दें, तो करीब 10 करोड़ टन अनाज मुफ्त बांटना पड़ेगा। यह भारत के कुल अनाज उत्पादन का एक-तिहाई होगा। बीती पहली दिसंबर तक केंद्रीय पूल में, गेहूं और चावल के मौजूदा भंडारण, करीब 5.54 करोड़ टन थे। यह एक साल पहले के भंडारण की तुलना में एक-तिहाई से भी कम अनाज है। भारतीय खाद्य निगम के भंडारण में इतना भी अनाज नहीं है, जितना कोरोना-काल के लॉकडाउन के बाद था। उस अनाज को लोगों में वितरित किया गया। यह सवाल स्वाभाविक है कि सरकार कब तक मुफ्त अनाज बांटती रहेगी? कमोबेश यह गरीबी और बेरोजगारी का वैकल्पिक समाधान नहीं है।

दरअसल यह मोदी सरकार का राजनीतिक तौर पर बेहद चतुर निर्णय है। बेशक भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान मुफ्त अनाज मुहैया कराने का प्रचार करे या न करे, लेकिन प्रतीकात्मक तौर पर लोगों के मानस पर इसका प्रभाव रहता ही है। भाजपा कई चुनावों में इस फॉर्मूले को आजमा चुकी है। खासकर महिलाओं पर इस योजना का जबरदस्त सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। नतीजतन महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, असंतोष, सांप्रदायिकता आदि मुद्दों के बावजूद भाजपा को जनादेश मिलता रहा है।

राज्यों में चुनाव हैं और अधिकतर राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। राजनीतिक तौर पर भाजपा के लिए अग्नि-परीक्षा से कम दौर नहीं होगा, क्योंकि वहीं के जनादेश के आम चुनाव की पुख्ता जमीन तैयार हो सकती है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने पारित कराया था। उसके तहत तीन-चौथाई ग्रामीण और लगभग आधी शहरी आबादी को सबसिडी पर अनाज हासिल करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त हुआ था। मोदी सरकार ने इसे व्यापकता दी है। अब सबसिडी पर ही नहीं, बल्कि बिल्कुल मुफ्त अनाज हासिल किया जा सकता है। योजनाओं से कितनी 'काली भेड़ें' जुड़ी हैं, यह एक अलग सवाल है और इसका विश्लेषण किया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

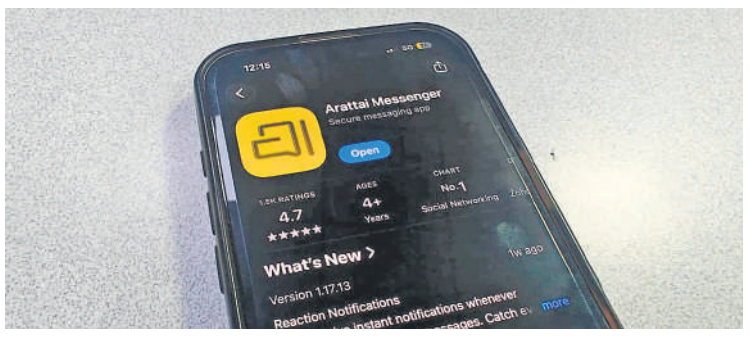

अरट्टई
डिजिटल संवाद का स्वदेशी अध्याय

भारत के डिजिटल परिदृश्य में इस समय एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में है- Zoho का 'अरट्टई' (Arattai) ऐप। सितंबर-अक्टूबर 2025 के बीच इसके डाउनलोड्स में अचानक उछाल आया और यह कुछ ही हफ्तों में ऐप स्टोर्स की शीर्ष सूची में जगह बना गया। 'अरट्टई' तमिल भाषा का शब्द है, जिसे 'गपशप' अथवा 'आकस्मिक बातचीत' के संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है। जनवरी 2021 में लॉन्च हुआ यह ऐप चार साल तक लगभग गुमनाम रहा, लेकिन अब "आत्मनिर्भर भारत" की नई लहर के बीच यह भारतीय तकनीक का प्रतीक बनकर उभरा है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

Zoho की साख और आत्मनिर्भर भारत की भावना

Zoho उन कुछ भारतीय कंपनियों में है, जो बिना विदेशी निवेश के वैश्विक पहचान बना चुकी है। संस्थापक और सीईओ श्रीधर वेम्बू के नेतृत्व में चेन्नई मुख्यालय वाली यह कंपनी बीते दो दशकों से विश्व स्तर पर सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (SaaS) क्षेत्र में भारत की पहचान रही है। इसके 55 से अधिक प्रोडक्ट्स- जैसे Zoho Mail, Zoho CRM, Zoho Books, Zoho Workplace और Zoho Cliq दुनियाभर के तमाम देशों में उपयोग किए जाते हैं। हाल में Zoho एक बड़ी खबर यह भी आई कि केंद्र सरकार के कई विभागों और निकायों ने NIC से Zoho Mail पर डेटा माइग्रेशन शुरू किया है, ताकि देशी सर्वरों पर होस्टेड और अधिक सुरक्षित ईमेल व्यवस्था स्थापित की जा सके। इससे कंपनी की साख को और मजबूती दी और यह दिखाया कि भारत अब वैश्विक विकल्पों पर निर्भर रहने के बजाय अपनी तकनीकी क्षमता पर भरोसा करने लगा है। ऐसे में जब इसी कंपनी ने एक मैसेजिंग ऐप पेश किया, तो स्वाभाविक रूप से लोगों में उत्सुकता बढ़ी। अरट्टई को आज के डिजिटल भारत की नई कहानी बनाने और इस अप्रत्याशित उछाल के पीछे भारतीय तकनीकी कंपनियों पर भरोसा, विदेशी ऐप्स के प्रति सतर्कता, डेटा सुरक्षा को लेकर बढ़ती जागरूकता जैसे कारक तो हैं ही, लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका वैश्विक अनिश्चितताओं, जैसे कि तकनीक की उपलब्धता अथवा टैरिफ संकट से भरे माहौल में 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी' अपनाने की अपील ने निभाई है।

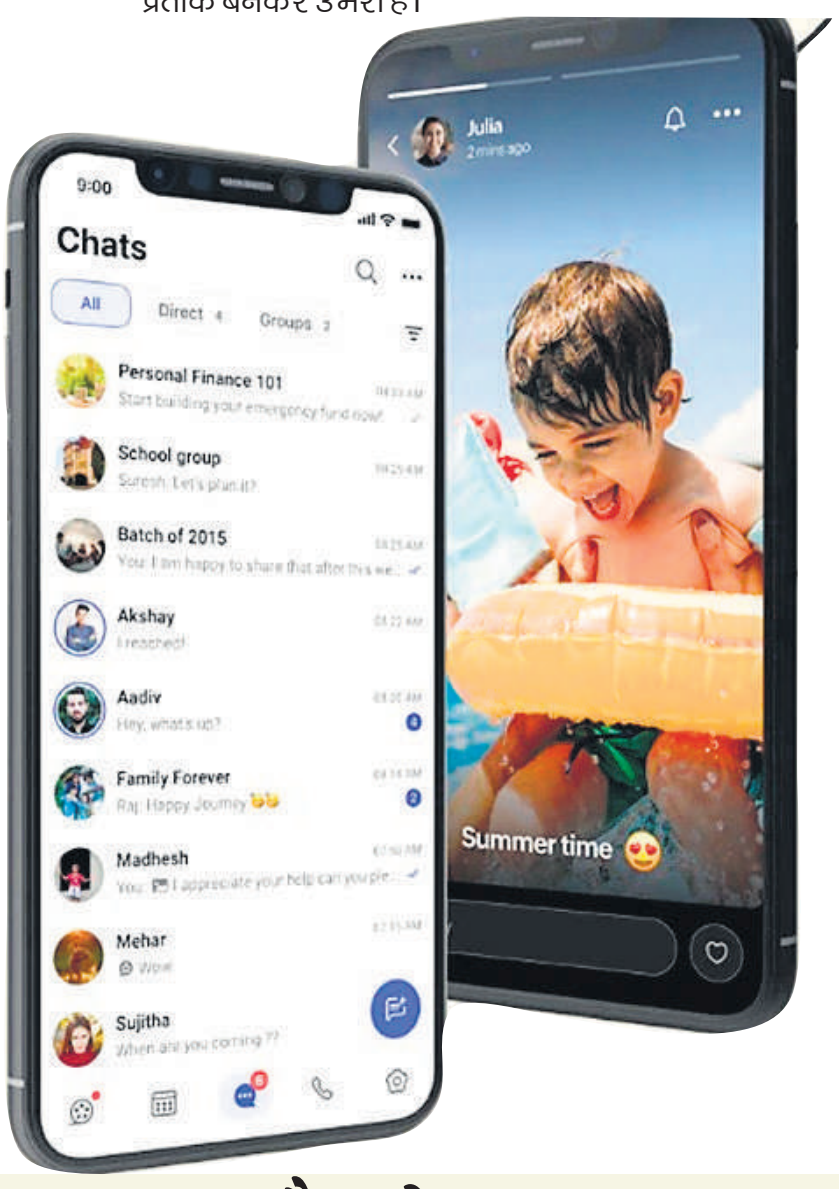

लोकप्रियता की रफ्तार और शुरुआती तकनीकी झटके

सितंबर 2025 में अरट्टई की लोकप्रियता इतनी तेजी से बढ़ी कि Zoho के सर्वरों को भी संभलने का मौका नहीं मिला। लाखों की तादाद में नए उपयोगकर्ता जुड़ने लगे और उसके साथ सामने आईं OTP में देरी, कॉल में लैग और सिंक की समस्याएं। यह दौर हर उभरते प्लेटफॉर्म के लिए सीख का होता है। तेजी से आगे बढ़ने के साथ स्थायित्व का संतुलन जरूरी है। Zoho ने भी सर्वर क्षमता बढ़ाकर स्थिति संभाली।

क्या बनाता है अरट्टई को अलग

Zoho ने अरट्टई को केवल चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि एक समग्र संचार मंच के रूप में विकसित किया है। इसके फीचर्स इस दिशा को स्पष्ट करते हैं-

- **पॉकेट- आपकी निजी डिजिटल तिजोरी-** इस फीचर में आप अपने नोट्स, फोटो, वीडियो और दस्तावेज सुरक्षित रख सकते हैं, जो लोग WhatsApp पर खुद को मैसेज भेजकर चीजें सहेजते हैं, उनके लिए यह सुविधा गेमचेंजर साबित हो सकती है।
- **मीटिंग्स टैब- वीडियो कॉल का नया रूप-** बिना Zoom या Google Meet जैसे अलग ऐप्स पर जाए, अरट्टई में ही सीधे वीडियो मीटिंग्स आयोजित की जा सकती है।
- **मेंशन्स टैब-** इस टैब में वे सभी चैट्स एक जगह मिलती हैं, जिनमें उपयोगकर्ता को टैग या उल्लेख किया गया है। यह व्यस्त पेशेवरों के लिए राहत का फीचर है।
- **Android TV पर उपलब्धता-** मोबाइल और लैपटॉप/डेस्कटॉप के साथ अरट्टई Android TV पर भी उपलब्ध है, अर्थात संवाद का दायरा घर के बड़े पर्दे तक पहुंच गया है।

डेटा सुरक्षा पर कंपनी का भरोसा

Zoho ने स्पष्ट किया है कि अरट्टई पर कोई विज्ञापन नहीं होगा, डेटा किसी को नहीं बेचा जाएगा और भारतीय उपयोगकर्ताओं का डेटा भारत के सर्वरों (मुंबई, दिल्ली, चेन्नई) में ही रखा जाएगा। हालांकि फिलहाल टेक्स्ट चैट्स के लिए पूर्ण एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन लागू नहीं हुआ है, लेकिन कंपनी का कहना है कि यह सुविधा जल्द ही जोड़ी जाएगी और इसके लिए एक सुरक्षा श्वेतपत्र जारी किया जाएगा। यह कदम डेटा पारदर्शिता की दिशा में एक मजबूत संकेत है, जो उपयोगकर्ताओं में विश्वास को और बढ़ाने में मदद कर सकता है।

भविष्य की दिशा: संवाद से भुगतान तक

खबरों के अनुसार Zoho अब 'Zoho Pay' नाम से UPI भुगतान सेवा भी लाने की तैयारी में है। यदि यह सेवा भविष्य में अरट्टई से जुड़ती है, तो ऐप चैट्स, मीटिंग्स और पेमेंट्स तीनों को एकीकृत अनुभव के रूप में पेश कर सकेगा। इससे अरट्टई सिर्फ चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि भारत का पहला संपूर्ण डिजिटल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म बन सकता है। हालांकि इसके साथ नई जिम्मेदारियां भी आएंगी- वित्तीय सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और नियामक पालन की।

Hike और Koo की यादें, पर एक नया सलीका

भारत ने इससे पहले भी स्वदेशी सोशल ऐप्स की लहर देखी है। Hike मैसेंजर और Koo जैसे प्लेटफॉर्म एक समय खासी चर्चा में रहे, पर समय के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के सामने कमजोर पड़ते गए और अंततः बंद हो गए। उनका अनुभव सिखाता है कि भावनाओं का ज्वार शुरुआत करा सकता है, पर स्थायित्व के लिए उपभोक्ताओं का भरोसा, दीर्घकालिक टिकाऊ बिजनेस मॉडल और निरंतर सुधार बेहद जरूरी हैं। Zoho के पास अनुभव और संसाधन हैं और यही अरट्टई की सफलता में सबसे बड़ी ताकत साबित हो सकते हैं।

डिजिटल परिपक्वता की मिसाल

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल "डिजिटल आत्मनिर्भरता" की बातें नहीं कर रहा, बल्कि उसे जी रहा है। यह दिखाता है कि भारतीय कंपनियां न सिर्फ तकनीकी रूप से सक्षम हैं, बल्कि अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने को भी तैयार हैं। भरोसा, सुरक्षा और निरंतर सुधार यही वे तीन स्तंभ हैं, जिन पर कोई भी डिजिटल मंच स्थायी बन सकता है। यदि अरट्टई इन तीनों कसौटियों पर खरा उतरा, तो यह केवल एक ऐप नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल आत्मविश्वास की पहचान बनेगा।

भरोसे से बनेगा स्वदेशी नवाचार का भविष्य

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई की सफलता यह साबित कर सकती है कि स्वदेशी नवाचार अब भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक और विश्वसनीय दिशा ले चुका है। यह ऐप भारत के डिजिटल भविष्य की उस कहानी का हिस्सा है, जहां आत्मनिर्भरता सिर्फ विचार नहीं, व्यवहार बन चुकी है।

रोचक किस्सा

पैरासेल्सस

पैरासेल्सस पुनर्जागरण काल के उन विलक्षण व्यक्तित्वों में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपने समय की सीमाओं से आगे बढ़कर ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किए। 16 वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में उन्होंने फेरारा विश्वविद्यालय से चिकित्सा में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की, जो उस दौर में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी। आज उन्हें आधुनिक विषविज्ञान का जनक कहा जाता है, परंतु उनका व्यक्तित्व इससे कहीं अधिक विस्तृत था। वे न सिर्फ एक प्रख्यात चिकित्सक थे, बल्कि वनस्पतिशास्त्र और गूढ़ विद्याओं के भी गंभीर अध्ययनकर्ता रहे। यही गूढ़ रुचियां, उन्हें कई ऐसे प्रयोगों की ओर ले गईं, जो आज हमें अविश्वसनीय प्रतीत होते हैं। उनके सबसे चर्चित विचारों में से एक था- होमुनकुलस की कल्पना। पैरासेल्सस का दावा था कि मनुष्य का वीर्य, यदि उसे उचित गर्मी प्रदान की जाए और मानव रक्त से पोषित किया जाए, तो उसमें एक सूक्ष्म मानव यानी होमुनकुलस विकसित किया जा सकता है। उन्होंने इस प्रक्रिया के कथित चरणों

को विस्तार से लिखा, ताकि कोई भी इच्छुक व्यक्ति इस "निर्माण" को आजमा सके। उनके अनुसार, लोककथाओं में वर्णित परियां, दैत्य और अन्य रहस्यमय जीव भी इसी प्रकार की प्राकृतिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न हुए होंगे। हालांकि उस युग में विज्ञान अभी विकसित हो ही रहा था, फिर भी पैरासेल्सस की यह अवधारणा अत्यंत विचित्र मानी जाती थी। वैज्ञानिक समझ की सीमाओं और गूढ़ विश्वासों की मिश्रित दुनिया में जन्मे ये विचार आज हमें और भी असंगत एवं कल्पनाप्रधान लगते हैं। बावजूद इसके, पैरासेल्सस जैसे विचारकों ने इतिहास को यह सिखाया कि ज्ञान की खोज कभी रैखिक नहीं होती। कभी-कभी अजीब प्रयोग ही भविष्य की वैज्ञानिक सोच की नींव तैयार कर जाते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

तारों की बदलती स्थितियां
पृथ्वी के अक्ष दोलन का अद्भुत प्रभाव

पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है। पृथ्वी के दोलन का काल 26 हजार वर्ष का है। पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है और इसका वर्तमान झुकाव 23.44 डिग्री है। दरअसल इन दिनों पृथ्वी के घूर्णन और दोलन में आए बदलाव के कारण माना जा रहा है कि हमारी राशियों में भी बदलाव आ चुका है। राशियों का विषय ज्योतिषियों का है और राशियों में बदलावों को लेकर दुनिया के कई देशों में इन दिनों जबरदस्त चर्चा चल रही है। बहरहाल इस आलेख का आधार ज्योतिष न होकर खगोलीय विज्ञान आधार है। पृथ्वी तथा अन्य खगोलीय पिंडों की गति के आधार पर तमाम कैलेंडर प्रचलित हैं, जिसमें प्राचीन भारत में शुरू 27 नक्षत्रों पर आधारित पंचांग भी है। इन सबसे परे खगोल विज्ञान वैज्ञानिक दृष्टि से तारों और नक्षत्रों की गणना व उनका अध्ययन करता है। नक्षत्रों की स्थिति में बदलाव पृथ्वी के अक्ष के दोलन और उसके झुकाव के कारण होता है। पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है अर्थात पूरे दोलन का काल 26 हजार वर्ष है।

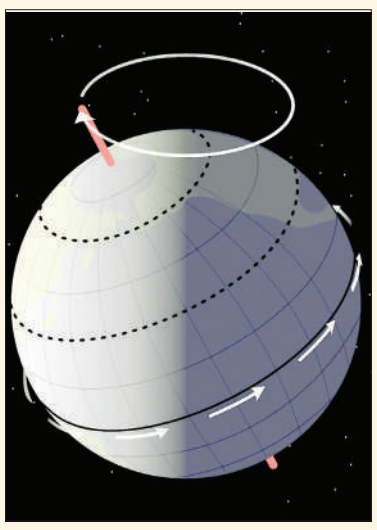

पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है। इसका एक उदाहरण मकर संक्रांति की तारीख में 14 से 15 जनवरी का बदलाव है। वर्तमान में यह झुकाव 23.44 डिग्री है और यह झुकाव धीरे-धीरे बदलता जाएगा। नक्षत्रों की अपनी परस्पर स्थिति में परिवर्तन हजारों-लाखों वर्ष में आता है। वर्तमान में पृथ्वी का झुकाव 23.44 डिग्री है, जिसे हम सब बचपन से 23.5 डिग्री सुनते आए हैं। पृथ्वी का अक्षीय झुकाव स्थिर नहीं रहता है और लगभग 41 हजार वर्षों के लंबे चक्र में 22.1 और 24.5 डिग्री के बीच दोलन करता रहता है। पृथ्वी के झुकाव में परिवर्तन की दर लगभग 46.8 आर्क सेकंड प्रति शताब्दी है। 25 शताब्दियों की गणना के अनुसार 1170 आर्क सेकेंड का अंतर यानी 0.325 डिग्री का अंतर आया है। 2500 वर्षों की अवधि में प्राकृतिक चक्र के कारण होने वाला बदलाव बहुत छोटा है, एक अंश मात्र भर है।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

ध्रुव तारा भी नहीं है स्थिर

नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव कहते हैं कि ध्रुव तारे के एक स्थान पर स्थिर होने की कहानी हम सब जानते हैं, लेकिन पृथ्वी के झुकाव में बदलावों के कारण पृथ्वी के सापेक्ष वर्तमान में उत्तर में नजर आने वाला ध्रुव तारा भी स्थिर नहीं है। पृथ्वी के अक्षीय दोलन के कारण हजारों वर्ष पूर्व तथा भविष्य में कोई अन्य तारा पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव के ऊपर होगा और ऐसा भी समय होगा, जब कोई ध्रुव तारा नहीं होगा। 14000 वर्ष पूर्व तथा 11700 वर्ष भविष्य में वेगा नामक एक चमकदार तारा ध्रुव तारे का स्थान लेगा।

जंगल की दुनिया

तकाहे

दक्षिण द्वीप का तकाहे पक्षी, जो केवल न्यूजीलैंड में पाया जाता है, दुनिया की सबसे बड़ी जीवित रेल प्रजाति है। कभी इसे पूरी तरह विलुप्त मान लिया गया था, लेकिन 1948 में मर्चिसन पर्वतों में इसकी चमत्कारिक पुनर्खोज ने सभी को अचंभित कर दिया। आज इनकी संख्या धीरे-धीरे बढ़कर 400 से थोड़ी अधिक हो गई है। यह उत्साहजनक वृद्धि एक विशेष और सुव्यवस्थित संरक्षण कार्यक्रम का परिणाम है, जो अभयारण्यों और प्राकृतिक आवास दोनों में इनकी आबादी को बढ़ाने में मदद कर रहा है।

हालांकि तकाहे का स्वरूप रेल परिवार की एक अन्य सामान्य प्रजाति पूकेको से मिलता-जुलता है, फिर भी नजदीक से देखने पर इनके बीच का अंतर स्पष्ट हो जाता है। पूकेको पतले होते हैं, उड़ सकते हैं और बहुत बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। इसके विपरीत, तकाहे अधिक भारी-भरकम होता है, उड़ानहीन होता है और इसके पंख गहरे, चमकीले नीले और हरे रंगों की इंद्रधनुषी आभा से भरपूर होते हैं, जो इसे देखने में बेहद आकर्षक बनाते हैं। इन सभी विशेषताओं के कारण तकाहे न केवल एक जैविक दुर्लभता है, बल्कि प्रकृति की दृढ़ता और पुनर्जीवन की अद्भुत क्षमता का जीवंत प्रतीक भी है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,632.68	26,192.15
बढ़त	446.21	139.50
प्रतिशत में	0.52	0.54

सोना 1,26,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,58,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आईटीसी ने सीएसई से अपने शेयर हटाए

नई दिल्ली। विविध कारोबार करने वाली कंपनी आईटीसी ने कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) से अपने शेयर को स्वेच्छा से हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। आईटीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि सीएसई ने 20 नवंबर 2025 से आईटीसी के साधारण शेयर को अपनी आधिकारिक एक्सचेंज सूची से स्वैच्छिक रूप से हटाने की मंजूरी दे दी है। यह ध्यान देने योग्य है कि कंपनी के साधारण शेयर, एनएसई और बीएसई पर अब भी सूचीबद्ध हैं। आईटीसी के निदेशक मंडल ने 30 अक्टूबर को हुई बैठक में सेबी (शेयर डीलिस्टिंग) विनियम, 2021 के विनियम 5 व 6 के तहत सीएसई से कंपनी के साधारण शेयर को स्वैच्छिक रूप से हटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी।

आईपीओ से पैजसन एग्रो इंडिया जुटाएगा धन

नई दिल्ली। पैजसन एग्रो इंडिया ने एसएमई श्रेणी में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए बीएसई लिमिटेड से सैद्धांतिक मंजूरी मिलने की गुरुवार को जानकारी दी। आईपीओ दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार, यह 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले 63.09 लाख से अधिक शेयर के नए निर्गम पर आधारित है। नए निर्गम से हासिल 57 करोड़ की शुद्ध आय का उपयोग आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में दूसरा काजू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के शेयर को बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

वैल्यू 360 को एसएमई आईपीओ की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। एकीकृत संचार कंपनी वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस लि. को एनएसई से अपने इक्विटी शेयरों को बाजार के एसएमई मंच...इमर्ज पर सूचीबद्ध कराने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। पब्लिक रिलेशन समेत संचार के अन्य कार्यों से जुड़ी कंपनी ने गुरुवार को कहा कि यह मंजूरी सभी नियामक आवश्यकताओं और जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करने पर निर्भर है। वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस ने जुलाई में कंपनी से जुड़ी जानकारी को लेकर विवरण पुस्तिका जमा की थी। यह सैद्धांतिक मंजूरी उसके बाद एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक कुणाल किशोर इस मंजूरी की जानकारी दी है।

केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- रुपये के लिए किसी भी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाया, डॉलर की मांग से गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने गुरुवार को कहा कि केंद्रीय बैंक ने रुपये के लिए किसी भी स्तर का लक्ष्य नहीं बनाया है और घरेलू मुद्रा में हाल में आई गिरावट की वजह डॉलर की मांग में तेजी है।

गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का काफी अच्छा भंडार है और बाह्य क्षेत्र को लेकर चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स में वीकेआरवी राव स्मृति व्याख्यान में मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रणाली में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है और केंद्रीय बैंक जहां तक संभव हो, आवश्यक सुरक्षा उपायों एवं सुरक्षा-व्यवस्था को बनाए रखते हुए विनियमनों को सरल बनाने का प्रयास कर रहा है।

● मल्होत्रा बोले- आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है

डॉलर के मुकाबले रुपये के अवमूल्यन से जुड़े सवाल पर उन्होंने विश्वास जताया कि भारत, अमेरिका के साथ एक अच्छा व्यापार समझौता करेगा और इससे देश के चालू खाता शेष पर दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रुपये का हालिया अवमूल्यन व्यापारिक गतिविधियों और अमेरिकी शुल्क मुद्दों के कारण है। मल्होत्रा ने कहा कि हम किसी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाते। रुपये में गिरावट क्यों आ रही है? ऐसा मांग के कारण है...यह एक वित्तीय साधन है। डॉलर की मांग है और यदि डॉलर की मांग बढ़ती है तो रुपये में गिरावट आती है। यदि रुपये की मांग बढ़ती है तो डॉलर में गिरावट आती है और रुपया मजबूत होता है। अमेरिकी मुद्रा में व्यापक मजबूती एवं अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की कम होती संभावनाओं के बीच रुपया गुरुवार को 23 पैसे टूटकर 88.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से जुड़े ब्योरे में दिसंबर में नीतिगत दर में कटौती न करने का संकेत मिलने के बाद डॉलर में तेजी आई है और यह 100 के स्तर के पार पहुंच गया। इससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े एक अन्य सवाल के जवाब में गवर्नर ने कहा कि जिस तरह से भारतीय बैंक प्रदर्शन कर रहे हैं, बहुत जल्द उनमें से कुछ शीर्ष 100 वैश्विक ऋणदाताओं में शामिल होंगे।

दुनिया की शीर्ष 100 बैंकों की सूची में जल्दी होंगे भारतीय बैंक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आर्थिक विस्तार और बैंकिंग प्रणाली में वृद्धि की गति को देखते हुए, भारत के और भी घरेलू बैंक जल्द ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में शामिल होंगे। मल्होत्रा ने छात्रों को बताया कि कहा कि आरबीआई भारत के कई बड़े बैंकों को वैश्विक सूची में शामिल नहीं कर सकता। जबकि इसमें उन्हें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र में कई बैंक हैं। जिस गति से वे बढ़ रहे हैं, मुझे लगता है कि यह केवल समय की बात है कि दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में हमारे कई बैंक शामिल होंगे। वर्तमान में, केवल भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी बैंक ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में शामिल हैं। ये दोनों बैंक क्रमशः 43वें और 73वें स्थान पर हैं। इस महीने की शुरुआत में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में रिजर्व बैंक और वित्तीय संस्थानों के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने कहा था कि यह मौजूदा बैंकों से नए बैंक बनाने से नहीं हो सकता... विलय भी एक रास्ता हो सकता है। सही मायने में आपको एक ऐसे परिवेश की जरूरत है जिसमें ज्यादा बैंक काम कर सकें और आगे बढ़ सकें। भारत में यह माहौल पहले से ही अच्छी तरह से स्थापित है, लेकिन मुझे और ज्यादा गतिशील होने की जरूरत है...।

भारत में इजरायली कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर : गोयल

तेल अवीव, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के काफी अवसर हैं और दोनों देशों के उद्योग बुनियादी ढांचे के विकास, विनिर्माण और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं।

गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों में वित्तीय प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, औषधि, अंतरिक्ष और रक्षा शामिल हैं। उन्होंने इजराइल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के साथ भारत-इजराइल व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच असीमित संभावनाएं और क्षमताएं हैं। यह पहली बार है जब कोई भारतीय वाणिज्य मंत्री इजराइल की यात्रा कर रहा है। गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और कंपनी प्रमुखों से मिलेंगे। मंत्री ने कहा कि कई ऐसी चीजें हैं जो भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं। इनमें लोकतंत्र, जनसंख्या संबंधी लाभांश, डिजिटलीकरण, तेज गति विकास और निर्णायक नेतृत्व हैं।

अक्टूबर में स्थिर रहा आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी

● वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

रिफाइनरी उत्पादों तथा इस्पात के उत्पादन में वृद्धि तथा बिजली और कोयला उत्पादन में गिरावट के मिश्रित प्रभाव से अक्टूबर में आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन इस साल अक्टूबर में सालाना आधार पर स्थिर रहा।

अगस्त 2024 के बाद पहली बार आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन शून्य या उससे कम रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर 2024 की तुलना में इस साल रिफाइनरी उत्पादों, उर्वरकों, इस्पात और सीमेंट का उत्पादन बढ़ा है जबकि कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और बिजली के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गयी है। रिफाइनरी का उत्पादन 4.6%, इस्पात का 6.7, सीमेंट का 5.3 और उर्वरकों का 7.4% बढ़ा है। वहीं, बिजली उत्पादन में 7.6 और कोयला उत्पादन में 8.5% की गिरावट आई। प्राकृतिक गैस का उत्पादन 5 और कच्चे तेल का 1.2% घट गया। इससे पहले, सितंबर 2025 में 8 प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में 3.3 और पिछले साल अक्टूबर में 3.8% की गिरावट रही थी। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर की अवधि के लिए सालाना उत्पादन में 2.5% की वृद्धि हुई। इस्पात उत्पादन 10.3 प्रतिशत, सीमेंट उत्पादन 7.3, रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन 0.4 और उर्वरक उत्पादन 0.7% बढ़ा है। वहीं, कोयला उत्पादन में 2, कच्चा तेल में 1.1, प्राकृतिक गैस 3.1 और बिजली में 0.1% की गिरावट रही।

कृषि क्षेत्र 10 साल में 4% की वृद्धि बनाए रख सकता है : नीति सदस्य

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने गुरुवार को कहा कि भारत का कृषि क्षेत्र 10 साल में आसानी से 4% की वृद्धि दर बनाए रख सकता है। उन्होंने साथ ही देश की गोदाम अवसंरचना को बेहतर बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

उद्योग निकाय पीएचडीसीसीआई के कार्यक्रम में चंद ने कहा कि कृषि उत्पादों की मांग 2.5% की दर से बढ़ेगी। इसलिए, मुझे लगता है कि हम 10 साल में कृषि क्षेत्र में इस 4% की वृद्धि को आसानी से बनाए रख सकते हैं। भारत के कृषि क्षेत्र ने 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान 3.7% की वृद्धि दर्ज की। चंद ने कहा, हमारे कृषि उत्पादों की मांग उस दर से नहीं बढ़ रही है। इन उत्पादों का इस्तेमाल उद्योग के लिए करें, या निर्यात बाजार के लिए करें।

व्यय के रिकॉर्ड को समान वर्गीकरण व्यवस्था अपनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

● केंद्र और राज्यों से लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाने की कैग ने दी सलाह

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने केंद्र और सभी राज्यों से सरकारी खर्चों को दर्ज करने के लिए मानक श्रेणियों का उपयोग शुरू करने को कहा है। इसका मकसद वित्त वर्ष 2027-28 तक पूरे देश में लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाना है। कैग का यह कदम व्यय मदों को अलग-अलग दिखाने को लेकर राज्यों के बीच व्यापक अंतर को दूर करने का प्रयास है।

उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सरकारी लेखा) और चेयरपर्सन (जीएएसएबी) जयंत सिन्हा ने कहा कि यह मामला कई पक्षों का ध्यान आकर्षित कर रहा था। साथ ही विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ-साथ केंद्र सरकार के साथ तुलना को भी प्रभावित कर रहा था। कैग ने अलग-अलग स्तर पर व्यय मदों की एक सामान्य सूची अधिसूचित की है। इसे सामान्य तौर पर विभिन्न श्रेणियों में व्यय कहा जाता है। आर्थिक प्रकृति के व्यय को अलग दिखाने में व्यापक विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ केंद्र सरकार के साथ तुलनाओं को भी प्रभावित करती है। अतः, केंद्र और राज्य सरकारों के व्यय के वर्गीकरण के मानकीकरण की जरूरत महसूस की गई है।

कैग कार्यालय द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया के तहत, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, कुछ राज्य सरकारों, लेखा महानियंत्रक और रक्षा लेखा महानियंत्रक के अधिकारियों को लेकर एक कार्यसमूह का गठन किया गया। कैग के कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है, कार्यसमूह की सिफारिशों और इस मुद्दे पर वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, भारत सरकार के साथ बातचीत के आधार पर, यह निर्णय लिया गया है कि केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों पर लागू एक समान व्यय मदों की संरचना लागू की जा सकती है। इसमें कहा गया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा लागू की जाने वाली सामान्य मदों की संशोधित सूची को तैयारियों के स्तर को ध्यान में रखते हुए अपनाया जा सकता है। तरजीही रूप से वित्त वर्ष 2027-28 से प्रभावी होना चाहिए।

सिन्हा ने कहा कि व्यय के वस्तु मदों को सुसंगत बनाने वाली कैग की अधिसूचना राज्यों के बजट और लेखा ढांचे को प्रभावित करने वाले दशकों पुराने मुद्दे का समाधान करेगी और राष्ट्रीय सार्वजनिक व्यय क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार होगा। विशेष रूप से राज्यों में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करना कैग की रणनीतिक योजना का एक प्रमुख हिस्सा है। उच्च गुणवत्ता वाले लेखा परीक्षण और लेखांकन के माध्यम से जवाबदेही, पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा देने और सभी हितधारकों को स्वतंत्र आश्वासन प्रदान करने के कैग के मिशन का अभिन्न अंग है।

राष्ट्रीय

बुद्धिजीवी आतंकवादी बन रहे जो अधिक खतरनाक होते हैं

पुलिस ने टिप्पणी करते हुए आरोपियों की जमानत का किया विरोध

दिल्ली दंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को फरवरी 2020 के दंगों के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में कहा कि जब बुद्धिजीवी आतंकवादी बन जाते हैं तो वे जमीनी स्तर पर गतिविधियां संचालित कर रहे आतंकवादियों से अधिक खतरनाक होते हैं। पुलिस ने कहा कि डॉक्टरों और इंजीनियरों का देश विरोधी कामों में शामिल होना अब एक चलन बन गया है।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ को बताया कि सुनवाई में देरी आरोपियों की वजह से हुई है और वे इसका फ़ायदा नहीं उठा सकते। राजू ने नागरिकता संशोधन कानून के ख़िलाफ़ इमाम के भड़काऊ भाषणों के वीडियो शीर्ष अदालत में दिखाए। वीडियो में इमाम को फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से पहले 2019 और 2020 में चाखंड, जामिया, अलीगढ़ और आसनसोल में भाषण देते हुए देखा गया। इमाम इंजीनियरिंग स्नातक है। राजू ने कहा कि यह कोई साधारण नहीं है। ये हिंसक प्रदर्शन हैं। वे नाकेबंदी की बात कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति कुमार ने पूछा कि क्या भाषण आरोपपत्र का हिस्सा थे, जिसका राजू ने 'हां' में जवाब दिया। एएसजी ने कहा कि सीएए विरोधी प्रदर्शन को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान जानबूझकर किया गया था ताकि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया जा सके। असल मकसद सत्ता परिवर्तन और अर्थव्यवस्था का गला घोंटना और देश में अराजकता पैदा करना था। खालिद, इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर और रहमान पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत 2020 के दंगों के मास्टरमाइंड होने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से ज्यादा घायल हो गए थे। यह हिंसा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन के दौरान भड़की थी।

अब 61 वर्ष में सेवानिवृत्ति होंगे न्यायिक अधिकारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 60 से बढ़ाकर 61 वर्ष कर दी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने एक अंतरिम आदेश में तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा लिए गए इसी तरह के एक फैसले का हवाला दिया। पीठ ने पूछा कि जब राज्य सरकार ऐसा करने को तैयार है तो न्यायिक अधिकारियों को राहत देने से क्यों इन्कार किया जाए। पीठ ने कहा कि यह कहने की जरुरत नहीं है कि न्यायिक अधिकारियों के साथ राज्य सरकार के अन्य कर्मचारी भी उसी सरकारी खजाने से वेतन प्राप्त करते हैं। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष है। न्यायालय ने कहा कि किसी भी मामले में हाईकोर्ट के न्यायाधीशों और जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु में एक वर्ष का अंतर होता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं और अब मध्य प्रदेश में जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 61 वर्ष होगी।

राहुल के खिलाफ अधीनस्थ अदालत की कार्यवाही पर रोक की बढ़ी अवधि

सेना पर की टिप्पणी का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने के अपने अंतरिम आदेश की अवधि को बृहस्पतिवार को चार दिसंबर तक बढ़ा दिया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि स्थगन के लिए एक पत्र दिया गया है। यह पीठ गांधी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने इस मामले में अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के 29 मई के आदेश को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने चार अगस्त को लखनऊ की एक अदालत में लंबित मामले में आगे की कार्यवाही पर सुनवाई की अगली तारीख तक रोक लगा दी थी। पीठ ने गांधी से उनकी कथित टिप्पणी को लेकर पहले कहा था, आपको कैसे पता चला कि 2,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है? उसने कहा, बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।

दो विधायकों का मंत्री बनना पिता के सपने का सच होना : चिराग

पटना, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा)-रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार की नई सरकार में उनकी पार्टी के दो विधायकों को जगह मिलना एक बड़ी जीत है, जिसका सपना उनके दिवंगत पिता राम विलास पासवान ने देखा था।

चिराग ने कहा कि चुनावी जनादेश ने पार्टी पर विकसित बिहार की दिशा में काम करने की बड़ी जिम्मेदारियां भी सौंपी हैं। आज का दिन राम विलास पासवान जी को याद करने का है और बिहार को विकसित बनाने के लिए काम करने का है। यह बड़ा दिन है और इस दिन मैं सबसे पहले अपने नेता व पिता माननीय राम विलास पासवान जी को याद करता हूं। लोजपा (रामविलास) ने विधानसभा चुनाव में 19 सीट पर जीत हासिल की, जिनमें से संजय कुमार और संजय कुमार सिंह ने गुरुवार को मंत्री पद की शपथ ली। चिराग ने कहा कि मुझे पता है कि आज वह (राम विलास पासवान) सबसे ज्यादा खुश होते, जिस ऊंचाई पर वह हमारी पार्टी को देखना चाहते थे, आज पार्टी वहां पहुंची है। आज हमारी पार्टी के दो मंत्रियों ने शपथ ली। परिणाम बताते हैं कि पार्टी ने निश्चित रूप से बड़ी जीत हासिल की है। और मेरा मानना है कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारियां भी आती हैं। मैं उन जिम्मेदारियों से पूरी तरह अवगत हूं।

उन्होंने कहा कि पार्टी अब अपने विजन को पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू करेगी। चिराग ने कहा कि आज से ही विकसित बिहार बनाने, बिहार को प्रथम और बिहारी को प्रथम बनाने की दिशा में हम तुरंत कार्य शुरू करेंगे। राजग सरकार में भाजपा के 89, जदयू के 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के पांच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमा) के चार विधायक शामिल हैं।

नीतीश मंत्रिपरिषद में हुई जातीय संतुलन साधने की कोशिश

पटना। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और नई मंत्रिपरिषद में जातीय आधार पर संतुलन साधने की पूरी कोशिश की गई है। मंत्रिपरिषद में भाजपा से जहां 14 मंत्री हैं, वहीं जदयू को आठ मंत्री पद मिले हैं। लोजपा (रामविलास) को दो तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) को एक-एक मंत्री पद मिला है। मंत्रिपरिषद में ब्राह्मण समुदाय की हिस्सेदारी में काफी कमी देखने को मिली है। पिछली मंत्रिपरिषद में भाजपा ने मंगल पांडे और नीतीश मिश्रा को शामिल किया था, लेकिन इस बार भाजपा और जदयू ने ब्राह्मण प्रतिनिधित्व को आधे से भी कम कर दिया है। भाजपा की ओर से केवल मंगल पांडे को जगह मिली है। राजपूत समुदाय को इस बार सर्वाधिक प्रतिनिधित्व मिला है। भाजपा ने संजय सिंह टाइगर, श्रेयसी सिंह, लेसी सिंह और संजय सिंह जैसे चार नेताओं को शामिल कर अपने पारंपरिक समर्थन आधार को मजबूत करने का संकेत दिया है। भूमिहार समुदाय के दो प्रमुख चेहरों में विजय कुमार सिन्हा और विजय चौधरी के माध्यम से गठबंधन ने संतुलन बरकरार रखा है। इससे यह संदेश गया है कि यह समुदाय अब भी सत्ता समीकरण में महत्वपूर्ण है। कायस्थ समुदाय का प्रतिनिधित्व शहरी राजनीति के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है। भाजपा ने नितिन नवीन को मंत्री बनाकर राजधानी पटना तथा शिक्षित मध्यमवर्गीय मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया है।

बिहार की नई सरकार विकसित भारत में देगी योगदान: जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ लेने पर बधाई दी और कहा कि उन्हें भरोसा है कि राज्य में नई राजग सरकार राज्य की तरक्की को तेज़ करेगी और देश को विकसित भारत बनाने में मदद करेगी। विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर पुनः शपथ लेने पर दिल से बधाई। उप मुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा और आज पद संभालने वाले सभी मंत्रियों को शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि नयी राजग सरकार बिहार की तरक्की को तेज़ करेगी और विकसित भारत की हमारी यात्रा में योगदान देगी।

नई सरकार लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतररक वादों को करे पूरा : तेजस्वी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विपक्षी दलों का कोई प्रमुख नेता शामिल नहीं हुआ। तेजस्वी ने एक्स पर नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। राजद नेता ने कहा, नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी तथा लोगों के जीवन में सकारात्मक और गुणात्मक परिवर्तन लाएगी।

हिंसा छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ रहे नक्सली : मुर्मू

अंबिकापुर, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं तथा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव होगा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह में मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समाज को दूसरे अन्य समाजों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुसंगठित प्रयासों से निकट भविष्य में ही वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा। यह एक बहुत ही संतोषजनक बदलाव है। राष्ट्रपति ने कहा कि 1.65 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हाल ही में आयोजित बस्तर ओलंपिक में हिस्सा लिया। यह बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है जनजातीय महानायकों के आदर्शों पर चलते हुए, छत्तीसगढ़ के निवासी सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अमूल्य योगदान देंगे। मुर्मू ने कहा कि महिलाएं समाज की धरोहर हैं और जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज आगे बढ़ता है।

● छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को राष्ट्रपति ने किया संबोधित

मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में भारतीय महिला विश्व कप जीतने वाली क्रिकेट टीम के साथ हाल ही में हुई मुलाकात को याद करते हुए आदिवासी महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ की तारीफ की। मातृ-शक्ति या महिला-शक्ति के स्मरण से मुझे विश्व विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की याद आई। उन सभी बेटियों से मैं हाल ही में राष्ट्रपति भवन में मिली थी। जनजातीय समाज की बेटी क्रांति गौड़ ने उस टीम में अपना विशेष स्थान बनाया है।

दिल्ली में एक्यूआई बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता सातवें दिन भी बेहद खराब रही। गुरुवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 398 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार, 40 में से 21 केंद्रों पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। डीटीयू, बुराड़ी, चांदनी चौक, आनंद विहार, मुंडका, ओखला, बवाना और वजीरपुर उन केंद्रों में थे जहां एक्यूआई 400 से ऊपर रहा। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री रहा, अधिकतम 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ट्रंप ने किए एपस्टीन की फाइलें जारी करने के विधेयक पर हस्ताक्षर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को उस विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए, जो उनके प्रशासन को यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइल सार्वजनिक करने के लिए बाध्य करता है। ट्रंप ने लंबे समय तक इसका विरोध किया था लेकिन अंततः अपनी ही पार्टी के राजनीतिक दबाव के आगे झुक गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस विधेयक पर हस्ताक्षर करने की घोषणा करते हुए लिखा, डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एपस्टीन मुद्दे का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि हमारी अद्भुत सफलताओं से ध्यान भटकाया जा सके। अब इस विधेयक के तहत न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़ी सभी फाइल, संचार और 2019 में एक संघीय जेल में उसकी मौत की जांच से संबंधित जानकारी 30 दिन के भीतर जारी करनी होगी।

भारत-पाकिस्तान की नौसेना के जहाज कोलंबो बंदरगाह पहुंचे

कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सुकन्या 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' के लिए कोलंबो बंदरगाह पहुंच चुका है। 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' का अर्थ उस प्रक्रिया से है जिसमें किसी जहाज को अभियानगत कार्यों को पूरा करने के बाद फिर तैयार किया जाता है, ताकि वह आगे की यात्रा या मिशन के लिए पुनः उपयोग में लाया जा सके। आईएनएस सुकन्या मंगलवार को कोलंबो पहुंचा, जहां श्रीलंका की नौसेना ने परंपराओं के मुताबिक उसका स्वागत किया। आईएनएस सुकन्या कमांडर संतोष कुमार वर्मा की कमान में कोलंबो पहुंचा। इस जहाज की लंबाई 101 मीटर है। इस बीच, उसी दिन ईंधन भरवाने के लिए श्रीलंका पहुंचा पाकिस्तानी नौसेना का जहाज सैफ बुधवार को रवाना हो गया।

दक्षिण कोरिया में 267 यात्रियों को ले जा रहा जहाज समुद्र में फंसा

सोल। दक्षिण कोरिया के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में बुधवार को 267 यात्रियों को ले जा रहा एक यात्री जहाज फंस गया। समाचार एजेंसी योनहास के मुताबिक स्थानीय समयानुसार कल रात 8:17 बजे (1117 जीएमटी) तट रक्षक बल को सूचना मिली कि 246 यात्रियों और 21 चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रहा जहाज राजधानी सोल से लगभग 310 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में सिनान काउंटी के एक द्वीप के पास फंस गया है। यह जहाज दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप जेजू से रवाना होकर दक्षिण-पश्चिमी बंदरगाह शहर मोकपो की ओर जा रहा था।

प्रतिबंध लागू होने से पहले अपना डेटा सुरक्षित कर लें सभी किशोर

- ऑस्ट्रेलिया में 10 दिसंबर से शुरू होगा सोशल मीडिया पर प्रतिबंध

मेलबर्न। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा ने बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया के हजारों किशोर उपयोगकर्ताओं को दो हफ्तों में अपनी डिजिटल 'हिस्ट्री' डाउनलोड करने तथा फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स से अपना खाता हटाने की चेतावनी भेजनी शुरू कर दी है। यह कदम दुनिया में पहली बार लागू होने वाले उस सोशल मीडिया प्रतिबंध से पहले उठाया गया है, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के खाते बंद किए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने दो सप्ताह पहले घोषणा की थी कि मेटा के तीनों मंचों फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स के साथ ही स्नैपचैट, टिकटॉक, एक्स और यूट्यूब को भी 10 दिसंबर से 16 वर्ष से कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई खाता धारकों को हटाने के लिए कदम उठाने होंगे।कैलिफोर्निया स्थित मेटा ने बृहस्पतिवार को किशोर खाता धारकों को एसएमएस और ईमेल भेजकर चेतावनी दी कि चार दिसंबर से संदिग्ध नाबालिग उपयोगकर्ताओं की इन मंचों तक पहुंच रोक दी जाएगी। मेटा ने एक बयान में कहा, 'हम आज से प्रभावित किशोरों को सूचित करना शुरू कर रहे हैं ताकि वे अपने संपर्कों और यादों को सुरक्षित कर सकें।' मेटा ने यह भी कहा कि इस अवधि में किशोर उपयोगकर्ता अपनी संपर्क जानकारी अपडेट कर सकते हैं ताकि 16 वर्ष के होने पर वे अपना खाता पुनः सक्रिय करा सकें।

सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा

दुनिया की प्रमुख चिकित्सा पत्रिका लैंसेट में प्रकाशित एक ताजा रिसर्च में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के बढ़ते खतरों के प्रति आगाह किया गया है। दुनिया के जाने-माने चिकित्सा विशेषज्ञों की रिसर्च पर आधारित इस रिपोर्ट के मुताबिक अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के बढ़ते उपयोग की वजह से दुनिया भर में मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग, अवसाद और अन्य गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। युवावस्था में हृदय की बीमारियां और हार्ट अटैक के पीछे भी अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की प्रमुख भूमिका है। लैंसेट में प्रकाशित रिपोर्ट में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के लगातार बढ़ते खतरों पर सरकारों की गैरजिम्मेदारी का भी प्रमुखता से उल्लेख है जो खतरों की जानकारी होने के बावजूद निहित स्वार्थों की वजह से अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड पर कोई भी पाबंदी लगाने या नीति बनाने में गंभीरता नहीं दिखातीं।

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

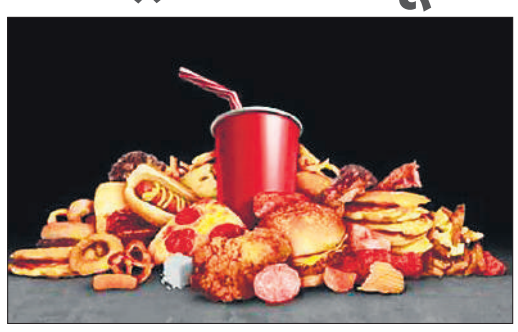

भारत में कितना बड़ा खतरा

- मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग, अवसाद जैसी तमाम गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। समय से पहले मृत्यु का भी जोखिम काफी बढ़ा है।
- पुरुषों में मोटापे का प्रतिशत 12% से 23% और महिलाओं में 15% से 24% तक बढ़ा है। मोटापे की वजह से भी बीमारियां शिकार बना रही हैं।
- शरीर में सूजन को बढ़ाते हैं, जिससे कैंसर, टाइप-2 डायबिटीज और किडनी से संबंधित गंभीर बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है।
- दुनिया में भारत जैसे देश इन उत्पादों के लिए बड़े बाजार बन गए हैं, और ये देश वैश्विक व्यापार समझौते भी प्रतिबंधों को मुश्किल बनाते हैं।

चिकित्सा विशेषज्ञों के सरकार को सुझाव

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के सेवन को कम करने और लोगों की पारंपरिक, कम प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की ओर वापसी को बढ़ावा देने के लिए सरकारों को कड़े स्वास्थ्य नीतिगत कदम उठाने चाहिए। रिपोर्ट में स्वास्थ्य और पोषण नीति निर्धारकों को हालात बेकाबू होने की भी चेतावनी दी गई है।

बच्चों के लिए ज्यादा गंभीर

- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में एक्स्ट्रा नमक, चीनी, खराब तेल, आर्टिफिशियल रंग, फ्लेवर, प्रिजर्वेटिव्स तथा एडिटिव्स शामिल होते हैं।
- लैंसेट की रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने कहा है कि ये घटक बच्चों की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास को प्रभावित करते हैं।
- लगातार सेवन से कुपोषण, माइक्रोन्यूट्रिएंट की कमी, मोटापा, आंतों के असंतुलन, नींद की समस्या, डिप्रेशन जैसे जोखिम बढ़ते है।

सरकारें क्यों बेपरवाह

- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड बनाने वाली कंपनियां बड़ा आर्थिक योगदान करती हैं जिसकी वजह से सरकारें प्रतिबंध लगाने से हिचकिचाती हैं।
- बड़ी खाद्य कंपनियां अपनी पहुंच और आर्थिक शक्ति का उपयोग लॉबिंग के लिए करती हैं, जिससे सरकारी नीतियां प्रभावित होती हैं।

बढ़ता कारोबार

- भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की सेल 2006 से 2019 तक लगभग 40 गुना बढ़ गई है और इन वर्षों में 0.9 बिलियन डॉलर से बढ़कर 38 बिलियन डॉलर हो गई है।
- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में बहुत अधिक स्वाद और कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जाता है, जो बच्चों को खासतौर पर लुभाते हैं।
- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड उत्पाद सुविधाजनक हैं, क्योंकि इन्हें बनाना नहीं पड़ता और ये आसानी से हर जगह उपलब्ध होते हैं।
- भारत जैसे देशों में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड ताजे और स्वस्थ भोजन की तुलना में सस्ते होते हैं। लोग इस कारण भी इन्हें खरीदते हैं।
- आकर्षक और रंगीन पैकेजिंग के साथ भ्रामक दावों के साथ उत्पादों की मार्केटिंग की जाती है। लोग इनके पीछे छिपे स्वास्थ्य खतरों को नहीं समझ पाते।

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन

सीओपी 30 में भारत ने रखा पक्ष, कहा- उत्सर्जन न्यूनीकरण में ये ढांचा सफल

बेलेम (ब्राजील), एजेंसी

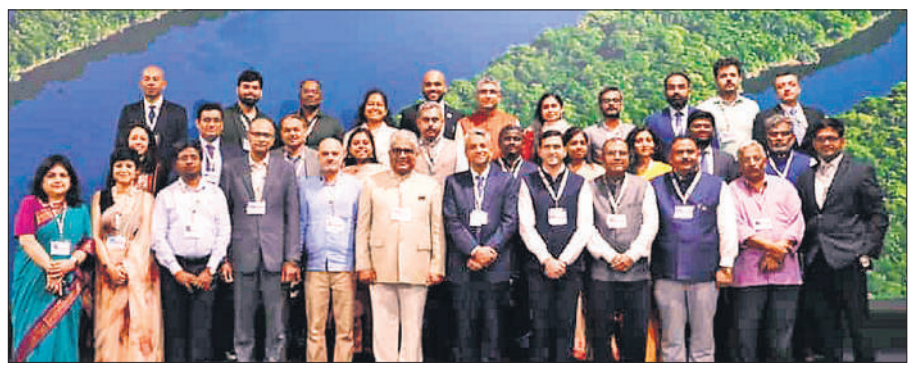

ब्राजील के बेलेम में आयोजित सीओपी 30 सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अगुवाई में पहुंचा भारतीय दल।

भारत ने कहा कि संयुक्त क्रेडिटिंग तंत्र (जेसीएम) वैश्विक स्तर पर न्यायसंगत एवं व्यापक जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरा है। यह उन्नत निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है और भारत के उत्सर्जन लक्ष्यों को समर्थन दे सकता है।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि यहां सीओपी 30 के इतर 11वें जेसीएम साझेदार देशों की बैठक में कहा, जेसीएम जैसे तंत्र जलवायु कार्रवाई को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं विशेषकर विकासशील देशों के हितों को भी समर्थन देते हैं। जेसीएम जैसे सहयोगी ढांचे भारत की तरह देशों की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप वैश्विक उत्सर्जन न्यूनीकरण प्रयासों को मजबूत करते हैं।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जेसीएम अनुच्छेद 6 के सहयोगात्मक ढांचे के अनुरूप है और सरकारों तथा निजी क्षेत्र को संयुक्त रूप से उत्सर्जन-न्यूनन परियोजनाएं विकसित करने, वित्त जुटाने, उन्नत तकनीक लागू करने और उत्सर्जन कटौती को पारदर्शी ढंग से आवंटित करने का मार्ग प्रदान करता है। भूपेंद्र यादव ने सभी देशों से जेसीएम को पारदर्शी, प्रभावशाली और न्यायसंगत जलवायु साझेदारी का मॉडल बनाने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन के अंतर्गत होने वाले वार्षिक सीओपी30 में 190 से अधिक देशों के वार्ताकार भाग ले रहे हैं। सीओपी30 का आयोजन ब्राजील के अमेजन क्षेत्र के बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक हो रहा है।

जेसीएम में 31 देश साझीदार, 280 परियोजनाएं

सत्र की अध्यक्षता करने वाले जापान के पर्यावरण मंत्री हिरोताका इशिहारा ने बताया कि जेसीएम अब 31 साझेदार देशों तक विस्तृत हो गया है और पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के तहत 280 से अधिक परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। जापान का लक्ष्य है कि इस सहयोग को दीर्घकालिक निवेश, क्षमता निर्माण और लचीलापन परियोजनाओं के माध्यम से और बढ़ाया जाए। भारत और जापान ने इस वर्ष अगस्त में जेसीएम पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। जेसीएम एक तंत्र है जिसमें भारत और जापान जैसे देश मिलकर कम-कार्बन तकनीक वाली परियोजनाएं लगाते हैं। इन परियोजनाओं से होने वाली उत्सर्जन कमी को दोनों देश क्रेडिट के रूप में बांटते हैं ताकि अपने-अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा कर सकें। यह स्वच्छ तकनीक, निवेश और सहयोग को बढ़ावा देता है।

लूला के साथ जीवाश्म ईंधन के खात्मे पर चर्चा

बेलेम। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उन जरूरी मुद्दों पर चर्चा की जिन पर वार्ताकार अंतिम रूपरेखा तैयार करने के लिए गहन चर्चा कर रहे हैं। दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन पर एक संभावित रूपरेखा को लेकर चर्चा की और पता लगाया कि क्या इस शिखर सम्मेलन में इससे जुड़ा कोई खाका पेश किया जा सकता है। राष्ट्रपति सीओपी30 में इस विषय पर काफी जोर दे रहे हैं। बंद कमरे में हुई यह बैठक करीब 20 मिनट चली और इस बातचीत के दौरान दोनों तरफ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अमेरिका में कुशल प्रवासियों का स्वागत, इस पर आलोचना झेलने को तैयार : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ऐसे कुशल प्रवासियों का देश में स्वागत करेंगे जो अमेरिकी श्रमिकों को चिप और मिसाइल जैसे जटिल उत्पाद बनाने की तकनीक सिखाएंगे। ट्रंप ने यह भी माना कि इस मुद्दे पर उन्हें अपने उस समर्थक वर्ग से थोड़ी आलोचना झेलनी पड़ सकती है, जो कड़ी आव्रजन पाबंदियों का समर्थन करता है।

ट्रंप ने बुधवार को अमेरिका-सऊदी अरब निवेश मंच को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में बड़ी संख्या में संयंत्र बन रहे हैं जिनमें कई बेहद जटिल कार्यों से जुड़े हैं और वे देश की आर्थिक वृद्धि में बड़ा योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि इन संयंत्रों में टेलीफोन, कंप्यूटर और मिसाइल जैसे अत्यधिक जटिल उत्पाद बनाए जाएंगे इसलिए कंपनियों को विदेशों से कुशल कर्मियों को लाना होगा जो अमेरिकी श्रमिकों को प्रशिक्षण दे सकें।

नेपाल: जेन जी फिर आक्रामक बारा जिले में दोबारा लगा कर्फ्यू

काठमांडू, एजेंसी

- ओली की पार्टी के कार्यकर्ताओं से झड़प में 10 घायल, आगजनी और गोलीबारी भी हुई

नेपाल के एक जिले में बृहस्पतिवार को उस समय नए सिरे से तनाव पैदा हो गया, जब जेन जी के युवाओं की अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी के सदस्यों के साथ झड़प में 10 लोग घायल हो गए। इसके बाद अधिकारियों को भारत की सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फिर से कर्फ्यू लगाना पड़ा।

'काठमांडू पोस्ट' की अखबार के अनुसार, बारा जिले के सिमारा चौक पर उस समय तनाव बढ़ गया जब युवक ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के साथ झड़प के एक दिन बाद सड़कों पर लौट आए। उन्होंने पुलिस पर बुधवार की झड़पों को लेकर अपनी शिकायत में नामित व्यक्तियों को गिरफ्तार नहीं करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी पूर्वाह्न 11 बजे से सिमारा चौक पर एकत्र हुए। बारा में प्रशासन ने जान-माल के संभावित नुकसान को रोकने के लिए दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू लगा दिया था। समाचार पोर्टल 'खबरहब' के अनुसार, हालांकि, निषेधाज्ञा लागू नहीं हो पाई और प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और पुलिस से भिड़ गए।

प्रदर्शनकारियों द्वारा कर्फ्यू का उल्लंघन किए जाने और आगे बढ़ने पर अधिकारियों ने आंसू गैस के छह गोले दागे और हवा में दो चक्र गोलियां चलाईं।कहा गया, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर पथराव भी किया, जिसमें छह पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि जेन जी के चार प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की खबर है। पोर्टल के अनुसार, एक अलग घटना में, जेन जी के प्रदर्शनकारियों ने सिमारा बाजार में पुलिस चौकी में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने यूएमएल कार्यालय का सामान भी हटा दिया और उसे आग लगा दी। उन्होंने पुलिस पर पहले हुई झड़पों में शामिल यूएमएल कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने में आनाकानी करने का आरोप लगाया।

350% टैरिफ लगाने की धमकी दी तो मोदी-शरीफ ने मुझे किया फोन

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- ट्रंप ने एक बार फिर किया भारत पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का दावा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने भारत एवं पाकिस्तान को 350 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी देकर उनके बीच जारी हमलों को रुकवाया था और इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन करके कहा था कि 'हम युद्ध नहीं करेंगे।' ट्रंप अब तक 60 से अधिक बार इस दावे को दोहरा चुके हैं कि उन्होंने इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव शांत करने में मदद की जबकि भारत किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के दावे को लगातार नकारता रहा है।

ट्रंप ने बुधवार को कहा, ...मैं झगड़े सुलझाने में अच्छा हूं और हमेशा से ऐसा रहा हूं। मैंने पिछले कुछ साल में, यहां तक कि इससे पहले भी इस दिशा में बहुत अच्छा काम किया है। मैं अलग-अलग लड़ाइयों के बारे में बात कर रहा हू।. भारत, पाकिस्तान परमाणु हथियारों से हमले करने वाले थे। ट्रंप ने 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में दावा किया कि उन्होंने परमाणु हथियार रखने वाले दोनों पड़ोसी देशों से कहा था कि वे युद्ध जारी रख सकते हैं लेकिन मैं दोनों देशों पर 350 प्रतिशत टैरिफ लगा रहा हूं। 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी शामिल हुए। ट्रंप के अनुसार, उन्होंने दोनों देशों से कहा था, मैं नहीं चाहता कि आप लोग एक-दूसरे के खिलाफ परमाणु हथियार का इस्तेमाल करें, लाखों लोगों को मारें और लॉस एंजिलिस पर परमाणु धूल उड़े। ट्रंप ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों ने उनसे ऐसा नहीं करने के लिये कहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने फोन करके कहा, हम युद्ध नहीं करेंगे। इसके बाद उन्होंने मोदी को धन्यवाद दिया।

अब सूडान में गृहयुद्ध समाप्त कराएंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह अब सूडान में जारी भीषण गृहयुद्ध को समाप्त करने में मदद पर अधिक ध्यान देने की योजना बना रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को व्हाइट हाउस में सऊदी अरब के शासक के साथ हुई विस्तृत बातचीत में सूडान के गृहयुद्ध पर चर्चा की। क्राउन प्रिंस ने उनसे अनुरोध किया कि वह अपने पद की शक्ति व प्रभाव का उपयोग कर युद्ध को समाप्त करने में मदद करें। सूडान पर नियंत्रण के लिए जारी संघर्ष में 40,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 1.4 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जिससे यह विश्व का सबसे बड़ा मानवीय संकट बन गया है।

बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम सरकार की बहाली का आदेश दिया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने किसी राजनीतिक दल के प्रति झुकाव नहीं रखने वाली अंतरिम सरकार को बहाल करने का बृहस्पतिवार को आदेश दिया।

प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय के शीर्ष अपीलीय प्रभाग ने यह आदेश जारी किया। इस आदेश में पिछले संवैधानिक प्रावधान को बहाल किया, जिसे अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के दौरान रद्द कर दिया गया था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय के फैसले में इस प्रणाली को धीरे-धीरे लागू करने की बात कही गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह योजना 13वें संसदीय चुनावों पर लागू नहीं होगी, जिससे अब प्रतिबंधित हो चुकी अवामी लीग चुनाव की दौड़ से बाहर हो जाएगी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार प्रणाली की शुरूआत 1996 में हुई थी और उसके बाद दो सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीशों की निगरानी में हुए दो चुनावों में 90 दिनों के भीतर विजेता को सत्ता हस्तांतरित कर दी गई।

फैसले के अनुसार, मुहम्मद यूनुस की मौजूदा अंतरिम सरकार फरवरी में प्रस्तावित चुनाव की देखरेख करेगी, जबकि उसके बाद का चुनाव बहाल की गई कार्यवाहक सरकार प्रणाली के तहत होगी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- ऑस्ट्रेलियन समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ बैठक में बोले जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जिनमें व्यापार तथा निवेश, रक्षा तथा सुरक्षा, शिक्षा तथा कौशल, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष तथा ऊर्जा शामिल हैं। जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ यहां 16वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता की अध्यक्षता की।

जयशंकर ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा, हम अपने प्रधानमंत्रियों को जो सिफारिशें देंगे, वे उनके लिए महत्वपूर्ण होंगी, जिन्हें वे शीघ्र ही मिलने पर संज्ञान में रखेंगे। जयशंकर की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण अफ्रीका द्वारा आयोजित 20वें जी-20 समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 21 से 23 नवंबर तक जोहान्सबर्ग की यात्रा पर रहेंगे। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की वेबसाइट पर जारी एक बयान के अनुसार वह 20 से 22 नवंबर तक जी-20 समूह के नेताओं के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की यात्रा करेंगे। कहा गया है कि दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए, अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक और रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए विश्व के अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 14.47 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

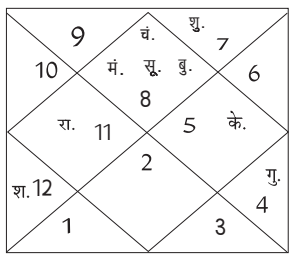

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अनुराधा 13.56 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष - आज व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च हो सकता है। अनावश्यक बातों पर त्वरित प्रतिक्रिया न दें। कार्यक्षेत्र को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। अपनी बातों को अच्छी तरह रख नहीं पाएंगे। म्युचुअल फंड आदि में किया गया निवेश लाभकारी सिद्ध होगा।

वृष - आज सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। थोड़ी मेहनत से आपको अधिक अच्छे परिणाम मिल जाएंगे। पैतृक कारोबार में विस्तार हो सकता है। घर में किसी प्रकार के मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। रूठे मित्रों को मनाने के लिए दिन अनुकूल है।

मिथुन - आज आयात-निर्यात संबंधी कारोबार में वृद्धि होगी। अधिकारी आपसे अप्रसन्न हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। परिजन आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी महिला सहकर्मी से झगड़ा हो सकता है।

कर्क - आज व्यवसाय में नए अनुबंध करने को लेकर सावधानी रखें। प्रेमी जन से अपने दिल की बात शेयर कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम मिलने से मन उत्साहित रहेगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होगा। बच्चे अपनी गलतियों में सुधार करेंगे।

सिंह - आज अनजाने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन सावधानी पूर्वक करें। गूढ़ आध्यात्मिक चर्चाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। छोटे उद्योगों में घाटा हो सकता है। होटल कारोबारियों के व्यापार में कमी होने की आशंका है। दूसरों के मामलों में टांग न अड़ाएं।

कन्या - आज आपके सम्मान में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्यों के शुरू होने से आपकी उन्नति होगी। आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित कर सकते हैं। व्यवसाय में आपके कारोबार में स्थिरता रहेगी। बुजुर्ग लोग पुराने अनुभवों का स्मरण कर प्रसन्न रहेंगे।

तुला - आज उटपटांग कार्यों में आपका मन उलझेगा। बेरोजगार लोगों को नौकरी की चिंता हो सकती है। कारोबार को स्थिर रखने के लिए उधार लेना पड़ सकता है। आपकी सामाजिक छवि काफी अच्छी रहेगी। तनाव युक्त परिस्थितियों से बचें।

वृश्चिक - आज का दिन कला जगत से जुड़े लोगों के लिए विशेष रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। वित्तीय स्थिति मजबूत रहेगी। परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। लव लाइफ काफी रोमांटिक रहने वाली है।

धनु - आज स्वभाव में विनम्रता का भाव बनाकर रखें। कमर से निचले भाग में दर्द की शिकायत हो सकती है। विवाहेतर संबंधों को लेकर थोड़े आकर्षित हो सकते हैं। आपका विवेक सदैव आपके पक्ष में रहेगा। पर्यटन के लिए यात्रा करने से बचें।

मकर - आज रुके हुए कार्य तेजी से पूर्ण कर लेंगे। नौकरी को लेकर इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लोग आपकी विचारधारा से बहुत जल्दी प्रभावित हो जाएंगे। बड़े भाई-बहनों के जीवन में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं।

कुंभ - आज आर्थिक समस्याओं का निराकरण होगा। निर्माण कार्यों में गति आएगी। दिनचर्या काफी अच्छी रहेगी। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। व्यवसाय में सहयोगियों से सहायता ले सकते हैं।

मीन - आज महिलाओं को अत्यधिक प्रशंसा मिलेगी। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। पिता और गुरुओं का मार्गदर्शन लेना उत्तम होगा। अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर मिलेगा। भाग्य आपका साथ देगा।

सुडोकू-167

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
				1				
						3		
	7							
		9						
					3		2	
		8						
				7				
						9		

सुडोकू - 166 का हल

1	6	5	2	9	8	7	3	4
4	9	8	5	3	7	1	6	2
7	2	3	4	6	1	9	8	5
3	1	2	7	8	4	5	9	6
5	7	6	3	2	9	4	1	8
8	4	9	6	1	5	2	7	3
9	8	4	1	5	3	6	2	7
2	3	7	9	4	6	8	5	1
6	5	1	8	7	2	3	4	9

हम अब भी भारत में खेल रहे हैं। हम इस तरह की सतहों पर खेलते हुए बड़े हुए हैं। हां, गुवाहाटी अलग हो सकता है लेकिन मिट्टी भारत में ही कहीं से आई होगी। हम इन हालात को जानने या इन हालात में बहुत तेजी से ढलने के लिए खुद पर विश्वास करना और उनका समर्थन करना चाहेंगे।

-आकाश चोपड़ा

स्टेडियम

कानपुर, शुक्रवार 21 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गोल्फर दीक्षा डागर ने स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने आखिरी दौर में 11 अंडर स्कोर करके बृहस्पतिवार को बधिर ओलंपिक में स्वर्ण पदक बरकरार रखा । चौबीस वर्ष की दीक्षा ने 2017 बधिर ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करके रजत पदक जीता था जब पहली बार खेलों में गोल्फ को शामिल किया गया था । इसके बाद 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था । दीक्षा ने पहले दिन चार अंडर 68 स्कोर किया जिसके बाद 65 और 72 स्कोर रहा । जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में भाग लेने वाली दीक्षा इसके एक साल बाद 18 वर्ष की उम्र में लेडीज यूरोपीय टूर पर जीत दर्ज करने वाली अदिति अशोक के बाद दूसरी गोल्फर बनी थी । तोक्यो ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) से खेलने का अचानक न्योता पाने वाली दीक्षा ने 54 होल में 26 अंडर स्कोर किया ।

प्रणवी ने आईजीपीएल खिताब जीता

मुंबई : प्रणवी उर्स बृहस्पतिवार को यहां आईजीपीएल टूर में इतिहास रचते हुए पुरुष खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए पेशेवर टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं । प्रणवी ने आईजीपीएल आमंत्रण मुंबई में अंतिम दौर में आठ अंडर 60 का हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया । प्रणवी का कुल स्कोर 18 अंडर रहा । कल तक शीर्ष पर चल रहे करणदीप कोच्चर अंतिम दौर में 64 के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे ।

इटली डेविस कप सेमीफाइनल में

बोलोगना (इटली) : दो बार की गत चैम्पियन इटली ने आस्ट्रिया को 2 . 0 से हराकर डेविस कप टेनिस सेमीफाइनल में जगह बना ली जहां उसका सामना बेल्जियम से होगा । इटली के लिये फ्लावियो कोबोली ने फिलिप मिसोलिच को 6 . 1, 6 . 3 से हराकर दूसरा मुकाबला जीता । इससे पहल मातेओ बेरेटिनी ने जुरिज रोडियोनोव को 6 . 3, 7 . 6 से मात दी थी । इटली लगातार 12 डेविस कप मुकाबला जीत चुका है । आखिरी बार उसे 2023 में कनाडा ने ग्रुप चरण में हराया था । अन्य मुकाबलों में स्पेन का सामना चेक गणराज्य से होगा जबकि जर्मनी की टक्कर अर्जेंटीना से होगी ।

रेयान विलियम्स को मिली फीफा की स्वीकृति

नई दिल्ली : अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि रेयान विलियम्स भारतीय टीम में चयन के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हैं क्योंकि उन्हें अपनी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता छोड़ने के बाद सदस्य संघ बदलने के लिए खेल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा की मंज़ूरी मिल गई है । पर्थ में जन्मे 32 साल के फारवर्ड विलियम्स ने हाल ही में भारतीय नागरिक बनने के लिए अपना ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट छोड़ दिया था । विलियम्स इंडियन सुपर लीग की टीम बेंगलुरु एफसी के लिए खेलते हैं । एआईएफएफ ने कहा फीफा के प्लेयर्स स्टेटस चैंबर ने 19 नवंबर 2025 को अपना आखिरी फैसला जारी किया जिसमें रेयान विलियम्स के संघ बदलने के अनुरोध को मंज़ूरी दी गई जिससे वह भारतीय राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हो गए ।

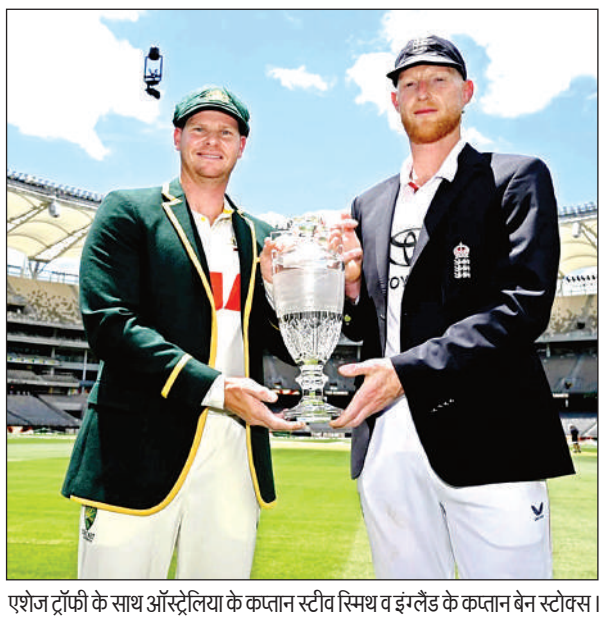

एशेज ट्रॉफी के साथ ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ व इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ।

ऑस्ट्रेलिया में एशेज खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड

पर्थ, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से शुरू हो रही एशेज शृंखला से पहले यक्षप्रश्न यह है कि क्या इंग्लैंड ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर खिताब का सूखा खत्म कर सकेगा ।

ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड ने 13 गंवाये और दो ड्रॉ खेले हैं जबकि एक भी जीत नहीं मिल सकी । आखिरी बार 2010-11 में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था । अगले सात सप्ताह तक पांच शहरों में चलने वाली एशेज शृंखला से पहले कई बड़े सवाल खड़े हैं । क्या उम्मदराज और प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही आस्ट्रेलियाई टीम अपनी सरजमीं पर 2010-11 से चला आ रहा अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी । क्या बेन स्टोक्स इंग्लैंड को आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर लंबे अर्से बाद एशेज दिला सकेंगे ।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे । ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर जिम्मेदारी बढ जाएगी । ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं जिससे आस्ट्रेलियाई पुरूष टेस्ट एकादश में पहली बार दो देशी खिलाड़ी होंगे । कैमरन ग्रीन हरफनमौला की तरह खेलेंगे ।

मार्नस लाबुशेन व एंड्रू मैकडोनाल्ड ।

ऑस्ट्रेलिया सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिल सकता है । मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे । इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है । मैं जनवरी में यहां से रवाना होते समय उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है । इतिहास के बारे में काफी बातें होती है लेकिन अब हमारे पास अपना इतिहास रचने का मौका है । इंग्लैंड टीम में जोफ्रा आर्चर तेज गेंदबाजी का दारोमदार संभालेंगे जिनका साथ देने के लिये मार्क वुड हैं । स्टोक्स खुद गेंदबाजी करेंगे और तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स तथा गुस एटकिंसन को भी मौका मिल सकता है ।

टीमें

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), जैक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कारी, मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, ब्रेंडन डोगेट, स्कॉट बोलैंड, उस्मान ख्वाजा

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर ।

गिल नहीं खेल पाएंगे गुवाहाटी टेस्ट, पंत करेंगे कप्तानी

गले में ऐंठन दोबारा न हो, इसलिए कप्तान को दी गई और आराम की सलाह, अब वनडे सीरीज पर भी पड़ेगा असर

गुवाहाटी, एजेंसी

शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार रिपीट शनिवार को गुवाहाटी में शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे । उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे ।

माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उनकी गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा ज्यादा है । उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है । इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है । उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है । गिल के बाहर होने की वजह से, इंडिया को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना होगा । कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया गया था । तीसरे दिन बीसीसीआई ने कहा वह टेस्ट में हिस्सा नहीं लेंगे ।

अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह । एजेंसी

शुभमन का आज होगा फिटनेस टेस्ट

गुवाहाटी : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में ऐंठन के शिकार हुए भारतीय कप्तान शुभमन गिल का फिटनेस टेस्ट शुक्रवार को होगा । भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने अभ्यास सत्र से पहले कहा वह तेजी से फिट हो रहा है क्योंकि मैं उससे कल ही मिला था । उसे एक मैच के लिये और आराम दिया जाएगा । शुभमन जैसा खिलाड़ी और वह कप्तान भी है तो टीम को उसकी कमी खलेगी । हमारे पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं । वे पेशेवर हैं और टीम के लिये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं । हम उम्मीद करते हैं कि शुभमन खेलेगा लेकिन नहीं भी खेलता है तो हमारे पास विकल्प हैं ।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के खेलने पर असमंजस कायम

गुवाहाटी : दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा ने भारत के खिलाफ शनिवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में कगिसो रबाडा के खेलने की संभावना से इन्कार नहीं किया, लेकिन इस मुख्य तेज गेंदबाज ने बृहस्पतिवार को ट्रेनिंग में हिस्सा नहीं लिया । दुनिया के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक और दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज आक्रमण का अहम हिस्सा रबाडा मैच से पहले ट्रेनिंग सत्र के दौरान पसलियों में चोट लगने के कारण कोलकाता में पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे । बोथा ने दूसरे टेस्ट में इस तेज गेंदबाज के खेलने की संभावना पर कहा हम कागिसो रबाडा पर नजर रख रहे हैं और अगले 24 घंटे में फैसला करेंगे । गुवाहाटी पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा है और बरसापारा स्टेडियम की पिच से दोनों टीम अनजान हैं । बोथा ने पिच के बारे में कहा हमें बताया गया है कि विकेट (गुवाहाटी में) बल्लेबाजी के लिए अच्छा है । लेकिन आप घास रखते हैं या नहीं, इससे बहुत फर्क पड़ता है । दो दिन बचे हैं, हमें यह देखने के लिए इंतजार करना होगा कि क्या यह समय से पहले टर्न लेना शुरू करती है । दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच को उम्मीद है कि ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट में मेहमान टीम की यादगार जीत के नायकों में से एक ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर अंतिम मैच में भी भारतीय बल्लेबाजों को चित्त कर देंगे । साथ ही उनकी फिटनेस को लेकर किसी भी तरह की दिक्कत से भी इनकार किया । बोथा ने कहा साइमन हार्मर के कंधे में कोई दिक्कत नहीं है । अगर गेंद कोलकाता की तरह जल्दी टर्न होने लगे तो बल्लेबाजी क्रम में इतने सारे बाएं हाथ के बल्लेबाज होने पर वह खतरनाक हो जाएंगे । उन्होंने कहा(हमने) आज सुबह इसे देखा । अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और घास काटेंगे या नहीं । इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा ।

भारत के लिए हर प्रारूप खेल पाना आसान नहीं: कुलदीप

गुवाहाटी : भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि भारत में हर प्रारूप में खेलने का मौका मिलना आसान नहीं है लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच आक्रामक मानसिकता से वह अपनी जगह बनाये हुए हैं । कुलदीप आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टी-20 शृंखला के बीच से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट शृंखला खेलने स्वदेश लौट आए थे । उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिए हालांकि भारत 30 रन से हार गया था ।

सभी प्रारूप मिलाकर 342 विकेट ले चुके कुलदीप ने जियो स्टार के ' फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा निश्चित तौर पर आप तीनों प्रारूप खेलना चाहेंगे, लेकिन टेस्ट खेलने में मजा आता है । भारत में सभी प्रारूपों में खेल पाना आसान नहीं है । उन्होंने कहा हर किसी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है । सभी को इसमे मजा आता है, लेकिन यह काफी चुनौतीपूर्ण भी है । अगले चार पांच साल टेस्ट क्रिकेट में मेरे लिए काफी अहम हैं तो मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह से खेलने पर फोकस करूंगा । उन्होंने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर वह स्पष्ट है और टीम प्रबंधन के सहयोग से वह आक्रामक मानसिकता के साथ खेल पाते हैं । कुलदीप ने कहा एक आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर मैं काफी स्पष्ट हूं । मुझे अपनी भूमिका पता है ।

गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में पिच का निरीक्षण करते भारतीय खिलाड़ी ।

अगर वे घास काटेंगे तो फर्क पड़ेगा : बोथा

गुवाहाटी, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा को लगता है कि बरसापारा स्टेडियम का विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर होगा, लेकिन वह यह जानना चाहते हैं कि क्या भारतीय क्यूरेटर लाल मिट्टी वाली पिच से घास हटा देंगे । दूसरा और आखिरी टेस्ट शनिवार से यहां शुरू हो रहा है ।

बोथा ने दूसरे टेस्ट से पूर्व संवाददाताओं से बात करते हुए कहा जहां तक पिच का सवाल है तो मैंने आज सुबह इसे देखा । अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और

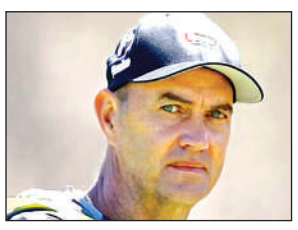

घास काटेंगे या नहीं । इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा ।

प्रथम श्रेणी में 217 विकेट चटकाने वाले बोथा ने कहा लेकिन हमने जो सुना है उसके हिसाब से यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होगा और स्पिन की भूमिका बाद में बनेगी । लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि शायद स्पिन पहले होने लग जाए जैसे पिछले टेस्ट में हुआ था । बोथा का मानना था कि भारत में सामान्य समय से आधा घंटा पहले सुबह नौ बजे मैच शुरू होने से नमी की वजह से नई गेंद की बड़ी भूमिका होगी । उन्होंने कहा, ''मैच नौ बजे शुरू हो रहा है, ज़ाहिर है यह थोड़ा ठंडा होगा । रात में काफी गर्मी होती है लेकिन ज़ाहिर है थोड़ी अधिक नमी होगी इसलिए मुझे लगता है कि पहले घंटे में नई गेंद की भूमिका होनी चाहिए । बोथा ने कहा अगर विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है तो पहले बल्लेबाजी करना एक अच्छा विकल्प है लेकिन अगर विकेट कोलकाता जैसा है तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता ।

घर में खेलने का फायदा नहीं छीना जा सकता : आकाश

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों गुवाहाटी की पिच से अनजान हैं लेकिन पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि ऐसी पिच पर खेलने के अपने पहले के अनुभव के कारण घरेलू टीम अब भी थोड़े फायदे की स्थिति में है ।

कोलकाता टेस्ट 30 रन से हारने के बाद भारत की नजरें दो मैच की सीरीज को बराबर करने पर टिकी हैं, लेकिन पहली बार टेस्ट की मेजबानी कर रहे एसीए स्टेडियम में खेलना उसके लिए नई चुनौती होगी । चोपड़ा ने कहा किसी को भी नहीं पता कि गुवाहाटी में क्रिकेट कैसे खेला जाएगा क्योंकि यह एक नया टेस्ट स्थल है । उन्होंने कहा अगर आप वहां पहली बार खेल रहे हैं तो पिच शुभमन गिल या साई सुदर्शन या ऋषभ पंत के लिए उतनी ही अच्छी है जितनी तेम्बा बावुमा या रेयान रिकेलटन के लिए है । इसलिए यह दोनों टीम के लिए एक चुनौती है । भारत के पूर्व बल्लेबाज को कोई शक नहीं कि भारत को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा ।

सात्विक-चिराग, लक्ष्य व आयुष क्वार्टर फाइनल में, प्रणय और श्रीकांत बाहर

सिडनी,एजेंसी

भारतीय शटलर आयुष शेट्टी और लक्ष्य ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकल वर्ग के मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली । वहीं पुरुष युगल मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया ।

आज यहां पुरुष एकल वर्ग में 32वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में उलटफेर करते हुए जापान के नाराओका को 21-17, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई । आयुष शेट्टी शुक्रवार को क्वार्टर-फाइनल में लक्ष्य सेन से मुकाबला करेंगे । पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में तीसरे नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 50वीं रैंक वाली चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन की जोड़ी को 37 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-11 से हराया ।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने सिडनी के ओलंपिक बुलेवार्ड के क्वेसेंटर में धीमी शुरुआत की । वे सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन के खिलाफ शुरुआती गेम में 15-9 से पीछे चल रहे थे । इसके बाद सात्विक-चिराग ने तेजी दिखाते हुए बढ़त बना ली और पहला गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया । दूसरा गेम एकतरफा रहा ।

सात्विक-चिराग की जोड़ी शुक्रवार को शीर्ष आठ में इंडोनेशिया के पांचवें सीड मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और फजर अल्फियन से मुकाबला करेंगे । इस बीच, पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन ने एक घंटे से अधिक देर तक चले मुकाबले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीनी ताइपे के 27वें रैंक वाले ची यू-जेन को 21-17, 13-21, 21-13 से हराया । भारत के दुनिया के 35वें नंबर के एचएस प्रणय इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 21-19, 21-10 से हारकर मुकाबले से बाहर हो गए । पूर्व वर्ल्ड नंबर वन किदांबी श्रीकांत को भी हार का सामना करना पड़ा ।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

सात्विक-चिराग । फाइल फोटो

विश्व मुक्केबाजी कप भारतीय महिलाओं ने देश के लिए ऐतिहासिक दिन बनाया, 2028 ओलंपिक के लिए बढ़ेगा आत्मविश्वास

नूपुर, मीनाक्षी, प्रीति और अरुंधति ने स्वर्ण पदक जीते

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

भारत की महिलाओं ने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में देश के लिए उस समय एक ऐतिहासिक दिन बनाया, जब मीनाक्षी (48 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और नूपुर (80 किग्रा) ने शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खचाखच भरे स्टेडियम के सामने स्वर्ण पदक जीते ।

उनकी जीत कई खास डिवीजन में हुई जो 2028 ओलंपिक गेम्स में शामिल होंगे, जहां बॉक्सिंग पूरी तरह से जेंडर बराबरी की ओर बढ़ रही है और जो लॉस एंजेलिस की राह पर भारत की बढ़ती कॉम्पिटिटिव ताकत को दिखाता है । उनके शानदार प्रदर्शन ने मेजबान देश के लिए एक शानदार कैंपेन को खत्म किया, जिसमें जदुमणि सिंह, पवन बर्तवाल, अभिनाश जामवाल और अंकुश फंगल ने भी रजत पदक जीते, जिससे पुरुषों और महिलाओं दोनों की ओलंपिक-क्लास वेट कैटेगरी में भारत का बढ़ता रुतबा दिखा । सेशन 7 में सात और भारतीय स्वर्ण पदक के लिए लड़ेंगे, जिनमें मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जैस्मीन लैम्बोइरा, दो बार की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन निकहत ज़रीन और दो बार के वर्ल्ड बॉक्सिंग कप मेडलिस्ट हितेश गुलिया शामिल हैं । मीनाक्षी ने मौजूदा एशियन चैंपियन फरज़ोना फोज़िलोवा पर लगभग बिना किसी गलती के 5:0 से जीत हासिल करके दिन का माहौल बनाया, और शुरुआती घंटी से ही अपना ट्रेडमार्क आक्रामकता दिखाई । वर्ल्ड चैंपियन ने स्पीड के साथ बहुत तेज एक्यूरेसी का मेल किया, राउंड 1 में ज़बरदस्त लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन से बाउट शुरू किया और ज़ोरदार जैब, क्लीन काउंटर और एयरटाइट डिफेंस के जरिए पूरा कंट्रोल बनाए रखा । प्रीति ने एक और जबरदस्त 5:0 का परफॉर्मेंस दिया, जिसमें उन्होंने इटली की वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट सिरिन चर्राबी पर लगातार दबाव बनाया ।

नूपुर

अरुंधति चौधरी

प्रीति ।

अरुंधति ने अजीजा को 5-0 से हराया

अरुंधति चौधरी ने दिन का सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा को 5-0 से हराया । 18 महीने बाद वापसी करते हुए, उन्होंने तेज अटैक और अनुशासित डिफेंस का मिक्सचर किया, डिसाइसिव जैब से खूब स्कोर किया और तीनों राउंड में पूरा टैक्टिकल कंट्रोल बनाए रखा । स्वर्ण पदक की बढ़त तब जारी रही जब नूपुर ने एक टेंशन भरे, टैक्टिकल मुकाबले में उज़्बेकिस्तान की सोटिम्बोएवा ओल्टिनोय को 3 :2 से हराया । पुरुषों के फाइनल में, भारत ने अपनी गिनती में चार रजत पदक जोड़े । जदुमणि सिंह (50) ने दिल से मुकाबला किया लेकिन उज़्बेकिस्तान के असिलबेक जलीलोव से 1 :4 से हार गए ।